राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 पंजाब किंग्स के शानदार प्रदर्शन की सलमान ने की तारीफ....

धोनी ने चेपॉक पर किया अभ्यास, केकेआर के खिलाफ 11

वर्ष : 16 ■ अंक : 341 ■ नई दिल्ली, गुरूवार, 16 अप्रैल, 2026 ■ विक्रम संवत् 2083 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,61,520
चांदी	2,59,279
सेंसेक्स	74,563
निफ्टी	23,151

बंगाल में जीत हासिल करने पर गोरखा मुद्दे के समाधान को प्राथमिकता देगी भाजपा: शाह

प्रात: किरण, एजेंसी

कोलकाता/नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आने के बाद, दार्जिलिंग में गोरखा मुद्दे को हल करने को प्राथमिकता देगी और पूर्व के हिंसक आंदोलनों के लिए समुदाय के नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को वापस लेगी। शाह खराब मौसम की वजह से दार्जिलिंग की पहाड़ियों में स्थित लेबोंग के ऊपरी इलाकों तक नहीं पहुंच पाए और उन्होंने सभा को एक वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज आपसे नहीं मिल पाने का मुझे गहरा खेद है। लेकिन मैं आपसे वादा करता हूं कि 21 अप्रैल को कुर्सियोंग के सुकना में होने वाली निर्धारित जनसभा में मैं आपसे प्रत्यक्ष तौरपर मिलूंगा, जहां मैं दार्जिलिंग के लोगों के लिए हमारी विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करूंगा। उन्होंने कहा, फिलहाल मैं इतना ही कहूंगा कि बंगाल में सरकार बनने के बाद हमारी प्राथमिकता गोरखा मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान करना होगी। सत्ता में आने के बाद हम गोरखा नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ लंबित सभी पुलिस मामलों को वापस ले लेंगे। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष शाह ने कहा कि चुनाव से पहले राज्य भर में हुई सभाओं के बाद उन्हें पूरा विश्वास है कि भाजपा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को हरा देगी। दार्जिलिंग पहाड़ियों में रहने वाले नेपाली भाषी भारतीयों की दशकों पुरानी गोरखालैंड राज्य की मांग को लेकर अतीत में कई हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2011 में दार्जिलिंग के ऊपरी इलाकों और तलहटी के कुछ हिस्सों के प्रशासन के लिए अर्ध-स्वायत्त गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) के गठन के बावजूद, 2017 तक हिंसक आंदोलन होते रहे। इस क्षेत्र में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) और गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) जैसी स्थानीय गोरखा पार्टियों तथा भाजपा और तृणमूल कांग्रेस जैसे बड़े राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक गठबंधन में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, जहां अलग गोरखालैंड की मांग हमेशा से राजनीतिक केंद्र में रही है। आगामी चुनाव में, तृणमूल कांग्रेस ने बिमल गुरुंग की जीजेएम से अलग हुए गुट, अनित थापा के नेतृत्व वाली भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजेपीएम) के साथ रणनीतिक सीट-साझाकरण गठबंधन किया है। तृणमूल कांग्रेस ने दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियोंग की सीट अपने सहयोगी दल के लिए छोड़ दी हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने एक बार फिर गुरुंग का समर्थन हासिल किया है, हालांकि इस बार भाजपा इस क्षेत्र से सीधे चुनाव लड़ रही है। दार्जिलिंग में मतदान 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के पहले चरण में होगा। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा, जिसके बाद 4 मई को मतगणना होगी।

मोदी ने विकसित भारत 2047 के लिए पेश किये नौ संकल्प, कहा- जनता को संभालनी होगी कमान

प्रात: किरण, एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 'विकसित भारत के लिए नौ संकल्प' लेने का अनुरोध किया और कहा कि यदि हम सभी इन नौ संकल्पों पर ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो हम विकसित भारत 2047 बनाने की यात्रा में तेजी ला सकते हैं। प्रधानमंत्री ने मांड्या जिले के आदिचुंचनगिरी मठ में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्रीय सीमाओं से परे है और सामूहिक भागीदारी एवं जीवनशैली में बदलाव के लिए राष्ट्रव्यापी आह्वान का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की व्यक्तिगत आदतें और दैनिक विकल्प देश के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा, ₹यदि हम सभी इन नौ संकल्पों पर ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो हम विकसित कर्नाटक और विकसित भारत की ओर प्रगति को तेज कर सकते हैं। विकास को केवल सरकार संचालित प्रयास के बजाय जन-आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि परिवर्तन की शुरूआत रोजमर्रा के व्यवहार के स्तर से होनी चाहिए। उन्होंने नदी प्रणालियों पर निर्भर क्षेत्रों में जल संरक्षण को प्रमुख प्राथमिकता बताया, और नागरिकों से सामूहिक प्रतिज्ञा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आइए हम सब जल संरक्षण और इसके बेहतर प्रबंधन का संकल्प लें। पर्यावरण स्थिरता पर प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ₹आइए हम अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाएं और धरती मां की रक्षा करें।₹ स्वच्छता को नागरिक कर्तव्य बताते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक स्थलों, गांवों और शहरों में साफ-सफाई बनाये रखना साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, चाहे वह धार्मिक स्थल हो, सार्वजनिक स्थान हो, गांव हो या शहर, स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के संबंध में, प्रधानमंत्री ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और भारतीय उद्योगों को समर्थन देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण को आर्थिक सशक्तीकरण के आधार बताते हुए कहा, ₹आइए हम भारतीय उत्पादों को अपनाएं और अपने उद्योगों को मजबूत करें। उन्होंने राष्ट्रीय जागरूकता और सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देते हुए नागरिकों से देश भर में यात्रा करने और इसकी विविधता को जानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ₹आइए हम पूरे भारत की यात्रा करें और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दें।₹ उन्होंने आगे कहा कि लोगों के बीच बेहतर जुड़ाव राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को गति देगा। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य और पोषण पर मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करने पर जोर देते इस बात पर चिंता व्यक्त की कि बढ़ता मोटापा बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बन गयी है। इसके साथ ही नागरिकों से तेल की खपत में 10 फीसदी की कमी का आग्रह किया। कृषि को लेकर उन्होंने किसानों से कहा, आइए हम रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें। उन्होंने शारीरिक फिटनेस पर और जोर देते हुए कहा, ₹योग, खेल और फिटनेस हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होने स्वास्थ्य देखभाल को राष्ट्रीय प्राथमिकता में स्थापित किये जाने की बात कही। इस मौके पर उन्होंने जनसेवा की मजबूत भावना का आह्वान करते हुए कहा, ₹जरूरतमंदों की सेवा समाज को मजबूत करती है और जीवन को बड़ा उद्देश्य देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नौ संकल्प एक व्यापक जन-भागीदारी वाले शासन मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां नागरिक स्तर पर व्यवहारिक परिवर्तन सामूहिक रूप से राष्ट्रीय परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामूहिक प्रतिबद्धता विकसित कर्नाटक और विकसित भारत₹ के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इससे पहले दिन में, उन्होंने मांड्या जिले के ऐतिहासिक आदिचुंचनगिरी मठ परिसर में 'श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर' का उद्घाटन किया, जो दिवंगत संत श्री बालगांगाधरनाथ स्वामीजी को समर्पित एक नया आध्यात्मिक स्थल है।

सम्राट चौधरी ने बिहार के 24 वे मुख्यमंत्री के रुप में ली शपथ

■ जदयू कोटे से विजय चौधरी और विजेन्द्र प्रसाद यादव ने ली उपमुख्यमंत्री की शपथ

प्रात: किरण, एजेंसी

पटना। बिहार के नये मुख्यमंत्री के रुप में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राजग विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने पद और गोपनियता की शपथ ली। पटना के लोकभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने उन्हें शपथ दिलाई। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में एक नए राजनीतिक दौर की शुरूआत हो गई है। उन्होंने राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ ही जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कोटे से दो उपमुख्यमंत्री ,विजय चौधरी और विजेन्द्र प्रसाद यादव को पद और गोपनियता की शपथ दिलाइ गई। जीवन और शिक्षा सम्राट चौधरी का जन्म 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर गांव में हुआ था। उनकी मां पार्वती देवी और पिता शकुनी चौधरी भी बिहारी राजनेता थे। अपनी बुनियादी शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। चौधरी कोयरी-कुशवाहा जाति से ताल्लुक रखते हैं और वे भाजपा का ओबीसी चेहरा रहे हैं। चौधरी का विवाह ममता कुमारी से हुआ है। उनसे उन्हें एक बेटा और एक बेटी है। वह अपने उपनाम राकेश कुमार से भी जाने जाते है। प्रारंभिक राजनीतिक जीवन सम्राट चौधरी ने 1990 में सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया और 19 मई 1999 को उन्होंने राबड़ी देवी की सरकार में कृषि मंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने 2000 और 2010 में परबत्ता (विधानसभा क्षेत्र) से चुनाव लड़ा और विधायक चुने गए। उन्हें बिहार विधानसभा में विपक्षी दल का मुख्य सचेतक बनाया गया। 02 जून 2014 को, उन्होंने जीतन राम मांझी की सरकार में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री के रूप में शपथ ली और पदभार संभाला। उन्होंने 2014 में जीतन राम मांझी मंत्रालय में शहरी विकास और आवास, स्वास्थ्य मंत्री और 1999 में राबड़ी देवी मंत्रालय में माप विज्ञान और बागवानी मंत्री के रूप में भी कार्य किया । 2018 में, उन्हें भाजपा की बिहार राज्य इकाई का उपाध्यक्ष बनाया गया था। वह 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान और प्रमुखता से उभरे, जब चौधरी को भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए एक स्टार प्रचारक बनाया गया था। हालांकि, वह लालू प्रसाद यादव के जाति समीकरण पर एक विवादास्पद बयान देने के बाद एक विवाद में भी उलझे थे। नीतीश कुमार की सरकार वर्ष 2021 में सम्राट को भाजपा कोटे से विस्तारित मंत्रिमंडल में पंचायती राज मंत्री बनाया गया । मार्च 2021 में, उन्होंने बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के साथ एक मजबूत बहस में उलझने के लिए राष्ट्रव्यापी ध्यान आकर्षित किया।

संक्षिप्त खबरें

अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ एक नया और बेहद चौंकाने वाला हलफनामा दाखिल किया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि जस्टिस शर्मा के दोनों बच्चे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम करते हैं, जो इस मामले में जांच एजेंसी सीबीआई और ईडी की पैरवी कर रहे हैं। हलफनामे में दावा किया गया है कि चूंकि तुषार मेहता उनके बच्चों को केस देते हैं, इसलिए ऐसी स्थिति में जस्टिस शर्मा से निष्पक्ष फैसले की उम्मीद करना कठिन है। केजरीवाल ने कन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट (हितों के टकराव) की दलील देते हुए जस्टिस शर्मा से मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग की है। केजरीवाल ने अपने आवेदन में जस्टिस शर्मा की न्यायिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने दलील दी कि 9 मार्च की सुनवाई में आरोपियों का पक्ष सुने बिना और रिकॉर्ड मंगवाए बिना ही सेशंस कोर्ट के आदेश को प्रथम दृष्टया गलत बता दिया गया। साथ ही, उन्होंने कोर्ट की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि जस्टिस शर्मा अन्य मामलों में लंबी तारीखें देती हैं, लेकिन इस जटिल केस में जवाब दाखिल करने के लिए महज एक हफ्ते का समय दिया गया। केजरीवाल का आरोप है कि जांच एजेंसियों द्वारा मौखिक रूप से कही गई बातों को भी आदेश का हिस्सा बना लिया जाता है, जिससे आरोपियों के प्रति पूर्वाग्रही रवैया झलकता है।

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा हटाई, केंद्र सरकार ने दी जेड सिक्योरिटी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को बड़ी सुरक्षा राहत देते हुए जेड कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह सुरक्षा दिल्ली व पंजाब दोनों जगह लागू होगी और अर्धसैनिक बल उनके सुरक्षा कवच का जिम्मा संभालेंगे। जानकारी के अनुसार, यह फैसला इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। गृह मंत्रालय ने सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं का आकलन करने के बाद यह कदम उठाया है। पंजाब की आप सरकार ने राघव चड्ढा की राज्यस्तरीय सुरक्षा वापस ले ली थी। इससे पहले, जब वह पंजाब से राज्यसभा सदस्य चुने गए थे, तब उन्हें राज्य सरकार की ओर से उच्च स्तर की जेड प्लस सुरक्षा दी गई थी। पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी नेतृत्व के बीच तनाव खुलकर सामने आया है। यह विवाद उस वक्त और बढ़ गया, जब पार्टी ने 2 अप्रैल को उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया। इस फैसले के बाद चड्ढा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था ।

व्यापारिक जहाजों पर हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य : एजेडईसी-प्लस मीटिंग में एस जयशंकर

प्रात: किरण, एजेंसी

टोक्यो/नई दिल्ली। भारत ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) में व्यवधानों को लेकर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सुरक्षित और निर्बाध समुद्री परिवहन की आवश्यकता पर जोर दिया है। जापान द्वारा आयोजित ह्यएजेडईसीह्ल बैठक में भाग लेते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों की स्थिरता के लिए समुद्री मार्गों का सुरक्षित रहना बेहद जरूरी है। भारत ने कहा कि व्यापारिक जहाजों (मर्चेंट शिपिंग) पर किसी भी प्रकार के हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं, और इससे न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। बैठक के बाद विदेश मंत्री ने एक्स पर कहा, एनर्जी मार्केट में सप्लाई चेन में रुकावटों पर चर्चा करने के लिए जापान की ओर से बुलाई गई एजेडीईसी मीटिंग में हिस्सा लिया। सुरक्षित और बिना रुकावट वाले समुद्री परिवहन को लेकर भारत की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने रेखांकित किया कि न समुद्री मार्गों से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर किसी भी तरह का हमला हम स्वीकार नहीं करते हैं। ग्लोबल ग्रोथ की मांग है कि ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। बड़े उपभोक्ता के तौर पर भारत सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए अपने साझेदारों संग काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए कृषि मंत्रालय ने हैप्पी सीडर तकनीक पर दिया जोर

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण और पराली जलाने की गंभीर समस्या से निपटने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय अब टिकाऊ खेती और आधुनिक मशीनीकरण को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल के केंद्र में ह्यहैप्पी सीडरह्ल और ह्यसुपर सीडरह्ल जैसी मशीनें हैं, जो फसल अवशेषों को बिना जलाए सीधे बुआई करने की सुविधा प्रदान करती हैं। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अनुसार, ये मशीनें पराली को छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी में मिला देती हैं, जो बाद में जैविक खाद में बदल जाती है। इससे न केवल जहरीले धुएं से मुक्ति मिलती है, बल्कि रसायनों पर निर्भरता कम होने से मिट्टी की सेहत में भी उल्लेखनीय सुधार होता है। योजना के प्रभावी होने के बावजूद, जमीनी स्तर पर छोटे किसानों को तकनीकी और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक परिस्थितियों के बीच भी दिल्ली में एलपीजी, पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य : मुख्यमंत्री

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद राजधानी में एलपीजी, पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, स्थिर एवं पर्याप्त बनी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली की सभी गैस एजेंसियों एवं बॉटलिंग प्लांट्स पर एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और विभिन्न माध्यमों से हो रही आपूर्ति के चलते निर्बाध वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 1.25 लाख एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की जा रही है, जो सामान्य मांग के अनुरूप है, जबकि औसत डिलीवरी समय 4 से 5 दिन बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा या कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था की निरंतर निगरानी की जा रही है। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को एसएमएस, आईवीआरएस, वॉट्सऐप एवं ऑनलाइन पोर्टल जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिलीवरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी ऑथेंटिकेशन प्रणाली लागू की गई है, जिसके तहत प्रतिदिन 90 प्रतिशत से अधिक डिलीवरी का सत्यापन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) योजना के अंतर्गत 5 किग्रा एलपीजी सिलेंडर प्रवासी श्रमिकों के लिए गैस एजेंसियों पर उपलब्ध कराए गए हैं। वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करने पर ये सिलेंडर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, सभी जिलों में संबंधित डीएम, एसडीएम, एफएसओ (खाद्य आपूर्ति अधिकारियों) के सहयोग से विशेष शिविर एवं आउटरीच अभियान संचालित किए जा रहे हैं, जहां गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि जरूरतमंदों को 5 किग्रा. सिलेंडर उपलब्ध कराने एवं आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपस्थित रहते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य स्तरीय समन्वयक (दिल्ली) एवं एचपीसीएल के डीजीएम-रिटेल बनय सिंह ने बताया है कि तेल विपणन कंपनियां उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाओं एवं शिकायतों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। जहां कहीं भी किसी वितरक द्वारा कालाबाजारी, जमाखोरी, डायवर्जन या अन्य अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त हुई है, वहां दिल्ली पुलिस एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सहयोग से विशेष टीमों को तैनात कर सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 540 से अधिक छापेमारी की जा चुकी है, जिनमें 2027 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं तथा 44 एफआईआर दर्ज की गई हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए विकास भवन स्थित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, घबराहट में बुकिंग या अनावश्यक भंडारण से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की चिकित्सकों से नवाचार अपनाने की अपील

प्रात: किरण, एजेंसी

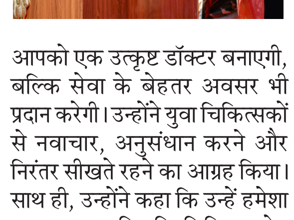

नागपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को युवा चिकित्सकों से नवाचार, अनुसंधान करने और निरंतर सीखते रहने का आग्रह करते हुए इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा में नैतिक मूल्य सर्वोपरि हैं और प्रौद्योगिकी करुणा का स्थान नहीं ले सकती। राष्ट्रपति मुर्मू नागपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दूसरे दीक्षांत समारोह में एक सभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इस देश की बेटियां और बेटे मिलकर 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों में ना केवल सेवा भाव होना चाहिए, बल्कि आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिज्ञासा ही प्रगति का आधार है। चिकित्सा विज्ञान में नये समाधान खोजने की प्रेरणा ना केवल आपको एक उत्कृष्ट डॉक्टर बनाएगी, बल्कि सेवा के बेहतर अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने युवा चिकित्सकों से नवाचार, अनुसंधान करने और निरंतर सीखते रहने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा याद रखना चाहिए कि चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों ना हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान नहीं ले सकती। करुणा की भावना को हमेशा बनाए रखें, क्योंकि यह आपको ना केवल एक अच्छा डॉक्टर बनाती है, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले दशक में नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन कल्याण आरोग्य योजना के तहत 43 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य कार्ड जारी किए हैं, जो प्रत्येक लाभार्थी परिवार को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 1.85 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए हैं। मुर्मू ने सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न अन्य स्वास्थ्य संबंधी पहलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों को मानवता की सेवा करने का विशेष अवसर प्राप्त है और उन्हें इस जिम्मेदारी पर गर्व करना चाहिए तथा इसे संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नैनीताल पहुंच रहे पर्यटकों में बढ़ा घुड़सवारी का क्रेज

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल में पर्यटकों के घुड़सवारी खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बारापत्थर क्षेत्र से संचालित घुड़सवारी में रोजाना 100 से अधिक पर्यटक शामिल हो रहे हैं। वीकेंड पर यह संख्या और बढ़ जाती है। नैनीताल के बारापत्थर क्षेत्र में घोड़ा स्टैंड से 94 घोड़ों का संचालन किया जाता है। पर्यटकों को घुड़सवारी के दौरान टाइगर टॉप, लैंड्स एंड, टिफिन टॉप, डोरोथी सीट, फॉरेस्ट एरिया समेत कुल छह प्रमुख व्यू प्वाइंट घुमाए जाते हैं। इन स्थानों पर पर्यटक नैनीताल की खूबसूरत वादियों और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद उठाते हैं। घुड़सवारी का शुल्क 820 और फॉरेस्ट एंट्री के 100 रुपये मिलाकर प्रति व्यक्ति 920 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। घोड़ा चालक समिति के अध्यक्ष मो. उमर ने बताया कि अप्रैल दूसरे सप्ताह से पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने लगा है। उन्होंने प्रशासन से पानी के फिल्टर ठीक कराने व वन विभाग से रास्ता ठीक कराने की मांग की है।बारापत्थर में घोड़ा संचालन से 100 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है। टैक्सी चालक, दुकान संचालक और गाइडों को बारापत्थर क्षेत्र में रोजगार मिल रहा है। घोड़ा संचालन के चलते टिफिन टॉप क्षेत्र में भी पर्यटकों से आय हो रही है।

पांच-पांच लाख रुपये से सुधरेगा स्टाफ हाउस व आवागढ़ वार्ड

नैनीताल, एजेंसी। नगर पालिका की ओर से प्रत्येक वार्ड में किए जाने वाले पांच-पांच लाख रुपये के कार्य के सापेक्ष शीघ्र ही स्टाफ हाउस और आवागढ़ वार्ड की भी निविदा होनी है। इसके बाद यहां कार्य शुरू कर दिया जाएगा। नगर पालिका के सभी 15 वार्डों में पांच-पांच लाख रुपये के कार्य करने की संस्तुति हुई है। सभासदों की ओर से दिए गए प्रस्ताव के क्रम में 13 वार्ड की निविदा भी निकाली जा चुकी है। एमई अनुभाग के सूरज चौहान ने बताया कि निविदा की तैयारी पूरी हो गई है। इसी सप्ताह निविदा कर कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

क्षतिग्रस्त विद्यालय की दीवारों को साड़ी और शॉल से ढकने को मजबूर

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल के ब्रेसाइड प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र की दीवारें जर्जर हो चुकी हैं जिससे शिक्षकों को उन्हें साड़ी और शॉल से ढकना पड़ रहा है। वार्ड सात में स्थित इस भवन में विद्यार्थी असुरक्षित माहौल में पढ़ने के लिए मजबूर हैं। नगर पालिका के वार्ड सभासद जीतेंद्र पांडे जीनू ने बताया कि यह भवन नगर पालिका का है। इसे शिक्षा के उन्नयन के लिए शिक्षा विभाग को दिया गया था। विद्यालय प्रबंधन के पत्राचार पर भी जर्जर भवन में सुधार की कोई पहल नहीं हुई है। जीनू ने शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को ज्ञापन भेजकर भवन की मरम्मत की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मरम्मत नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने इस मामले में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों से भी मिलने की बात कही है। ब्रेसाइड विद्यालय के पास नगर पालिका ने हाल ही में जन आरोग्य केंद्र शुरू किया है। इसके बावजूद पास में स्थित प्राथमिक विद्यालय की अनदेखी की जा रही है। यह स्थिति विभाग की लापरवाही को उजागर करती है।

नवनिर्वाचित व्यापार मंडल पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

गरमपानी, एजेंसी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नगर इकाई खैरना-गरमपानी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष एवं दायित्वधारी नवीन चंद्र वर्मा ने शपथ दिलाई। व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज जलाल ने कहा कि खैरना, गरमपानी, रातीघाट, छड़ा, चमड़िया क्षेत्र के व्यापारी एकजुट होकर क्षेत्र के विकास और व्यापारिक हितों के लिए निरंतर कार्य करेंगे। पदाधिकारियों ने सभी व्यापारियों से माह में एक दिन स्वेच्छा से बाजार बंद रखने का आह्वान किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता, जिला महामंत्री अंकित साह, भास्कर तिवारी, हर्षवर्धन पांडे, प्रवीण पटवाल, पंकज जोशी आदि मौजूद रहे।

जागेश्वर धाम में जल्द दिखेगा जिप लाइन खेल का रोमांच

अल्मोड़ा, एजेंसी। जागेश्वर धाम में पर्यटक और श्रद्धालु जल्द साहसिक खेल जिप लाइन के रोमांच का आनंद ले सकेंगे। वन विभाग ने मंदिर के समीप स्थित हर्बल गार्डन को इको टूरिज्म जोन के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। विभाग यहां साहसिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजेगा। एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा तो यहां पर्यटन कारोबार को पंख लगेंगे।जागेश्वर धाम से एक किमी पहले देवदार से घिरा हर्बल गार्डन पर्यटकों को आकर्षित करेगा। योजना के तहत यहां तैयार औषधीय पौधों की नर्सरी को विकसित किया जाएगा। वहीं गार्डन में साहसिक गतिविधियों का भी संचालन किया जाएगा। वन विभाग ने पर्यटकों को लुभाने के लिए रोमांचक खेल जिप लाइन शुरू करने की योजना बनाई है। गार्डन को इको टूरिज्म जोन के रूप में विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजेगा। इस अनूठी पहल से क्षेत्र में पर्यटन कारोबार को नई गति मिलेगी। इस पहल से क्षेत्र को इको टूरिज्म जोन के रूप में नई पहचान मिलेगी।- पर्यटकों के लिए ठहरने के लिए गार्डन में इको हट तैयार किए जाएंगे। जहां पर्यटक अपने परिवार के साथ पहाड़ की सुंदरता को करीब से निहार सकेंगे। साथ ही पर्यटकों को यहां कैंटीन की भी सुविधा मिलेगी। जहां वह पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे।

मौसम का मिजाज बदला, अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज; जानें डॉक्टरों की सलाह

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में मंगलवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।यह इस महीने का अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

मंगलवार को बड़ी गर्मी से हर कोई परेशान नजर आया। काठगोदाम में पुल के पास बहती गैला नदी में गोता वगाकर युवाओं ने खुद को राहत दिलाने का प्रयास किया। - फोटो : संवाद

हल्द्वानी में मंगलवार को मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जो इस महीने का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। इस दौरान बाहर निकलना लोगों के लिए काफी मुश्किल भरा रहा और गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित किया।

अप्रैल की शुरुआत में जहां पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लोगों को हल्की ठंड और बारिश से राहत मिली थी वहीं अब मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। भाबर और आसपास के क्षेत्रों में तेज धूप, शुष्क हवाओं और बढ़ते तापमान ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

स्थिति यह है कि कुछ दिन पहले तक गर्म कपड़े पहनने वाले लोग अब चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं से बचने के रास्ते तलाश रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार हाल ही में हुई बारिश से जो अस्थायी राहत मिली थी वह अब खत्म हो चुकी है और वातावरण पूरी तरह शुष्क हो गया है। इसी वजह से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान देहरादून से अधिक रहा। हल्द्वानी के 36 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले देहरादून में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हल्द्वानी का न्यूनतम तापमान 11.8 रहा। इसी तरह मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 24.3 और न्यूनतम 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

इस महीने यह पहली बार है जब तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार गया है। कुछ दिन पहले तक मौसम में हल्की ठंडक बनी हुई थी। इस दौरान लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए थे लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

कौसानी में ग्रीष्मकालीन पर्यटन शुरू पर्यटकों के लिए चूल्हे में बनेगा खाना

बागेश्वर, एजेंसी। जिले में ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन 15 अप्रैल से शुरू होकर 15 जून तक चलेगा। इसे लेकर होटल, गेस्ट हाउस तथा अन्य पर्यटन कारोबारियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

पर्यटन सीजन से स्थानीय व्यापारियों को अच्छी आमदनी की उम्मीद है, हालांकि गैस सिलिंडरों की कमी इस बार बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। इस वर्ष औसतन वर्षा तथा हिमपात के चलते पहाड़ों में मौसम सुहावना बना हुआ है। हालांकि जंगलों में आग की घटनाओं के कारण वातावरण में हल्की धुंध भी देखने को मिल रही है।

अप्रैल से जून तक चलने वाला यह सीजन स्थानीय लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी से उन्हें सालभर के लिए आर्थिक संबल मिलता है। जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल कौसानी, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है, इन दिनों पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। गर्मियों की छुट्टियों के चलते देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों के यहां पहुंचने की संभावना है।

होटल ऐसोसिएशन के अध्यक्ष बबलू नेगी ने बताया कि गैस सिलेंडरों की कमी के कारण ईंधन संकट गहरा गया है। ऐसे में अधिकतर होटल, रेस्टोरेंट तथा ढाबा संचालकों ने लकड़ी के चूल्हों की व्यवस्था की है। इस बार पर्यटकों को कुमाऊंनी व्यंजन जैसे भट की चुरकाणी, गहत की दाल और मडुवे की रोटी लकड़ी की आंच पर बनाकर परोसे जाएंगे, जिससे उनका स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

कौसानी में 25 होमस्टे और 40 होटल हैं, जहां आनलाइन बुकिंग शुरू हो चुकी है। पिछले एक सप्ताह से यहां पर्यटकों की आवाजाही बढ़ गई है। स्थानीय होटल कारोबारी विपिन उप्रेती, बीडी जोशी, गिरीश कांडपाल और मोहन कांडपाल का कहना है कि इस बार पर्यटन सीजन बेहतर रहने की उम्मीद है।

पर्यटक रुद्रधारी, अनासक्ति आश्रम, बैजनाथ मंदिर, सुमित्रानंदन पंत संग्रहालय, कोट भ्रामरी मंदिर और बागनाथ मंदिर जैसे स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। साथ ही बैजनाथ में बनी कृत्रिम झील में नौकायन का आनंद भी लिया जा सकेगा।

पीएम के कार्यक्रम में जा रहे संघर्ष समिति के लोगों को पुलिस ने रोका

ऋषिकेश, एजेंसी। देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे बापूग्राम बचाओ संघर्ष समिति के सदस्यों को प्रशासन और पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया। इस कार्रवाई से नाराज प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने आईडीपीएल सिटी गेट के बाहर हरिद्वार राजमार्ग पर चक्का जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के पसीने छूटे गए। घटना स्थल पर पहुंचे तहसीलदार प्रदीप नेगी और कोतवाली प्रभारी केसी भट्ट ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया। कई घंटों की मशक्कत के बाद जाम खुलवाया गया और यातायात सामान्य हुआ।

बापूग्राम को राजस्व ग्राम का दर्जा देने की मांग को लेकर बापूग्राम बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले बापूग्राम, मीरानगर, बीसबीघा, गीतानगर, नंदुफार्म, गुमानीवाला समेत विभिन्न क्षेत्र के लोगों का धरना जारी रहा।

मंगलवार को प्रधानमंत्री तक क्षेत्र की समस्या को पहुंचाने के लिए बापूग्राम से प्रदर्शनकारी देहरादून के लिए रवाना हुए। सिटी गेट के समीप पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को रोक दिया।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद क्षेत्र के लोगों में भय और असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

लोगों को आशंका है कि उनकी जमीन और आवास प्रभावित हो सकते हैं। इसी मांग को लेकर संघर्ष समिति लगातार आंदोलन कर रही है और सरकार से स्पष्ट समाधान की मांग कर रही है।

स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब बापूग्राम मार्ग पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। गुस्साए लोगों ने बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की।

प्रदर्शन करने वालों में राजपाल खरोला, जयेंद्र रमोला, सुधीर राय, शूरवीर सिंह सजवाण, मुस्कान चौधरी, हिमांशु कश्यप, दिनेश व्यास, आशुतोष शर्मा, अविनाश आदि शामिल रहे।

नगर में लगेंगे 70 हैंडपंप, भीषण गर्मी में नहीं भटकना पड़ेगा

काशीपुर, एजेंसी। नगर निगम गर्मी से राहत देने के लिए क्षेत्र में 70 इंडिया मार्का हैंडपंप लगाने का कार्य शुरू करा दिया है। अब राहगीरों को भीषण गर्मी के बीच गला तर करने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। मेयर दीपक बाली और नगर आयुक्त रविंद्र सिंह ने बताया कि निगम प्रशासन की ओर से क्षेत्र में 70 नए इंडिया मार्का हैंडपंप लगाए जा रहे हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर निगम की ओर से राहगीरों को गर्मी में राहत देने के लिए प्याऊ और वाटर कूलर लगाने की भी योजना प्रस्तावित है। इसके लिए स्थान चिह्नित किए जा रहे हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि हैंडपंप लगाने के लिए निगम प्रशासन की ओर से टेंडर प्रक्रिया हो गई है। लगभग 90 लाख की लागत से क्षेत्र में 70 हैंडपंप लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि नए इंडिया मार्का हैंडपंप लगाने लिए स्थान चिह्नित हो गए हैं। इसके अलावा प्याऊ व वाटर कूलर लगने के लिए सार्वजनिक स्थान चिह्नित करने की प्रक्रिया गतिमान है। जहां सर्वाधिक लोगों की आवाजाही है और आसपास पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं वहां हैंडपंप लगाए जा रहे हैं।काशीपुर। रोडवेज डिपो में पिछले एक सप्ताह से सबमर्सिबल मोटर खराब हो गई थी जिससे पेयजल की व्यवस्था चरमरा गई थी। अब नया सबमर्सिबल बोरवेल लगाने के लिए बाद बस अड्डे पर पेयजल की व्यवस्था सुधर गई है। वर्षों पुरानी मोटर पूरी तरह से खराब हो चुकी थी जिसके बाद पेयजल संकट गहरा गया था। सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि नया बोरवेल लगने के बाद पेयजल व्यवस्था सुधर गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर भारी पड़ा कार्य बहिष्कार लोगों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ

नैनीताल, एजेंसी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कार्य बहिष्कार का असर दिखाई देने लगा है। छह अप्रैल से जारी आंदोलन के चलते जिले के अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र बंद हैं जिससे गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलने वाली जरूरी सेवाएं बाधित हो रही हैं।

हल्द्वानी में विभिन्न मांगों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कार्य बहिष्कार का असर जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर दिखाई दे रहा है। छह अप्रैल से जारी आंदोलन के कारण अकिधतर केंद्रों पर ताले लटक गए हैं। इससे आम लोगों को मिलने वाली कई सेवाएं बाधित हो गई हैं।

मांगों के लिए मंगलवार को भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का बुद्ध पार्क में धरना-प्रदर्शन जारी रहा। इस कारण शहर के बनभूलपुरा, लोहरियासाल तल्ला, सुभाषनगर, गोरापड़ाव और मुखानी सहित सभी क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्र बंद हैं। इससे गर्भवती महिलाओं और बच्चों को महालक्ष्मी किट, पोषण किट और अन्य योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि केंद्रों के बंद रहने से कई जरूरी कार्य प्रभावित हुए हैं। कहीं लाभार्थियों का डेटा अपडेट नहीं हो पा रहा है तो कहीं बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण संबंधी गतिविधियां ठप पड़ी हैं।

केदारनाथ यात्रा 2026 का काउंटडाउन शुरू धाम पहुंचकर डीएम-एसपी ने परखी तैयारियां

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है. इसी कड़ी में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने संयुक्त टीम के साथ केदारनाथ पहुंचकर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया. साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

गौर हो कि विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2026 का आगाज 19 अप्रैल यानी अक्षय तृतीया के दिन से होने जा रहा है. इस दिन यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खोले जाएंगे. इसके बाद 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए जाएंगे. ऐसे में अब कपाट खुलने में गिनती भर के दिन रह गए हैं. यही वजह है कि तमाम व्यवस्थाएं जुटाने के साथ ही सभी तैयारियां मुकम्मल की जा रही है. डीएम विशाल मिश्रा और एसपी निहारिका तोमर ने परखी तैयारियांः आज यानी 13 अप्रैल को डीएम विशाल मिश्रा और एसपी निहारिका तोमर केदारनाथ पहुंचे. जहां उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया. इस दौरान डीएम मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी मूलभूत सुविधाएं हर हाल में पूरी कर ली जाएं. किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्तः डीएम विशाल मिश्रा ने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. इस दौरान उन्होंने पैदल मार्ग का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया. केदारनाथ में जमी है 4 से 5 फीट तक बर्फः बता दें कि केदारनाथ में इस समय भारी बर्फबारी के कारण 4 से 5 फीट तक बर्फ जमी हुई है, जिसे हटाने का काम तेजी से जारी है. धाम में 60 से ज्यादा श्रमिक और ट्रेक रूट पर 70 से 75 मजदूर लगातार काम में जुटे हैं. पैदल मार्ग से बर्फ हटाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही ट्रेक रूट का पुनर्निर्माण भी पूरा कर लिया जाएगा.तमाम विभागों के अधिकारी भी रहे मौजूदः वहीं, निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे.

बड़े खतरे के मुहाने पर हर्षिल, धराली आपदा के समय भागीरथी पर बनी झील अब भी मुसीबत

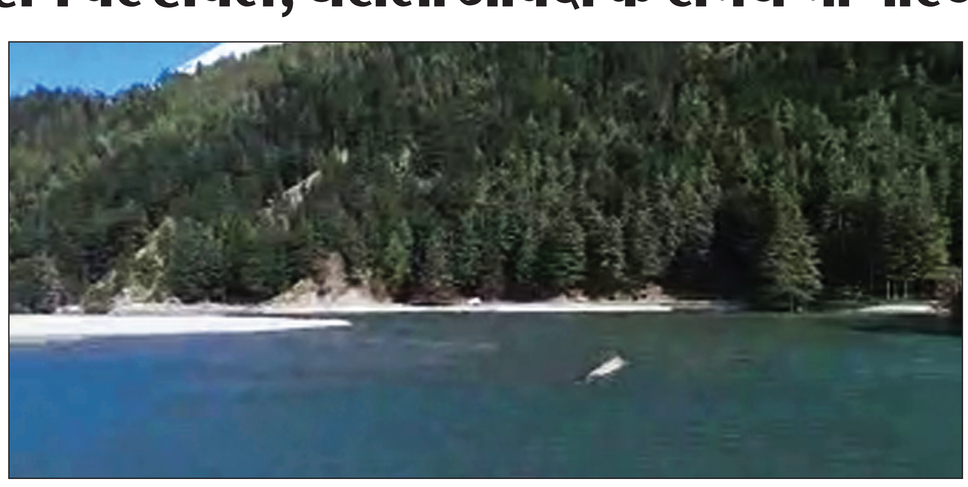

उत्तरकाशी, एजेंसी। बीते साल अगस्त माह में धराली और हर्षिल क्षेत्र में आई आपदा ने बड़ी तबाही मचा दी थी. इसी आपदा के दौरान हर्षिल के समीप भागीरथी नदी में एक झील बन गई थी, जिसका जलस्तर नौ माह बाद भी कम नहीं हुआ है. स्थानीय लोग इसे आने वाले मॉनसून सीजन में बड़ा खतरा मान रहे हैं.

धराली आपदा के समय बनी झील अब भी मुसीबतः हालांकि उस दौरान सिंचाई विभाग की ओर से नदी को चैनलाइज करने का कार्य किया गया था. लेकिन वहां पर योजनागत कार्य न होने के कारण मुहाने से नदी का पानी वापस झील में जा रहा है. ग्रामीणों ने आरोप लगया कि हर्षिल में सुरक्षात्मक कार्य न होने के कारण आगामी बरसात में यह बड़ी आपदा का कारण बन सकता है. ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द ही हर्षिल क्षेत्र में सुरक्षात्मक कार्य करने की मांग की है, ताकि समय रहते हर्षिल क्षेत्र को बचाया जा सके.

एक किलोमीटर तक फैली है झीलः स्थानीय निवासी पूर्व प्रधान बसंती नेगी, शीशपाल सिंह, गोविंद और सचिन राणा का कहना है कि आपदा को नौ माह का समय बीत गया है, लेकिन हर्षिल में भागीरथी नदी में बनी झील का जलस्तर कम नहीं हुआ है. आजकल नदी में पानी की मात्रा कम है. अभी भी करीब एक किमी में झील फैली हुई है.

झील से पानी की निकासी नहीं हो पाईः इन लोगों ने आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग की ओर से वहां पर योजनागत रूप से कार्य नहीं किया गया. विभाग की मशीनरी ने मात्र नदी को चैनालाइज कर दोनों ओर मलबे के बड़े ढेर लगा दिए हैं. झील से निकलने वाले पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई. इस कारण वहां से निकलने वाला पानी मलबे से टकराकर पीछे झील की ओर से ही जा रहा है.

बरसात में आपदा का कारण बन सकती है भागीरथी की झीलः स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात में तेलगाड़ नदी के ऊफान पर आने के कारण यह नदी किनारे एकत्रित मलबे और नदी के बहाव को धक्का मारेगा. इससे पूरे हर्षिल कस्बे को बरसात में खतरा बना हुआ है. वहां पर कस्बे की सुरक्षा के लिए कुछ वायरक्रेट लगाकर इतिश्री कर दी गई. लोगों ने कहा कि यदि प्रशासन समय रहते जल्द ही सुरक्षात्मक कार्य नहीं करता है तो आने वाले बरसात में यहां बड़ा खतरा पैदा हो सकता है. उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द ही समय पर सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने की मांग की.

महिला आरक्षण विधेयक देश की महिलाओं के सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है

प्रात : किरण संवाददाता

तिरुपति/नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला आरक्षण विधेयक को देश की महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक आने वाला समय में महिलाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला है। आज पूरा देश आशा भरी निगाहों से इस महत्वपूर्ण विधेयक की ओर देख रहा है। यह विधेयक महिलाओं को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाने का सशक्त माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने यह विचार बुधवार को आंध्र प्रदेश में तिरुपति दौरे के दौरान व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने पद्मावती अम्मावारी मंदिर में दर्शन कर देवी श्री पद्मावती के चरणों में देशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह पवित्र धाम सदियों से आस्था और भक्ति का केंद्र रहा है, जहां दिव्य ऊर्जा और कृपा का अनुभव हर भक्त को प्रेरित करता है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के इंटीग्रेटेड कमांड ऐंड कंट्रोल सेंटर का भी दौरा किया। उन्होंने यहां अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दर्शन व्यवस्था को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिस प्रकार परंपरा और तकनीक का समन्वय यहां देखने को मिलता है, वह देशभर के धार्मि स्थलों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरुपति बालाजी के दर्शन कर उन्हें अत्यंत आध्यात्मिक संतोष की अनुभूति हुई। देश और दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु इस पवित्र स्थल पर आते हैं। यहां की व्यवस्थाएं, विशेषकर स्वच्छता, सुरक्षा और सुचारु दर्शन प्रणाली, उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने टीटीडी प्रशासन और पूरी टीम को इस उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए बधाई दी और कहा कि प्रतिदिन हजारों, यहां तक कि 70 हजार से 1 लाख तक श्रद्धालुओं के बावजूद बिना किसी असुविधा के दर्शन कराना अत्यंत सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। ह्यनारी शक्तिह्न को केंद्र में रखकर अनेक नीतियां और कार्यक्रम लागू किए गए हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। महिला आरक्षण विधेयक भी इसी दूरदर्शी सोच का हिस्सा है, जो देश की लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय परंपरा में भी महिलाओं को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। भगवान के नामों में भी ह्यलक्ष्मी नारायणह्न, ह्यसीतारामह्न और ह्यराधेश्यामह्न जैसे उदाहरण इसका प्रमाण हैं। जब हमारे धर्म और संस्कृति में महिलाओं को इतना आदर प्राप्त है तो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी उन्हें समान और सम्मानजनक भागीदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने देश की सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाला युग महिलाओं के नेतृत्व, सशक्तिकरण और प्रगति का युग होगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि महिला आरक्षण विधेयक इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और देश को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

कृष्णा नगर जैन मंदिर में 17 वर्षों बाद चुनाव, पारदर्शिता और सहभागिता की नई पहल

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली शाहदरा क्षेत्र स्थित कृष्णा नगर जैन मंदिर में लगभग 17 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस चुनाव में कुल लगभग 1500 मतदाताओं में से करीब 1200 मत डाले गए, जो समाज की सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है। लंबे समय बाद हुए इस लोकतांत्रिक आयोजन को लेकर समाज में उत्साह और जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस चुनाव की विशेष बात यह रही कि समाज के युवा वर्ग ने आगे आकर इस प्रक्रिया को गति दी। वर्षों से लंबित चुनाव को संपन्न कराने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही, जिससे समाज में नई ऊर्जा और जिम्मेदारी की भावना देखने को मिली। यह केवल कार्यकारिणी का गठन नहीं, बल्कि समाज में सहभागिता और जागरूकता के बढ़ते स्तर का संकेत भी है। चुनाव में वर्धमान ग्रुप और महावीर ग्रुप के बीच मुकाबला रहा, लेकिन मतदाताओं ने किसी एक समूह के बजाय उम्मीदवारों की व्यक्तिगत छवि और कार्य करने की क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया। परिणामस्वरूप जीत-हार का अंतर अधिक नहीं रहा और एक संतुलित एवं मिश्रित कार्यकारिणी का गठन हुआ, जिसमें दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों को स्थान मिला। नई कार्यकारिणी में सतीश जैन को प्रधान, राजेश जैन एवं राकेश जैन को उपप्रधान, प्रमोद जैन को महामंत्री, अतुल जैन को मंत्री, अमित जैन को प्रबंधक, राकेश कुमार जैन को कोषाध्यक्ष और सुशील जैन को भंडारी बनाया गया है। सदस्य के रूप में मनोज जैन, अनिल जैन, मनीष जैन, नरेंद्र जैन, दीपक जैन, अमित जैन, गौरव जैन, सुखमल जैन और विकास जैन को जिम्मेदारी दी गई है। समाज ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से पारदर्शिता, समर्पण और सामूहिक भावना के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई है। इस चुनाव के माध्यम से यह संदेश भी उभरकर सामने आया है कि समाज में समय-समय पर चुनाव होना आवश्यक है, जिससे सभी को प्रतिनिधित्व का अवसर मिले और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे। पूर्वी दिल्ली के कई अन्य जैन मंदिरों में लंबे समय से चुनाव नहीं हुए हैं, ऐसे में कृष्णा नगर की यह पहल एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में देखी जा रही है। समाज के जानकारों का मानना है कि यदि इसी प्रकार जागरूकता और सहभागिता बनी रही तो अन्य मंदिरों में भी समय के अनुसार परिवर्तन संभव है। आवश्यकता इस बात की है कि मंदिरों को समाज की साझा धरोहर मानते हुए सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि विकास और विश्वास दोनों को मजबूत आधार मिल सके।

रात की ड्यूटी में उत्कृष्ट सेवा पर चालक को किया सम्मानित

पार्षद और डिपो की तरफ से हुई जमकर सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के बवाना-1 डिपो के क्लस्टर बस चालक हरपाल सिंह को उनकी कर्तव्यनिष्ठा और रात के समय उत्कृष्ट सेवा के लिए मंगलवार को सम्मानित किया गया। बता दें कि सप्ताह भर पहले में एक प्रमुख समाचार पत्र में देर रात ड्यूटी के दौरान उनके सराहनीय प्रदर्शन को प्रकाशित किया गया था, जिसके बाद स्थानीय पार्षद अंजू अमन ने इस खबर को पढ़कर स्वयं संज्ञान लिया। पार्षद ने डिपो प्रबंधन से संपर्क कर चालक को सम्मानित करने की इच्छा जताई। इसके तहत बवाना-1 डिपो परिसर में एक सादा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें चालक हरपाल सिंह को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान डिपो प्रशासन और स्थानीय पार्षद दोनों की ओर से संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। डिपो प्रशासन का कहना है कि चालक हरपाल सिंह ने रात्रिकालीन सेवा के दौरान अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाई है, जो अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस प्रकार का सम्मान न केवल अन्य कर्मियों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि सेवा के प्रति उनकी निष्ठा को भी प्रोत्साहित करता है।

आप सांसद अशोक मित्तल के घर पर ईडी की रेड के पीछे राघव चड्ढा का हाथ : अनुराग ढांडा

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पंजाब में आम आदमी पार्टी के सांसद और राज्यसभा में उपनेता डॉ. अशोक मित्तल के घर पर ईडी की रेड के लिए पार्टी ने सांसद राघव चड्ढा को जिम्मेदार बताया है। पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि डॉ. अशोक मित्तल के घर पर ईडी की रेड के पीछे राघव चड्ढा का हाथ है। ये चर्चा जोरों पर है कि कुछ दिन पहले राघव चड्ढा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की थी। उसी बैठक में यह तय हुआ था कि डॉ. अशोक मित्तल के यहां ईडी की छापेमारी कराई जाएगी और इसी के साथ भाजपा का पंजाब में चुनाव अभियान का भी आगाज होगा। ईडी की रेड के बीच केंद्र सरकार का राघव चड्ढा को जेड प्लस सुरक्षा देना महज एक संयोग नहीं है, बल्कि प्रयोग है। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही डॉ. अशोक मित्तल को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी का उपनेता बनाया गया। इससे पहले यह पद राघव चड्ढा के पास होता था। यह बताया जा रहा है कि राघव चड्ढा इस बात को लेकर बहुत नाराज थे कि उन्हें हटाकर डॉ. अशोक मित्तल को उपनेता क्यों बनाया गया? क्या यह महज संयोग हो सकता है कि राघव चड्ढा उस पद से हटे, डॉ. अशोक मित्तल उपनेता बने और उसके कुछ ही दिन बाद डॉ. अशोक मित्तल के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी हो गई तथा राघव चड्ढा को केंद्र सरकार की तरफ से जेड प्लस सुरक्षा मिल गई? क्या यह महज एक संयोग हो सकता है? अनुराग ढांडा ने कहा कि सूत्र यह बता रहे हैं कि पिछले दिनों राघव चड्ढा की भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात हुई है। उसी बैठक में यह तय हो गया था कि डॉ. अशोक मित्तल के यहां ईडी की छापेमारी कराई जाएगी और इसी से भाजपा के पंजाब चुनाव अभियान का आगाज होगा। राघव चड्ढा इस बात को लेकर बेहद नाराज थे कि डॉ. अशोक मित्तल को उनकी जगह उपनेता क्यों बनाया गया। इसीलिए उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर सबसे पहली मांग यही की कि डॉ. अशोक मित्तल के यहां ईडी की छापेमारी कराई जाए और उन्हें डराने की कोशिश की जाए। उधर, बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने कहा कि बुधवार को पंजाब में सांसद अशोक मित्तल के यहां ईडी की छापेमारी हुई। इससे यह साबित हो गया है कि भाजपा ने पंजाब में अपना चुनाव अभियान शुरू कर दिया है। जहां-जहां विपक्ष की सरकार है, वहां भाजपा पहले ईडी भेजती है और फिर चुनाव प्रचार के लिए अपने नेताओं को भेजती है। अभी हाल ही में अशोक मित्तल को राज्यसभा में राघव चड्ढा की जगह उपनेता बनाया गया था। जैसे ही वे उपनेता बने, उनके घर पर छापेमारी हो गई। संजीव झा ने बताया कि ईडी की एक दबिश तो राघव चड्ढा पर भी पड़ी थी, लेकिन वे उससे इतना घबरा गए कि उन्होंने पार्टी से ही गद्दारी कर ली। भाजपा के कई नेता और सूत्र यह कह रहे थे कि राघव चड्ढा की बैठक भाजपा के नेताओं के साथ हुई थी और उनके कहने पर ही यह छापेमारी की गई है। पहले तो मुझे इस बात पर भरोसा नहीं हुआ, क्योंकि कई सूत्रों ने मुझे यह पहले ही बता दिया था। लेकिन आज जब हमने मीडिया में देखा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार द्वारा राघव चड्ढा को सुरक्षा दी गई है, तब लगा कि वे सूत्र बिल्कुल सही कह रहे थे। आज राघव चड्ढा को यह सुरक्षा इसलिए दी गई है ताकि जब-जब भाजपा को उनकी जरूरत पड़े, वे उनका उपयोग कर सकें। संजीव झा ने कहा कि राघव चड्ढा भी यह बेहतर तरीके से जानते हैं कि ह्यआपह्न नेता जेल जाने से नहीं डरते हैं और न ही ईडी की छापेमारी से डरते हैं। हमारे सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल जेल से होकर आ गए हैं, तो अब जेल से क्या डरना? सच्चाई के रास्ते पर बाधाएं जरूर आती हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी एक चट्टान की तरह खड़ी है। भाजपा की इस तरह की हर ओछी हरकत का मुंहतोड़ जवाब अरविंद केजरीवाल और पूरी आम आदमी पार्टी के लोग मिलकर देंगे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहेब की 135वीं जयंती, आजम अली ने किया माल्यार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

कांठ/उमरी। जनपद मुरादाबाद की नगर पंचायत उमरी कलां में चेयरमैन हाजी उस्मान अली के पुत्र इंजीनियर सैय्यद मौअज्जम अली उर्फ आजम अली ने अपने समर्थकों और साथियों के साथ संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांठ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में आजम अली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्राम सिरसा ठाट, डूडेला और नसीरपुर सहित कई गांवों में पहुंचकर बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया और उनके संघर्षमय जीवन पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने गरीबों, दलितों, वंचितों और शोषितों को उनका अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया और समाज को समानता का मार्ग दिखाया। उन्होंने लोगों से बाबा साहेब के विचारों को अपनाने और उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत वार्ड नंबर 10 के प्रत्याशी वसीम चौधरी ने भी कार्यक्रमों में भाग लेकर ग्रामवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में अतुल कुमार, जुल्फिकार अंसारी, वीरेंद्र सिंह, फहीम अहमद, मैराज अली सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

निगम शिक्षक ट्रांसफर प्रक्रिया पर उठे सवाल, पारदर्शिता की मांग तेज

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग में चल रही शिक्षक ट्रांसफर प्रक्रिया को लेकर फिर से निगम शिक्षकों ने शिक्षा प्रशासन पर धांधली के आरोप लगाए हैं। इस मामले में पारदर्शी नीति की मांग की जा रही है। नाम नहीं छापने की शर्त पर शिक्षकों ने इस प्रक्रिया में कई गंभीर कमियों और खामियों का आरोप लगाते हुए इसे अपारदर्शी और अन्यायपूर्ण बताया है। शिक्षक संगठन के प्रतिनिधियों का कहना है कि जब तक एक स्पष्ट, निष्पक्ष और पारदर्शी ट्रांसफर पॉलिसी लागू नहीं की जाती, तब तक इस तरह की समस्याएं लगातार सामने आती रहेंगी। इस संबंध में निगम प्रवक्ता अनिल कुमार यादव की तरफ से शिक्षा विभाग को लेकर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिक्षक संगठन ने स्पष्ट किया कि वे ट्रांसफर हुए शिक्षकों के विरोध में नहीं हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग कर रहे हे, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो। शिक्षकों से मिली जानकारी के अनुसार कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन नहीं किया, फिर भी उन्हें जबरन अन्य स्थानों पर भेजा जा रहा है। कुछ मामलों में बिना सहमति के म्यूचुअल ट्रांसफर के आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे शिक्षकों में भारी असंतोष है। अपने अधिकारों के लिए एकजुट रहें शिक्षक शिक्षक संगठन ने शिक्षकों से अपील की है कि वे जल्दबाजी में रिलीव न हों और अपने अधिकारों के लिए एकजुट रहें।

दिल्ली सरकार ने सेफ स्कूल कैंपेन का शुभारंभ

फायर सेफ्टी को लेकर व्यापक जन जागरूकता अभियान शुरू : आशीष सूद

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने बुधवार को 20 अप्रैल तक आयोजित अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर राजधानी के विद्यालयों एवं अस्पतालों में सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु शिक्षा और अग्नि शमन सेवा विभाग द्वारा आयोजित जन-जागरूकता अभियान का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस सघन अभियान का उद्देश्य सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल, दुर्घटना मुक्त समाज के प्रति जन-भागीदारी बढ़ाना तथा आग से संबंधित दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसी क्रम में सूद ने सुरक्षित विद्यालय अभियान की भी शुरूआत की जिसके अंतर्गत सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुदृढ़ किया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली के गृह मंत्री सूद ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का धन्यवाद करते हुए फायर सर्विस वीक - 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाने वाला यह सप्ताह देश के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। श्री सूद ने वर्ष 1944 में मुंबई के फोर्ट स्टिकिंग जहाज में लगी भीषण आग के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 66 वीर फायरमैन को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उन्होंने इस वर्ष की थीम का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना समाज की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सूद ने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस का मूल मंत्र ही री१५ी ३ङ्ग रं५ी है और पिछले एक वर्ष में विभाग द्वारा 36,877 आपातकालीन कॉल्स सफलतापूर्वक अटेंड की गई है। विभाग निरंतर अपनी तकनीक और प्रशिक्षण को सुदृढ़ कर राजधानी को सुरक्षित बनाने के लिए कार्यरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग आग से डरे नहीं बल्कि इससे जूझने के लिए अपने मन और अपने आप को तैयार और जागरूक रखें। फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन करना और विद्यालय में समय समय पर आयोजित मॉक ड्रिल्स एवं डेमोंस्ट्रेशन में सक्रिय भागीदारी करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षा में सहायक होता है। और आग से बचाव करने में हमारी सहायता भी करता है। सूद ने यह भी जानकारी दी कि आग से बचाव हेतु दिल्ली फायर सर्विस द्वारा अब तक 1000 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से 50,000 से अधिक नागरिकों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने सभी से अपने परिवार एवं समाज में फायर सेफ्टी के प्रति जागरूकता फैलाने तथा फायर सेफ्टी एंबेसडर बनने का आह्वान भी किया। सूद ने यह भी कहा कि सुरक्षा केवल सरकार या फायर विभाग की जिम्मेदारी नहीं है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष अहसन जमील ने किया सेवा कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

बिजनौर/स्योहारा। कांग्रेस नगर अध्यक्ष अहसन जमील द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वह अपने समर्थकों और कार्यकताओं के साथ चामुंडा स्थित अंबेडकर धर्मशाला पहुंचे, जहां उन्होंने भंडारे में सहयोग करते हुए श्रद्धालुओं की सेवा की। कार्यक्रम के दौरान अहसन जमील ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन समाज के शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय संविधान के निर्माण में उनका योगदान अमूल्य है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। अपने संबोधन में अहसन जमील ने कहा कि वर्तमान समय में बाबा साहब के विचारों को अपनाने की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए समाज में भाईचारा और समरसता बनाए रखने पर जोर दिया। इस दौरान आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा वातावरण भक्ति और सम्मान से सराबोर रहा। कार्यक्रम में मौजूद सभी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हरि सिंह सागर, राजबीर सिंह, फहीम, सोनू, मास्टर विजयपाल, मोनू, शाने आलम, अरशद अहमद, कुमार, जोगेंद्र, जगमोहन सिंह, जोगेंद्र कुमार, अविनाश कुमार, सोनू सिंह, चंद्रमोहन सिंह, मास्टर महिपाल सिंह, डॉ. वीर सिंह, गौतम कुमार, मोनू कुमार सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्व समाज का नेता थे बाबा साहेब आंबेडकर : अमित खरखड़ी

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत रत्न भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में नजफगढ़ वार्ड में बड़े स्तर पर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्थानीय निगम पार्षद एवं शिक्षा कमेटी के डिप्टी चेयरमैन अमित खरखड़ी ने कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने सबसे पहले बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और पुष्प वर्षा कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके पश्चात उन्होंने क्षेत्र में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा में भी हिस्सा लिया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा, महिलाएं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। शोभा यात्रा के दौरान बाबा साहब के विचारों और उनके योगदान से जुड़े संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इसके अतिरिक्त अमित खरखड़ी ने अपने कार्यालय पर भी साथियों एवं पदाधिकारियों के साथ बाबा साहब की जयंती के उपलक्ष्य में माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। कलैक्ट्रेट सभागार में बुधवार को सांसद कंवर सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी से करें और सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर सभी नीतियां तैयार की जा रही हैं, इसलिए सभी अधिकारी इसमें अपना पूर्ण योगदान दें। सांसद ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में लगाए जाने वाले शिलापट्टों पर शासनादेश के अनुसार जनप्रतिनिधियों के नाम अवश्य अंकित किए जाएं। सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को हाईवे किनारे बने अवैध कट तत्काल बंद कराने और नालों की सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। राशन वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सांसद ने जिला पूर्ति अधिकारी को नियमानुसार वितरण कराने और गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही एआरटीओ को बिना परमिट चल रहे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने को कहा। हर घर जल योजना के अंतर्गत अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने और खुदाई के बाद सड़कों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से ठीक कराने के निर्देश भी दिए गए। अवैध खनन पर सख्ती बरतते हुए उन्होंने दोषियों को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा में सांसद ने ग्रामों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने और शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। किसानों के हित में ग्राम स्तर पर कैम्प लगाकर शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री कराने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। शहरी क्षेत्रों में जाम की समस्या के समाधान के लिए ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने हेतु कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विद्युत समस्याओं के शीघ्र निस्तारण पर भी जोर दिया गया।

बैठक में एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता का मुद्दा उठाया, जबकि एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी ने ग्रामीण शौचालयों की उपयोगिता और अवैध खनन पर कार्रवाई की मांग की। विधायक समरपाल सिंह ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना से संबंधित जानकारी मांगी। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन कराने का आश्वासन दिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपलब्धि तभी सार्थक होती है जब वह उद्देश्य और चरित्र से जुड़ी हो : विजेंद्र गुप्ता

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अंक अवसरों के द्वार खोल सकते हैं, परंतु अनुशासन, विवेक और राष्ट्रीय दायित्व की भावना ही यह निर्धारित करती है कि व्यक्ति जीवन में कितनी दूर तक जाता है। बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए प्रधानाचार्य डॉ. राम सिंह, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह अवसर केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का ही नहीं, बल्कि उस निरंतरता, परिश्रम और समर्पण का भी सम्मान है, जो सफलता को स्थायी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि उपलब्धि तभी सार्थक होती है जब वह उद्देश्य और चरित्र से जुड़ी हो। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षण संस्थान ऐसे व्यक्तित्वों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो आगे चलकर सार्वजनिक जीवन, प्रशासन और बौद्धिक क्षेत्रों में सार्थक योगदान देते हैं। शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्ति के विवेक को विकसित करना और उसे समाज के प्रति जिम्मेदार बनाना है।

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

लाखों के सोने-चांदी के आभूषणों समेत सीरियल सेंधमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की मानसरोवर पार्क पुलिस ने एक सीरियल सेंधमार को चोरी के चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। इसके कब्जे से लाखों रुपये के सोने-चांदी के लाखों रुपये के आभूषण, चांदी के लक्ष्मी-गणेश और अन्य कीमती सामान बरामद हुए हैं। आरोपी की पहचान न्यू सीमापुरी के 35 वर्षीय शकील इरफान उर्फ ह्लनाटाह्व के रूप में हुई है। वह एक आदतन अपराधी है जिस पर पहले से 21 आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीसीपी राजेन्द्र प्रसाद मीणा के अनुसार, 12 अप्रैल को इलाके के एक घर में चोरी की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से आरोपी को तुरंत धर दबोचा। पूछताछ में इरफान ने बताया कि वह नशे का आदी है और लत पूरी करने के लिए वारदातों को अंजाम देता था।

सील बोरवेल का हो रहा उपयोग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में अवैध बोरवेल पर कार्रवाई को लेकर प्रशासन के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल एक ताजा रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जिन बोरवेल को अधिकारियों ने सील करने का दावा किया था, वे न सिर्फ दोबारा खोल दिए गए, बल्कि उनसे भू-जल दोहन भी जारी है। मामले में याचिकाकर्ता रमेश चंद की ओर से अधिवक्ता अंकिता अपन्ना ने एनजीटी के समक्ष दायर आपत्तियों में बताया कि न्यू अशोक नगर के सी-2 ब्लॉक स्थित कई परिसरों में पहले सीलिंग की कार्रवाई की गई थी। हालांकि, स्थानीय मालिकों ने कथित तौर पर सील तोड़कर बोरवेल की दोबारा खुदाई और मरम्मत कर उन्हें फिर से चालू कर दिया है।

पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा पति, वेलकम में सनसनी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुद ही थाने पहुंचकर पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जनता मजदूर कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय दीपक थाने पहुंचा और बताया कि उसने अपनी 23 वर्षीय पत्नी का गला दबा दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों की पुष्टि की जा सके। मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद इस घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हाल के दिनों में दिल्ली-एनसीआर में इस प्रकार की घटनाओं में वृद्धि चिंता का विषय बनी हुई है।

दिल्ली विधानसभा को फिर बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली। राजधानी स्थित दिल्ली विधानसभा को बुधवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। ईमेल के जरिए मिली इस धमकी के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमकी भरा ईमेल विधानसभा सचिवालय को भेजा गया, जिसमें दो घंटे के भीतर विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में दावा किया गया कि पांच आरडीएक्स बमों के जरिए हमला किया जाएगा। साथ ही, इसमें कुछ राजनीतिक आरोप भी लगाए गए और चेतावनी दी गई कि इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। धमकी मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे परिसर को खाली कराकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह धमकी भ्रामक भी हो सकती है, क्योंकि हाल के दिनों में इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद सुरक्षा में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जा रही है और पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है। ईमेल में कथित तौर पर विदेशी खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का दावा किया गया है, जिसकी भी जांच की जा रही है।

राघव चड्ढा के कहने पर मोदी सरकार ने अशोक मित्तल के घर कराई ईडी की रेड : प्रियंका कक्कड़

आम आदमी पार्टी ने भाजपा की तानाशाही पहले भी झेली है, हम इनकी रेड और जेल से डरने वाले नहीं हैं

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक मित्तल के घर ईडी की रेड पर सांसद राघव चड्ढा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा के कहने पर ही मोदी सरकार ने यह रेड कराई है। अशोक मित्तल को राज्यसभा में उपनेता बनाने से नाराज राघव चड्ढा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की थी और उन्होंने अशोक मित्तल के घर ईडी की रेड व अपने लिए जेड प्लस की सुरक्षा की मांग की थी। बुधवार को एक तरफ अशोक मित्तल के घर ईडी की रेड हुई और दूसरी तरफ राघव चड्ढा को जेड प्लस सुरक्षा भी मिल गई। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने एक आम घर से आए राघव चड्ढा को सड़क से उठाकर संसद तक पहुंचाया और अब वो पीठ में छूरा घोंप रहे हैं। मेरा सुझाव है कि राघव चड्ढा ऐसा न करें। बुधवार को ह्लआपह्व मुख्यालय पर मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने प्रेसवार्ता कर कहा कि भाजपा द्वारा ईडी का दुरुपयोग करना, विपक्ष को शत्रु की भावना से देखना और उनसे बदला लेना, विपक्ष को जेल में डाल देना और उनके परिवार वालों को प्रताड़ित करना, यह सब आम आदमी पार्टी ने झेला है। अब इन सबसे ह्लआपह्व का कोई भी नेता नहीं डरता। हम आम आदमी पार्टी के सिपाही इन छापों और जेलों से नहीं डरने वाले हैं। भाजपा हमें तब तक नहीं रोक पाएगी, जब तक हमारे देश के हर एक बच्चे तक उच्च गुणवत्ता वाली मुफ्त शिक्षा न पहुंच जाए। भाजपा इस मिशन को नहीं रोक पाएगी, वे कुछ भी कर लें, उन्हें जो करना है कर लें। प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि आज पंजाब में ह्लआपह्व सांसद अशोक मित्तल के यहां ईडी का छापा पड़ा है। इस छापे से दुख इसलिए हो रहा है क्योंकि यह आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के कहने पर डाला गया है। हमें पता चला है कि कुछ समय पहले राघव चड्ढा की भाजपा के नेताओं के साथ एक गुप्त बैठक हुई थी। उस बैठक में द्वेष की भावना से राघव चड्ढा ने अशोक मित्तल के यहां छापेमारी करने को कहा था। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि आज उच्च सदन (राज्यसभा) में आम आदमी पार्टी के उपनेता अशोक मित्तल हैं, जो पद पहले राघव चड्ढा के पास था। प्रियंका कक्कड़ ने बताया कि इतना ही नहीं, उस बैठक में राघव चड्ढा अपने लिए जेड प्लस सुरक्षा भी मांगते हैं, जो आज उन्हें मिल भी गई है। इस बात का बहुत दुख है कि ह्लआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने एक आम परिवार से आए लड़के और एक सामान्य कार्यकर्ता को सड़क से उठाकर संसद तक पहुंचा दिया, और बदले में वे कितनी ओछी और अहसान फरामोश हरकतें कर रहे हैं। प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा से कहा कि आम आदमी पार्टी के लोग ईडी की छापेमारी, जेल और उनके झूठे मुकदमों से बिल्कुल नहीं डरते। भाजपा ने ईडी का इतना दुरुपयोग किया है, लेकिन अगर ईडी कहीं सही जगह समन भेज दे (उदाहरण के तौर पर फरवरी में कैप्टन अमरिंदर सिंह को ईडी ने समन भेजे थे), तो जिस ईडी अधिकारी ने समन भेजे, उसका ही तबादला हो गया। सबको पता है कि भाजपा नेताओं के यहां कोई छापेमारी नहीं होती है और सारी छापेमारी आम आदमी पार्टी व विपक्ष के ऊपर होती है। यह बात किसी से छिपी नहीं है। प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात राघव चड्ढा द्वारा अपने गुरुओं और उस पार्टी की पीठ में छुरा घोंपना है, जिसने उन्हें सब कुछ दिया। यह बेहद निंदनीय है। मैं पार्टी की एक छोटी सी कार्यकर्ता हूं, लेकिन फिर भी मैं उन्हें यही सलाह दूंगी कि वे यह सब न करें। भाजपा जब अपने लोगों की सगी नहीं होती, तो किसी और की क्या होगी? आज हमने यह दिन भी देख लिया कि राघव चड्ढा ही आम आदमी पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने की कोशिश में लगे हैं, जो कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक है।

बुराड़ी 100 फुटा रोड बदहाल, गड्ढों और जलभराव से लोग परेशान

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बुराड़ी क्षेत्र की प्रमुख 100 फुटा सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ती जा रही है। आदेश भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सड़क पर गड्ढों, जलभराव और जाम की समस्या ने लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है। उन्होंने बताया कि सीवर कार्य के कारण सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उबड़-खाबड़ सतह बन गई है, जिससे वाहन चालकों को रोजाना जाम और दुर्घटना के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। सुबह-शाम स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को इस मार्ग पर भारी परेशानी उठानी पड़ती है। आदेश भारद्वाज के अनुसार, नालों की सफाई न होने से हालात और बिगड़ गए हैं। बिना बारिश के भी सड़कों और गलियों में गंदा पानी भर जाता है, जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कचरे और सिल्ट के कारण जल निकासी बाधित हो गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री को कई बार पत्र लिखकर शिकायत की गई है, जिसमें सड़क मरम्मत, नालों की सफाई और जल निकासी सुधार की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप है कि कादीपुर नाले की लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण कॉलोनियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। वहीं, सीवर खुदाई से निकलने वाली गाद और पानी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है, ताकि इस समस्या से राहत मिल सके।

पेंशन फाइटर्स ने मांगों को लेकर विधायक अनिल शर्मा से की मुलाकात: विरेन्द्र शर्मा

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पेंशन फाइटर्स व दिल्ली विद्युत बोर्ड संयुक्त मोर्चा ने अपनी मांगों को जल्द पुरा कराने को लेकर विधायक अनिल शर्मा से की मुलाकात ओर कैशलेस मेडिकल सुविधा दिलाने में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही अनिल शर्मा को पेंशनर्स की अन्य लंबित समस्याओं को दिल्ली सरकार से जल्द पुरा कराने के लिए अवगत कराया, जिनमें प्रमुख रूप से– समय-समय पर जारी ऊडढळ के आदेशों का सही समय पर लागू होना, ट्रस्ट का समयबद्ध तरीके से बनना पेंशन सरचार्ज से संबंधित अधिसूचना जारी करना इत्यादि आश्रित माता पिता एवं बच्चों को सुविधाएँ प्रदान कराने 7वें वेतन आयोग (7३ँ उढउ) से संबंधित लंबित मुद्दे। इस मौके पर प्रधान वीरेंद्र शर्मा ने सभी सदस्यों के साथ अनिल शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपनी सभी मांगो को पूरा कराने के लिए सहयोग व सरकार ओर संबंधित मंत्रालय से जल्द पुरा कराने की बात रखी।

शाहदरा के शांति मोहल्ला में बाबा साहब अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई, वाल्मीकि समाज की एकजुटता दिखी

प्रात: किरण संवाददाता

शाहदरा. जिले के शांति मोहल्ला स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जहां वाल्मीकि समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल शांति मोहल्ला बल्कि पूरे शाहदरा जिले के लिए सामाजिक जागरूकता का संदेश लेकर आया। कार्यक्रम के दौरान वाल्मीकि समाज की एकजुटता और सामाजिक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के लोगों की भारी उपस्थिति रही, जिससे यह साफ झलकता है कि समाज अपने महापुरुषों के आदर्शों को लेकर कितना जागरूक और संगठित है। उपस्थित लोगों के चेहरों पर गर्व और सम्मान का भाव नजर आया और सभी ने मिलकर समाज में भाईचारे और एकता को मजबूत करने की बात कही। इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि मंदिर के प्रधान नरेंद्र ढाकोलिया, उप प्रधान धर्मेंद्र सूद, महासचिव अभिषेक सूद, पूर्व प्रधान सुभाष मेहरौलिया, आशु खेरालिया, जितेंद्र ढाकोलिया, सुंदर नागर ह्य संजय सैन, गुलशन वाल्मीकि, सनी सूद, सनी ढाकोलिया, बाबू लोहट, केशव चंद (एडवोकेट), भोला लोहट, आकाश पवार, राजेंद्र ढाकोलिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं समाज के भाइयों ने कार्यक्रम में भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहब अंबेडकर के जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय और समानता के लिए उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। लोगों में गहरा उत्साह देखने को मिला और आम जनता भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव और जागरूकता की उम्मीद कर रही है।

रात की ड्यूटी में उत्कृष्ट सेवा पर चालक को किया सम्मानित

पार्षद और डिपो की तरफ से हुई जमकर सराहना

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के बवाना-1 डिपो के क्लस्टर बस चालक हरपाल सिंह को उनकी कर्तव्यनिष्ठा और रात के समय उत्कृष्ट सेवा के लिए मंगलवार को सम्मानित किया गया। बता दें कि सप्ताह भर पहले में एक प्रमुख समाचार पत्र में देर रात ड्यूटी के दौरान उनके सराहनीय प्रदर्शन को प्रकाशित किया गया था, जिसके बाद स्थानीय पार्षद अंजू अमन ने इस खबर को पढ़कर स्वयं संज्ञान लिया। पार्षद ने डिपो प्रबंधन से संपर्क कर चालक को सम्मानित करने की इच्छा जताई। इसके तहत बवाना-1 डिपो परिसर में एक सादा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें चालक हरपाल सिंह को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान डिपो प्रशासन और स्थानीय पार्षद दोनों की ओर से संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। डिपो प्रशासन का कहना है कि चालक हरपाल सिंह ने रात्रिकालीन सेवा के दौरान अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाई है, जो अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस प्रकार का सम्मान न केवल अन्य कर्मियों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि सेवा के प्रति उनकी निष्ठा को भी प्रोत्साहित करता है।

शाहदरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: गांधी नगर में वाहन चोर गिरफ्तार, एमएस पार्क में शातिर नकबजन 4 घंटे में दबोचा

प्रात: किरण संवाददाता

शाहदरा जिले में पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार, सबसे पहले गांधी नगर थाना क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर एवं नकबजन को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई थाना गांधी नगर के प्रभारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई, जिसमें उपनिरीक्षक विकास कुमार, हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी, हेड कांस्टेबल अमन बंसल तथा हेड कांस्टेबल सुधीर (जांच अधिकारी) शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी फुरकान अली शेख (उम्र 24 वर्ष) को शास्त्री पार्क इलाके से दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी की स्कूटी बरामद की गई है और उसके द्वारा किए गए तीन मामलों का खुलासा भी किया गया है। आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामलों में शामिल रहा है और नशे की लत के चलते वारदात करता था। पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि गांधी नगर क्षेत्र में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए विशेष अभियान चलाया गया। तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी तक पहुंच बनाई गई। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी राजकुमार सहित उपनिरीक्षक विकास कुमार, हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी, हेड कांस्टेबल अमन बंसल और हेड कांस्टेबल सुधीर की भूमिका सराहनीय रही, जिससे क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने का संदेश गया है। वहीं दूसरी ओर एमएस पार्क थाना क्षेत्र में भी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक शातिर नकबजन को मात्र 4 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में थाना एमएस पार्क के प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक संदीप, सहायक उपनिरीक्षक सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल अनुज, हेड कांस्टेबल प्रदीप तथा हेड कांस्टेबल जितेंद्र की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। आरोपी शकील इरफान उर्फ नाटा (उम्र 35 वर्ष), निवासी न्यू सीमापुरी को गिरफ्तार किया गया, जिसने दिनदहाड़े घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है और अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए चोरी करता था। उसके कब्जे से सोना-चांदी के आभूषण, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, घड़ियां, सिक्के, मंगलसूत्र सहित कई कीमती सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने जानकारी दी कि आरोपी पहले भी चोरी और नकबजनी के 21 मामलों में शामिल रहा है। दोनों मामलों में पुलिस की तेज कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल है, वहीं लोगों में गहरा दुख है और आम जनता कार्रवाई की मांग कर रही है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम लगातार उठाए जाएं।

भावनात्मक नियंत्रण और मानसिक दृढ़ता के साथ साथ ट्रेडिंग एक तकनीकी कौशल भी : भोलानाथ

प्रात: किरण संवाददाता

कोलकाता- जाने-माने शिक्षाविद, स्पीकर, लेखक, शोधकर्ता और कहानीकार भोलानाथ दास की स्टॉक मार्केट पर पुस्तक का अनावरण किया गया। यह कार्यक्रम कोलकाता के रवींद्रनाथ टैगोर सेंटर में सत्यजीत रे ऑडिटोरियम में बंगाल आइकल अवार्ड 2026 के समारोह में हुआ। इस कार्यक्रम में बंगाली फिल्म और टेलीविजन उद्योग की जानी-मानी हस्तियों के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि, बुद्धिजीवी और व्यापार व ट्रेडिंग समुदाय के सदस्य भी मौजूद रहे, जिसने इस अवसर को बेहद यादगार और प्रभावशाली बना दिया। अपनी इस नई किताब में, भोलानाथ दास ने बताया है कि बाजार स्वयं जटिल नहीं है, बल्कि लोग जिस तरह से उसकी व्याख्या करते हैं, वह अक्सर जटिल होती है। पाठकों को चार्ट, इंडिकेटर्स और पैटर्न्स से परे देखने और उन गहरी शक्तियों को समझने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है जिससे की आम आदमी को समझ आ सकें। यह किताब इस बात पर जोर देती है कि हर कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव के पीछे मानवीय व्यवहार–डर, लालच, उम्मीद और धैर्य–छिपा होता है; ये सभी मिलकर ही बाजार का स्वरूप तय करते हैं। भोलानाथ ने कहा कि (आसान तकनीकी और ऑप्शन विश्लेषण के साथ शेयर बाजार को सरल बनाना) नामक उपशीर्षक वाली यह किताब एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसमें सरल तकनीकी ज्ञान और व्यवहारिक समझ का मेल है। इसे तैयार करने मे यह ध्यान रखा गया है कि पाठक न केवल यह समझ सकें कि बाजार में क्या हो रहा है, बल्कि इससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है। भोलानाथ ने कहा कि इस किताब से आम निवेशकों की गहन सोच और अवलोकन करने का निर्णय क्षमता को बढ़ावा देगा। जिससे की वे खुद बेहतर निर्णय कर सकें। यह किताब विशेष रूप से उन शुरूआती निवेशक के लिए बेहद उपयोगी है, जो अक्सर ट्रेडिंग से जुड़ी अस्थिरता, अनिश्चितता और जोखिमों को देखकर घबरा जाते हैं। यह एक व्यावहारिक और दार्शनिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है, जो नए ट्रेडर्स को उनकी इस यात्रा में स्पष्टता और आत्मविश्वास विकसित करने में सहायता करती है। भोलानाथ दास ने इस बात पर जोर दिया कि बाजार की सच्ची समझ केवल तकनीकी उपकरणों पर निर्भर रहने से नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार में छिपे पैटर्न्स को पहचानने से प्राप्त होती है। इस किताब का एक मुख्य उद्देश्य यह है कि ट्रेडिंग केवल एक तकनीकी कौशल मात्र नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुशासन है जिसकी नींव भावनात्मक नियंत्रण और मानसिक दृढ़ता पर टिकी होती है। व्यवहारिक पैटर्न को समझकर, ट्रेडर्स ज्यादा तर्कसंगत फैसले ले सकते हैं और अपने लंबे समय के प्रदर्शन को बेहतर बना सकते हैं। सिर्फ.एक ट्रेडिंग गाइड से कहीं ज्यादा, ह्लर३ङ्क' टं१ ी३ः अ र३ङ्क१८ रीील्ल ा१ङ्क ह्व३ँल्लह्व का मकसद पाठकों को विचारशील, आत्म-जागरूक और असरदार फैसले लेने वाला बनाना है। यह शेयर बाजार को व्यक्तिगत विकास, अनुशासन और खुद को और गहराई से समझने के एक मंच के तौर पर पेश करती है। यह किताब पहले ही उभरते हुए ट्रेडर्स, फाइनेंस के शौकीनों और शेयर बाजार पर एक नया और सार्थक नजरिया खोजने वाले पाठकों के बीच काफी सुर्खियाँ बटोर चुकी है।

डूटा ने वाइस चांसलर के ऑफिस में सर्विस कंडीशन और एकेडमिक सुधारों की मांग को लेकर धरना दिया

प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने बुधवार को प्रातः 9:30 बजे से दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलपति कार्यालय के गेट नंबर 1 पर अपनी मांगों को लेकर धरना दिया, जिसमें सभी कॉलेजों से बड़ी संख्या में शिक्षक इकट्ठा हुए। हजारों शिक्षकों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिसमें टीचिंग कम्युनिटी की जरूरी चिंताओं पर जोर दिया गया और एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही की वजह से लंबे समय से पेंडिंग एकेडमिक और सर्विस से जुड़े कई मुद्दों पर जोर दिया गया, जिससे काम करने के हालात पर बुरा असर पड़ा है। धरने में बोलते हुए, डूटा अध्यक्ष प्रो. वी. एस. नेगी ने प्रमोशन और अपॉइंटमेंट प्रोसेस में गड़बड़ी पर जोर दिया और नॉट फाउंड सूटेबल के बराबरी और सोशल जस्टिस पर बुरे असर की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि गलत वजहों से प्रमोशन में बहुत ज्यादा देरी, साथ ही प्रमोशन और अपॉइंटमेंट के लिए तय यूजीसी स्क्रीनिंग क्राइटेरिया से भटकाव ने ट्रांसपेरेंसी, ऑब्जेक्टिविटी और प्रोसेस में फेयरनेस को काफी कम कर दिया है। उन्होंने टेम्परारी शिक्षकों के लिए पे प्रोटेक्शन की कमी और कॉलेज फैकल्टी के लिए डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर की सुविधाओं को गलत तरीके से बंद करने की ओर भी इशारा किया। डूटा की मुख्य मांगों को दोहराते हुए, उन्होंने दिल्ली सरकार के वित्त पोषित 12 कॉलेजों में शिक्षकों को स्थायी करने की मांग की और इस बात पर जोर दिया कि पूरी पिछली सर्विस को सही तरह से मान्यता दी जानी चाहिए। प्रो. नेगी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में रहअ अट और टडडउ२ शुरू करने का भी डूटा ने विरोध मजबूती से जताया। डूटा जॉइंट सेक्रेटरी संजय कुमार ने अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (वक्र्रछ्र्र) के कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू की तुरंत जरूरत पर जोर दिया, साथ ही ईडब्ल्यूएस एक्सपेंशन और वक्र्रछ्र्रसे जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी टीचिंग पोस्ट और ग्रांट को तुरंत मंजूरी देने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि वक्र्रछ्र्रके मौजूदा लागू होने से काम का बोझ बढ़ा है, एकेडमिक स्टैंडर्ड कम हुए हैं, और स्ट्रक्चरल इम्बैलेंस हुआ है,

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में बढ़ती घटनाओं पर चिंता, जय भगवान गोयल से मिले परिजन

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हाल के दिनों में सामने आ रही कथित घटनाओं को लेकर स्थानीय समाज में चिंता बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में पीड़ित परिवारों ने अपनी बेटियों की सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर जय भगवान गोयल से मुलाकात कर हस्तक्षेप की अपील की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 6 अप्रैल को वेलकम-सीलमपुर क्षेत्र की एक युवती को मेवात निवासी एक युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया। इसके अलावा 8 अप्रैल को जफराबाद थाना क्षेत्र में तीन लड़कियों से जुड़ा एक अन्य मामला भी दर्ज किया गया, जिसमें अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इन घटनाओं से चिंतित परिजन 15 अप्रैल को जय भगवान गोयल के कार्यालय पहुंचे और अपनी पुत्रियों की सकुशल वापसी के लिए गुहार लगाई। जय भगवान गोयल ने परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह संबंधित प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से समन्वय कर हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं सामाजिक सुरक्षा और विश्वास के लिए गंभीर चुनौती हैं, जिन पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश में 700 राइस मिलों पर लटके ताले

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र में सरकार द्वारा तय अपग्रेडेशन राशि, कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) और अन्य मदों की बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण राइस मिलों की आर्थिक हालत बिगड़ गई है। प्रदेश का राइस मिल उद्योग इन दिनों गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा है। प्रदेश की करीब 1200 राइस मिलों में से लगभग 700 मिलें बंद हो चुकी हैं। मिलर्स का आरोप है कि बकाया राशि का भुगतान न होने के बैंक ऋण, बिजली बिल, मजदूरी और अन्य खर्चों का भार उठाना मुश्किल हो गया है, जिससे बड़ी संख्या में मिलर्स डिफाल्टर हो रहे हैं। एक ओर सरकार सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित कर रही तो वहीं राइस मिले जैसे लघु उद्योग को अपग्रेडेशन राशि व कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की राशि ही नहीं दी गई है। इस नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर मप्र चावल उद्योग महासंघ के पदाधिकारियों ने भोपाल में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से भेंटकर अपनी समस्या बताई तो उन्होंने आश्वासन दिया कि सुझावों एवं समस्याओं का परीक्षण कर निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बकाया भुगतान न मिलने से आर्थिक संकट में फंसे मिलर्स

लिस्ट तैयार, करीब 20 जिलों के एसपी बदलेंगे

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र में आईएएस अफसरों के बाद अब जल्द आईपीएस अफसरों के तबादले भी हो सकते हैं। आईपीएस पोस्टिंग में बड़े पैमाने पर फेरबदल हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश में आईपीएस अफसरों की तबादला सूची तैयार हो चुकी है। करीब 20 जिलों के एसपी बदले जा सकते हैं। छोटे जिलों के कुछ एसपी को बड़े जिलों की कमान सौंपी जा सकती है। अब 2020 बैच के आईपीएस अफसरों को जिलों की कमान मिल सकती है। अब तक 2019 बैच के आईपीएस अफसर जिलों में एसपी बनाए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि शाजापुर, शिवपुरी, डिंडौरी, मंडला के एसपी बदले जा सकते हैं। वहीं छतरपुर, बुरहानपुर, निवाड़ी और नीमच के पुलिस कप्तानों को भी बदलने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार, दमोह, सिवनी और आगर मालवा में भी एसपी बदले जा सकते हैं। ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर के एसपी भी बदले जा सकते हैं। कुछ जिलों के एसपी प्रमोशन के बाद डीआईजी बन चुके हैं। खंडवा के एसपी मनोज राय, एसपी रेल भोपाल राहुल लोढ़ा, एसपी रेल जबलपुर सिमाला प्रसाद, एसपी भिंड असित यादव और एसपी धार मयंक अवस्थी डीआईजी बन चुके हैं। लिहाजा उन्हें भी बदला जा सकता है।

बिना अधिकारी-कर्मचारी कैसे हो वनों और वन्य प्राणियों की रक्षा

हर महीने 4 बाघ और 10 तेंदुओं की मौत!

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

मप्र कुल वन और वृक्ष आवरण 85 हजार 724 वर्ग किलोमीटर और वनावरण 77.073 वर्ग किलोमीटर के साथ देश का अग्रणी राज्य है। यहां वनों को प्रकृति ने अकूत सम्पदा का वरदान देकर समृद्ध किया है। प्रदेश में 30.72 प्रतिशत वन क्षेत्र है जो देश के कुल वन क्षेत्र का 12.30 प्रतिशत है। यहां कुल वन क्षेत्र 94 हजार 689 वर्ग किलोमीटर (94 लाख 68 हजार 900 हेक्टेयर) है। प्रदेश में 24 अभयारण्य, 11 नेशनल पार्क और 8 टाईगर रिजर्व हैं। इनमें बाघ, तेंदुआ सहित कई प्रकार के वन्य प्राणी रहते हैं। इन पर तस्करों और माफिया की लगातार कुदृष्टि बनी रहती है।

लेकिन विडंबना यह है कि वन विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी के कारण वनों और वन्य प्राणियों की रक्षा नहीं हो पा रही है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि प्रदेश में हर महीने औसतन 4 बाघ और 10 तेंदुओं की मौत हो रही है। टाइगर स्टेट मप्र में साल 2026 में 3 महीनों में 14 बाघों की मौत हो चुकी है। पिछले साल 55 की जान गई थी। इस स्थिति के पीछे की वजह यह है कि प्रदेश में वन अमले में भारी कमी है। 31 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। जंगलों में मैदानी अमला नहीं होने से जानवरों की सुरक्षा और देखभाल का संकट खड़ा हो गया है। वन विभाग की 31 मार्च को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुल 26,079 पदों में से 8,125 पद खाली हैं। 1 जनवरी 2026 की स्थिति में विभाग में करीब 18 हजार अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जो मौजूदा जंगलों और वन्य जीवों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हैं। विभाग में आईएफएस, एसएफएस से लेकर महावत, भृत्य और दफ्तरी स्तर तक के अधिकारी-कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। कई क्षेत्रों में स्थिति ऐसी है कि स्वीकृत पदों के मुकाबले एक भी अधिकारी पदस्थ नहीं है। वन विभाग में राज्य वन सेवा के 359 पद स्वीकृत हैं और इसमें से 142 पद भरे हुए हैं। जबकि 215 पद अधिकारी नहीं होने से रिक्त हैं। इसी तरह भारतीय वन सेवा के अफसरों की बात करें तो पता चलता है कि कुल 296 आईएफएस अफसरों के पद एमपी कैडर में स्वीकृत हैं, इसके विपरीत 185 अधिकारी वन विभाग में इस कैडर के लिए स्वीकृत पदों के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

ऐसा है भारतीय वन सेवा के पदों का सेटअप

भारतीय वन सेवा के पदों के सेटअप से पता चलता है कि वन बल प्रमुख का एक पद है, जो पीसीसीएफ स्तर के अधिकारी का होता है। इसके साथ ही प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) के 4 पद हैं, जो भरे हुए हैं। एपीसीसीएफ के 25 पद हैं, जिनमें से 8 ही भरे हैं। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) के 51 पदों के विरुद्ध 8 अधिकारी कार्यरत हैं। साथ ही वन संरक्षक के 40 पदों के विरुद्ध 18 और उप वन संरक्षक के 59 पदों के विरुद्ध 76 अधिकारी कार्यरत हैं। इस तरह कुल सीनियर पदों की संख्या 180 है, जिसके विपरीत 120 अधिकारी पदस्थ हैं। भारतीय वन सेवा के अफसरों के सेटअप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए रिजर्व पदों की संख्या 36 है और 8 अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर हैं। राज्य प्रतिनियुक्ति के लिए 45 पद रिजर्व हैं, जिनमें से 23 पद भरे हैं। इसी तरह प्रशिक्षण के लिए रिजर्व 6 पदों में से सभी खाली हैं। परिवीक्षाधीन पदों के लिए 29 पद तय हैं, जिनमें 23 भरे हुए हैं। वहीं वन रक्षक के कुल स्वीकृत पद 14030 हैं और इसमें से 1351 पद रिक्त हैं। इसी तरह वन पाल के 4194 पदों में से 2598 पद खाली हैं। उप वन क्षेत्र पाल के 1258 पदों में से 930 पद रिक्त हैं। इसके अलावा वन क्षेत्रपाल के 1194 पदों में से 573 रिक्त हैं। इस तरह इस कैटेगरी के पदों में कुल 20676 पदों में से 5452 पद रिक्त हैं।

स्टेट टॉपर में उत्कृष्ट विद्यालय के तीन छात्रों ने पाया स्थान

10वीं-12वीं बोर्ड का परिणाम घोषितः हाईस्कूल में गिरावट

सतना, प्रातःकिरण संवाददाता।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा शिक्षण सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। जिले में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम जहां लगभग एक अंक गिरा वहीं हायर सेकेंडरी में मामूली बढत दर्ज हुई। कक्षा 10वीं में 63.88 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल रहे, जबकि कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 73.21 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं स्टेट मैरिट में उत्कृष्ट विद्यालय व्यंकट क्रमांक एक के तीन छात्रों ने अपना स्थान बनाया। कक्षा दशवीं में छात्रा प्राची कुशवाहा ने सातवां स्थान प्राप्त किया। जबकि कक्षा बारहवीं में नमन सिंह तथा अमन गुप्ता ने संयुक्त रुप से नौवां स्थान अर्जित किया। दोनों छात्र मैथ विषय से पढ़ाई कर रहे हैं। अमन गुप्ता के पिता प्राइवेट नौकरी करते हैं। उन्होंने बेटे की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कभी उम्मीद नहीं की थी, लेकिन बेटे ने आज जो उपलिब्ध प्राप्त की है उससे बेटे पर नाज है। वहीं अमन गुप्ता ने बातचीत के दौरान बताया कि वह सिविल सर्विसेज में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह स्कूल के साथ घर में पढ़ाई पर फोकस करते रहे। फिजिक्स के अलावा किसी विषय की कोई कोचिंग नहीं ली। केवल यू-ट्यूब और सेल्फस्टडी से यहां तक पहुंचे। उन्होंने जब परिणाम देखा तब नजीता मालूम हुआ, लेकिन स्टेट में स्थान है यब बात मीडिया से पता चली।

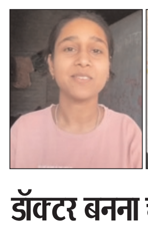

डॉक्टर बनना चाहती हैं प्राची कुशवाहा

कक्षा दशवीं की स्टेट टॉपर (आठवीं रैंक) पाने वाली प्राची कुशवाहा आगे मेडिकल की पढ़ाई कर डॉक्टर बनना चाहती हैं। उनके पिता शिवदयाल कुशवाहा गुजरात में रहकर मजदूरी करते हैं। बेहद तंगी के बीच बेटी ने यह मुकाम अर्जित किया है। श्रेया का एक भाई है जो छोटा है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान स्कूल के प्राचार्य कमलेश सिंह, रामानुज पाठक सर ने काफी मदद की। उन्होंने सभी के प्रति आभार जताया है।

ये हैं 10वीं स्टेट टॉपर

1- अंजली तिवारी पिता जयप्रकाश तिवारी हाईस्कूल रजरवार ने 493 अंक के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। 2- पलक यादव पिता सुग्रीव यादव कन्या उमावि उचेहरा ने 493 अंक के साथ प्रदेश में सातवां स्थान बनाया। 3- प्राची कुशवाहा पिता शिवदयाल कुशवाहा उत्कृष्ट विद्यालय व्यंकट मांक एक ने 492 अंक के साथ प्रदेश में आठवां स्थान। 4- अन्नपूर्णा दुबे पिता प्रेम प्रकाश दुबे गार्जियन गाइड पब्लिक स्कूल सतना की छात्रा ने 491 अंक के साथ प्रदेश में नौवां स्थान बनाया। 5- अनामिका सिंह पिता प्रमोद सिंह उमावि गोलहटा की छात्रा ने 490 अंक अर्जित कर प्रदेश में दसवां स्थान बनाया।

कक्षा 12वीं के स्टेट टॉपर

1- कुमारी डॉली पुरवार पिता नीरज पुरवार सत्य निकेतन उमावि नागौद ने 491 अंक (गणित समूह) के साथ प्रदेश में दूसरा स्थान 2- मानेन्द्र केवट पिता महेन्द्र केवट 490 अंक (गणित समूह) शासकीय बालक उमावि रामपुर बाघेलान सतना ने प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। 3- कुमारी राधिका अग्रवाल पिता धीरज अग्रवाल विन्ध्य पब्लिक स्कूल सतना ने 480(कला समूह) अंक के साथ प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। 4- सचिन अहिरवार पिता मोतीमन अहिरवार सांदीपनि नागौद ने ने 480(कला समूह) अंक के साथ प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। 5- कुमारी रेशू मिश्रा पिता रामप्रकाश मिश्रा 489 (गणित समूह) उमावि कृष्णनगर सतना ने प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया। 6- अमन कुमार गुप्ता पिता पुरुषोत्तमदास गुप्ता 484 (गणित समूह) शासकीय उत्कृष्ट व्यंकट मांक के छात्र ने प्रदेश में नौवां स्थान प्राप्त किया। 7- नमन सिंह पिता राजीव सिंह 483 (गणित समूह) शासकीय उत्कृष्ट व्यंकट मांक के छात्र ने प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। 8- कुमारी सिमरन छावडिया पिता हीरा छावडिया स्कॉलर होम की छात्रा ने 485 अंक (वाणिज्य संकाय) ने प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया है। 9- कुमारी नंदिनी गर्ग पिता रामविलाश गर्ग सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय चित्रकूट सतना ने 485 अंक (वाणिज्य संकाय) ने प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया है।

नई आबकारी नीति से 10-12 प्रतिशत ज्यादा कमाई की उम्मीद

शराब की बिक्री से मालामाल होगा मप्र

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र में नए वित्तीय वर्ष के लागू होने के साथ ही नई आबकारी नीति लागू हो गई है। मप्र सरकार ने इस नई शराब नीति में कई अहम नियम बनाए हैं। इसके साथ ही साल 2025 में प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों के आस-पास लागू की गई शराबबंदी इस साल भी जारी रहेगी।

मोहन सरकार को वित्तीय वर्ष 2026-27 में शराब बिक्री से अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश में शराब बिक्री से होने वाले रेवेन्यू के मामले में आबकारी विभाग नंबर एक पर है। एमपी सरकार को बीते वित्तीय वर्ष भी आबकारी से कमाई कमाई हुई है। वो कहते हैं कि- शराब बिक्री से पिछले साल के मुकाबले आबकारी विभाग को इस साल 10 से 12 परसेंट ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। इस आबकारी वर्ष में पूरे प्रदेश में 3553 दुकानों का संचालन होगा साथ ही सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कोई भी नई शराब दुकान नहीं खोलने का फैसला लिया है। जिसके बाद इस वित्तीय वर्ष में मप्र एक भी नया शराब लाइसेंस जारी नहीं करेगा।

इसके साथ ही आखिर इस वर्ष की आबकारी नीति में क्या है नया और क्या प्रदेश में इस साल शराब के रेट बढ़ेंगे, सरकार ने तोड़ी मोनोपॉली अब छोटे और बड़े शराब व्यापारी एक समान, क्या बंद होगी व्यापारियों की मनमर्जी मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी नई आबकारी नीति में शराब ठेकों को छोटे समूहों में बांट दिया है। जिसके बाद राजधानी भोपाल में शराब ठेके 4 समूहों की जगह अब 20 समूह में बांटे गए हैं। शराब ठेकों के छोटे ग्रुप बनने के बाद शराब व्यापारियों की मोनोपॉली खत्म हो गई है। जिससे व्यापारियों की मनमर्जी पर लगाम लगेगी।

छत्तीसगढ़

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

छत्तीसगढ़ में UCC ड्राफ्ट के लिए बनेगी समिति, महिलाओं को जमीन रजिस्ट्री में 50% छूट

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में ठुद्बद्बश्ह्द्ब ष्ट्द्ब1द्बद्य ष्टश्स्रद्ग (ष्ट) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसका प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला किया। समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी।

कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

1. मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में niform Civil Code लागू करने के संबंध में niform Civil Code का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया तथा समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए Uniform Civil Code लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर niform Civil Code का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके।

2. मंत्रिपरिषद ने महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

3. मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रूपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा। देश सेवा में समर्पित सैनिकों का जीवन प्रायः स्थानांतरण और अस्थायित्व से भरा होता है, जिसके बाद वे स्थायी निवास के लिए संपत्ति क्रय करते हैं, ऐसे में यह निर्णय उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करेगा।

नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, बर्खास्तगी पर लगी रोक

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। बेमेतरा जिले के नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष सिद्धांत चौहान को हटाने के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक लगा दी है। कोर्ट ने उन्हें हटाने के आदेश के प्रभाव एवं प्रचलन (इम्प्लीमेंटेशन) पर भी फिलहाल स्थगन दिया है। न्यायालय ने सिद्धांत चौहान को पद पर बने रहते हुए कार्य करते रहने की अनुमति दी है। मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, सिद्धांत चौहान का चुनाव सीधे जनता के द्वारा नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष के पद पर दिनांक 15.02.25 को हुआ, और पहली मीटिंग दिनांक 08.03.25 को हुई, जिसमें उपाध्यक्ष का चुनाव किया गया। 11.03.25 को सिद्धांत चौहान द्वारा प्रेसिडेंट इन काउंसिल का गठन किया गया, परंतु प्रेसिडेंट इन काउंसिल के सदस्यों द्वारा इस्तीफा प्रस्तुत किया गया, जिसे सिद्धांत चौहान द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। इसके पश्चात नगर पंचायत नवागढ़ के विभिन्न कार्यों का संपादन नियमानुसार सिद्धांत चौहान द्वारा किया गया। पार्षदों द्वारा असहयोग किए जाने पर निर्माण व आवश्यक कार्यों से संबंधित सभी प्रस्ताव सामान्य सभा में प्रस्तुत किए गए और कोरम पूर्ण न होने पर स्थगित adjourn मीटिंग में उन सभी प्रस्तावों को पास किया गया और कार्य किए गए।

शिक्षकों ने बीईओ के खिलाफ खोला मोर्चा

रिश्वत मांगने और अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए किया कार्यालय का घेराव

महासमुंद, प्रातःकिरण संवाददाता।

जिले में सर्व शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) की कार्यप्रणाली पर गंभीर अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपातपूर्ण रवैया एवं तानाशाही के आरोप लगाते हुए बीईओ कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की।

शिक्षकों ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर घेराव किया। उनकी मांग है कि संतान पालन अवकाश में अवैध वसूली, स्टेशनरी विद्यालयों को नहीं वितरित करना और अभिलेखों में वितरण दर्शाना, कार्यालय व्यय में गड़बड़ी एवं फर्जी बिल के माध्यम से आहरण करना, नियम विरुद्ध यात्रा भत्ता निकालना, पक्षपातपूर्ण अवकाश स्वीकृति करना, जांच समिति की निष्क्रियता एवं शालाओं के युक्तियुक्तकरण में व्यापक लापरवाही बरतना शामिल है।

वहीं एक पीड़ित शिक्षिका ने संतान पालन अवकाश के लिए बीईओ पर प्रत्येक माह 5 हजार रुपये मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। घेराव के बाद शिक्षक संघ ने बीईओ को तत्काल निलंबित करने की मांग को लेकर विधायक, डीईओ एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जहां शिक्षक बीईओ का निलंबन नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। वहीं बीईओ ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

इस पूरे मामले में डीईओ ने शिकायत प्राप्त होने पर बिंदुवार जांच कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है। गौरतलब है कि जब शिक्षा के मंदिर में ही इस तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो बच्चों को क्या सीख मिलेगी, यह सोचने वाली बात है।

हेराफेरी

धान खरीदी में 2.54 करोड़ का घोटालाः ऑनलाइन और भौतिक स्टॉक में बड़ा अंतर

केंद्र प्रभारी के खिलाफ FIR दर्ज, जांच में हुए खुलासे

मुंगेली, प्रातःकिरण संवाददाता।

जिले में धान खरीदी को लेकर बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। जिले के हथनीकला धान खरीदी केंद्र में पदस्थ प्रभारी विक्रम सिंह राजपूत पर करीब ?2.54 करोड़ के धान गबन का आरोप लगा है। मामले में सिटी कोतवाली थाना में स्नद्बक्र दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पर्यवेक्षक ने दर्ज कराई शिकायत

बता दें कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा मुंगेली में पदस्थ पर्यवेक्षक भरत लाल कौशिक ने इस पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने लिखित आवेदन में आरोप लगाया है कि आरोपी द्वारा कुल 8216.30 क्विंटल धान की हेराफेरी कर अमानत में खयानत की गई है, जिसकी कुल कीमत ?2,54,70,530 है।

कलेक्टर के निर्देश पर गठित हुई जांच टीम

भरत लाल कौशिक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर (सहकारिता शाखा) मुंगेली द्वारा 30 मार्च 2026 को संयुक्त जांच दल गठित किया गया था। इस जांच दल में नायब तहसीलदार चंदन दुबे, सहकारिता विस्तार अधिकारी मिथलेश साहू, खाद्य निरीक्षक भानूप्रिया नंदकर, जिला सहकारी बैंक सरगांव के पर्यवेक्षक सुनील यादव और मंडी निरीक्षक शुभम पैकरा शामिल थे। टीम ने 8 अप्रैल 2026 को अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की।

भौतिक सत्यापन में सामने आई गड़बड़ी

जांच रिपोर्ट में भौतिक सत्यापन के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई। ऑनलाइन रिकॉर्ड में 9798.70 क्विंटल धान दर्शाया गया था, जबकि मौके पर केवल 7534 क्विंटल (18835 बोरी) धान ही मिला। इसके अलावा 682.30 क्विंटल का वजन शॉर्टेज पाया गया। इस प्रकार कुल 8216.30 क्विंटल धान की कमी सामने आई, जिसकी कीमत प्रति क्विंटल ?3100 के हिसाब से ?2,54,70,530 आंकी गई है।

नारी शक्ति वंदनः आधी आबादी का हक या 2029 का चुनावी दांव

दिलीप कुमार पाठक

यदि महिलाएं सशक्त होती हैं और देश के शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी बढ़ती है, तो हमारे लोकतंत्र और समाज के लिए इससे बेहतर भला और क्या होगा। आधी आबादी को उनका हक मिलना सिर्फ न्याय नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए अनिवार्य है। लेकिन जब हम महिला आरक्षण से जुड़े हालिया घटनाक्रमों और इसके कानूनी पेचीदगियों को देखते हैं, तो साफ नजर आता है कि सरकार की मंशा इस मुद्दे पर पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। ऐसा लगता है कि इसे वास्तविक सशक्तिकरण के बजाय एक राजनीतिक हथियार के तौर पर अधिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इस कानून की सबसे बड़ी और बुनियादी कमी इसका शर्तों में बंधा होना है। सरकार ने बिल तो पास कर दिया, लेकिन इसके साथ एक ऐसी शर्त जोड़ दी जिसने इसे फिलहाल एक भविष्य का वादा बनाकर छोड़ दिया है। कानून के मुताबिक, आरक्षण तभी लागू होगा जब नई जनगणना होगी और उसके आधार पर सीटों का नया बंटवारा यानी परिसीमन होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस लंबी प्रक्रिया के कारण यह आरक्षण 2029 या शायद 2034 तक खिंच सकता है। सवाल यह उठता है कि अगर नीयत साफ थी, तो इसे तुरंत मौजूदा सीटों पर ही क्यों लागू नहीं किया गया? जनगणना और परिसीमन जैसी उलझी हुई प्रक्रियाओं के साथ जोड़कर सरकार ने इसे एक ऐसे रास्ते पर डाल दिया है, जिसकी मंजिल का फिलहाल कोई पता नहीं है। जैसे ही सरकार सीटों के नए बंटवारे की बात करती है, दक्षिण भारतीय राज्यों की चिंता बढ़ जाती है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने पिछले कई सालों में जनसंख्या को काबू करने के लिए बहुत अच्छा काम किया है। अब तकनीकी दिक्कत यह है कि यदि सीटों का फैसला केवल आबादी के आधार पर होता है, तो उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की लोकसभा सीटें बहुत ज्यादा बढ़ जाएंगी और दक्षिण का राजनीतिक वजन कम हो जाएगा। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो उत्तर भारत के कुछ राज्यों में सीटें अस्सी प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं, जबकि दक्षिण में यह बढ़ोतरी बहुत कम होगी। दक्षिण के राज्यों का कहना है कि उन्हें अच्छा काम करने की सजा दी जा रही है। सरकार ने इस क्षेत्रीय विवाद को सुलझाने का कोई पक्का रास्ता बताए बिना ही महिला आरक्षण को सीटों के बंटवारे से जोड़ दिया। इससे यह डर पैदा हो गया है कि महिलाओं को हक देने के नाम पर कहीं देश के अलग-अलग हिस्सों के बीच का तालमेल ही न बिगड़ जाए। इस बिल की एक और बड़ी व्यावहारिक चिंता प्रॉक्सी संस्कृति और रसूखदार राजनीतिक घरानों का कब्जा है। इसे आसान भाषा में समझें तो यह नाम महिला का और काम पुरुष का वाली स्थिति है। गाँवों की पंचायतों में हमने अक्सर देखा है कि महिला चुनाव तो जीत जाती है, लेकिन दफ्तर में उसके पति, पिता या भाई बैठते हैं और सारे फैसले वही लेते हैं। इसे ही पति-सरपंच संस्कृति कहा जाता है। अब डर यह है कि विधानसभा और संसद में भी यही होगा। राजनीतिक पार्टियां जमीन से जुड़ी संघर्षशील महिलाओं के बजाय उन्हीं महिलाओं को टिकट देंगी जो पहले से ताकतवर राजनीतिक परिवारों से आती हैं। यानी एक आम महिला के लिए संसद के दरवाजे अभी भी बंद रह सकते हैं, क्योंकि आज के दौर में चुनाव लड़ना बहुत महंगा हो चुका है और महिलाओं के पास अपने खर्च के लिए पैसे नहीं होते। बिना सरकारी मदद या चुनावी खर्च में छूट के, यह आरक्षण केवल अमीर वर्ग की महिलाओं तक सिमट कर रह जाएगा। इसके अलावा, राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषदों को इस आरक्षण से बाहर रखना भी एक बड़ी खामी है। लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या अभी बहुत कम है, फिर भी बड़े सदनों में उनकी भागीदारी पर चुप रहना सरकार की सोच पर सवाल उठाता है। साथ ही, पार्टियों के भीतर लोकतंत्र की कमी एक और कड़वा सच है। जब तक टिकट बांटने वाली मुख्य कमेटियों में महिलाओं को जगह नहीं मिलती, तब तक चुनी गई महिला प्रतिनिधियों की ताकत केवल कागजों तक ही रहेगी। एक और कमी सीटों के बदलने का नियम है। हर चुनाव के बाद आरक्षित सीटें बदलने से नेताओं की अपने इलाके के प्रति जिम्मेदारी खत्म हो जाएगी, क्योंकि उन्हें पता होगा कि अगला चुनाव उन्हें वहां से लड़ना ही नहीं है।

संपन्न दुनिया, असंतुष्ट मानवता फिर गांधी का समय

भूपेन्द्र गुप्ता

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो एक कठोर सच्चाई हमें झकझोरती है—यह दुनिया जितनी समृद्ध कभी नहीं रही, उतनी ही असमान और असंतुष्ट भी कभी नहीं रही। विज्ञान ने चमत्कार किए हैं, तकनीक ने सीमाएँ तोड़ी हैं, और उत्पादन ने रिकॉर्ड बनाए हैं। फिर भी, भूख है, भय है, युद्ध है और भीतर एक गहरा असंतोष है। सवाल उठता है—आखिर क्यों? संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया में इतना खाद्यान्न उत्पादन होता है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। फिर भी, करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन जी रहे हैं। यह विरोधाभास हमें एक ही निष्कर्ष तक ले जाता है—समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान वितरण और हमारी सोच की विकृति है। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का दर्शन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। गांधी जी ने स्पष्ट कहा था—ह्लपृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं।ह्व यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि आज के वैश्विक संकट का सटीक विश्लेषण है। आज का मानव ह्लआवश्यकताह्व से नहीं, बल्कि ह्लअतृप्त इच्छाओंह्व से संचालित हो रहा है। राष्ट्र अपनी सीमाओं की सुरक्षा से आगे बढ़कर संसाधनों पर नियंत्रण की होड़ में लगे हैं। ऊर्जा, जल और खनिज—ये अब जीवन के साधन नहीं, बल्कि शक्ति के प्रतीक बन गए हैं। हाल के वैश्विक संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसाधनों पर वर्चस्व की यह लड़ाई कितनी विनाशकारी हो सकती है। हमारी आर्थिक व्यवस्था भी इस असंतुलन को गहरा करती है। जब विकास का केंद्र ह्लमुनाफाह्व बन जाता है और ह्लमानवह्व पीछे छूट जाता है, तब समृद्धि कुछ हाथों में सिमट जाती है। बड़ी कंपनियाँ और शक्तिशाली वर्ग संसाधनों पर अधिकार जमा लेते हैं, जबकि आम जन संघर्ष करता रह जाता है। यह केवल आर्थिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। गांधी जी का ह्लअपरिग्रहह्व हमें इसी संकट से बाहर निकलने का मार्ग दिखाता है। अपरिग्रह का अर्थ है—संतुलित जीवन, सीमित उपभोग और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता। यदि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इस सिद्धांत को अपनाएँ, तो संसाधनों पर अनावश्यक दबाव कम हो सकता है और संतुलन स्थापित हो सकता है। इसके साथ ही, गांधी जी का ह्लट्रस्टीशिपह्व का सिद्धांत आज के कॉर्पोरेट और आर्थिक ढांचे के लिए एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा था कि जिनके पास अधिक संपत्ति है, वे उसके मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। यदि यह भावना विकसित हो जाए, तो संपत्ति का उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए किया जा सकता है। आज दुनिया को केवल नीतिगत सुधारों की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। हमें ह्लमैं और मेराह्व की सीमाओं को तोड़कर ह्लहम और हमाराह्व की ओर बढ़ना होगा। जब तक हम स्वयं को एक वैश्विक परिवार का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक शांति और संतुलन की कल्पना अधूरी रहेगी। सरकारों को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जो शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यूनतम जीवन स्तर को हर व्यक्ति का अधिकार बनाएँ। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है—व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन। हमें अपने उपभोग, अपनी आवश्यकताओं और अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। क्या हमें वास्तव में उतना ही चाहिए जितना हम इकट्ठा कर रहे हैं? या हम अनजाने में किसी और के हिस्से को छीन रहे हैं? आज का समय हमें एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा करता है। एक ओर वह मार्ग है जो हमें और अधिक प्रतिस्पर्धा, असमानता और संघर्ष की ओर ले जाता है। दूसरी ओर वह मार्ग है जो संतुलन, सहयोग और शांति की ओर जाता है। यह चयन हमें करना है।

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे। उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है।

मनोज कुमार अग्रवाल
(लेखक)

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे। उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया। पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरूआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया. जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरूआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया.मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया.अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं. नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है.इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है.मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना और बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल है. उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से गुजारा संभव नहीं है. आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेतन देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़ेगी क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने की कोशिश होगी। उद्योगों को भी साथ लेकर चलने की जरूरत है और मजदूरों का ध्यान रखने की भी। मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

युद्ध, विश्वसनीयता और अमेरिका का बदलता चेहरा

संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाओं में भी अमेरिका का प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। अमेरिका की आर्थिक नीतियों और प्रतिबंधों ने कई देशों को डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित किया है। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। आज के समय में युद्ध केवल मैदान में नहीं, बल्कि मीडिया और सोशल मीडिया पर भी लड़े जाते हैं। अमेरिका की छवि को उसके विरोधियों ने प्रभावी ढंग से चुनौती दी है। अमेरिका को अपनी नीतियों में पारदर्शिता और स्थिरता लानी होगी। उसे अन्य देशों के साथ मिलकर काम करना होगा, न कि अकेले नेतृत्व करने की कोशिश करनी होगी।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

फ 21वीं सदी के तीसरे दशक में दुनिया जिस तरह से बदल रही है, उसमें शक्ति संतुलन, कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व के मायने भी तेजी से परिवर्तित हो रहे हैं। लंबे समय तक स्वयं को विश्व का प्रहरी और लोकतंत्र का रक्षक बताने वाला अमेरिका आज ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसकी सैन्य ताकत तो अब भी मजबूत है, लेकिन उसकी नैतिक और कूटनीतिक विश्वसनीयता गंभीर सवालों के घेरे में है। युद्धों और वैश्विक संकटों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका को नुकसान केवल युद्ध के मैदान में ही नहीं हुआ है, बल्कि उसकी सबसे बड़ी क्षति उसकी साख, उसके गठबंधनों और उसके प्रभाव क्षेत्र में हुई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका एकमात्र ऐसी शक्ति बनकर उभरा था, जिसने आर्थिक, सैन्य और तकनीकी तीनों क्षेत्रों में प्रभुत्व स्थापित किया। उसने न केवल अपने सहयोगियों की मदद की, बल्कि वैश्विक संस्थाओं का निर्माण कर विश्व व्यवस्था को आकार दिया। सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने लोकतंत्र बनाम साम्यवाद की लड़ाई को वैश्विक स्तर पर लड़ा। इस दौरान उसने कई देशों में हस्तक्षेप किया, जिससे उसकी छवि एक हस्तक्षेपकारी शक्ति की भी बनी। 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद अमेरिका एकमात्र महाशक्ति बन गया। यह वह दौर था जब अमेरिका ने वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सैन्य रणनीति को लगभग एकतरफा दिशा दी। इराक और अफगानिस्तान में अमेरिका के युद्धों ने उसकी सैन्य शक्ति की सीमाओं को उजागर किया। अरबों डॉलर खर्च करने और हजारों सैनिकों की जान जाने के बावजूद, अमेरिका स्थायी शांति स्थापित नहीं कर सका। अमेरिका ने जिन देशों में लोकतंत्र स्थापित करने का प्रयास किया, वहाँ अक्सर अराजकता और अस्थिरता ही बढ़ी। इससे उसकी नीतियों पर सवाल उठने लगे। हाल के संघर्षों में अमेरिका ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से भागीदारी की। लेकिन इन युद्धों ने यह दिखाया कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत से नहीं जीते जा सकते। अमेरिका पर अक्सर आरोप लगाया जाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानकों को अपने हित के अनुसार लागू करता है। एक देश के लिए कठोर रुख और दूसरे के लिए नरमी उसकी विश्वसनीयता को कमजोर करती है। कई बार अमेरिका ने अपने सहयोगियों को समर्थन देने का वादा किया, लेकिन संकट के समय पीछे हट गया। इससे उसके सहयोगियों में अविश्वास बढ़ा। अमेरिका की विदेश नीति अब अधिकतर उसकी घरेलू राजनीति से प्रभावित होती है। सरकार बदलते ही नीतियाँ बदल जाती हैं, जिससे उसकी निरंतरता पर सवाल उठते हैं। यूरोपीय देश अब अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहते। वे अपनी सुरक्षा और विदेश नीति में अधिक स्वायत्तता की ओर बढ़ रहे हैं। एशियाई देश अब अमेरिका और अन्य शक्तियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे किसी एक शक्ति पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहते। मध्य पूर्व के देशों ने भी अमेरिका के प्रभाव से बाहर निकलकर नए गठबंधन बनाने शुरू कर दिए हैं। अमेरिका अब पहले की तरह वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम नहीं दिखता। उसकी नीतियाँ अक्सर प्रतिक्रियात्मक और असंगत लगती हैं। चीन, रूस और अन्य उभरती शक्तियों ने अमेरिका के प्रभाव को चुनौती दी है। इससे वैश्विक शक्ति संतुलन बदल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाओं में भी अमेरिका का प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। अमेरिका की आर्थिक नीतियों और प्रतिबंधों ने कई देशों को डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित किया है। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। आज के समय में युद्ध केवल मैदान में नहीं, बल्कि मीडिया और सोशल मीडिया पर भी लड़े जाते हैं। अमेरिका की छवि को उसके विरोधियों ने प्रभावी ढंग से चुनौती दी है। अमेरिका को अपनी नीतियों में पारदर्शिता और स्थिरता लानी होगी। उसे अन्य देशों के साथ मिलकर काम करना होगा, न कि अकेले नेतृत्व करने की कोशिश करनी होगी। घरेलू स्तर पर भी उसे अपनी राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं को हल करना होगा। अमेरिका अब भी एक शक्तिशाली देश है, लेकिन उसकी शक्ति का स्वरूप बदल रहा है। केवल सैन्य ताकत के बल पर वह दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकता। उसे अपनी विश्वसनीयता, अपने गठबंधनों और अपनी नीतियों को फिर से परिभाषित करना होगा। यह स्पष्ट है कि अमेरिका को जो नुकसान हुआ है, वह केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। उसकी साख, उसकी मित्रता और उसका प्रभाव, तीनों गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि अमेरिका इस चुनौती से उबर पाता है या नहीं, लेकिन इतना निश्चित है कि दुनिया और अमेरिका अब पहले जैसी नहीं रही।

हाथियों की विरासतः जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को ह्यपारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियरह्न कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को ह्यहाथी बचाओ दिवसह्न मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है। पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000झ30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4झ5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000झ60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं। दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई। एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 16 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत

मुजफ्फरपुर। शहर के आमगोला रेलवे गुमटी के पास बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, व्यक्ति रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची रेल पुलिस और स्थानीय थाना की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने लोगों से रेलवे ट्रैक पार करते समय सतर्कता बरतने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

अवकाश प्राप्त शिक्षक सह कवि के निधन पर शोक

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के सिंघिया घाट कवि चौक निवासी अवकाश प्राप्त शिक्षक सह कवि सुखीचंद सिंह का निधन 12 अप्रैल रविवार को हो गया। वे 74 वर्ष के थे। उन्हें भागलपुर विक्रमशिला विश्वविद्यालय से कवि रत्न की उपाधि एवं देवघर हिंदी विद्यापीठ से साहित्य अलंकार की उपाधि प्राप्त थी। उनकी प्रकाशित पुस्तक पावनहार दुनिया की 16 देश में पहुंच चुकी है। उनकी और प्रकाशित कई पुस्तक हैं। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

तारापुर विधानसभा क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। तारापुर विधानसभा क्षेत्र के हवेली खड़गपुर में हर्ष और गौरव का माहौल देखने को मिला। बुधवार को सुभाष चंद्र कादंबरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, झील पथ, हवेली खड़गपुर की आजीवन संरक्षिका श्रीमती कादंबरी साहा ने बिहार के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।अपने संदेश में उन्होंने कहा कि श्री सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके कुशल मार्गदर्शन में राज्य की दिशा और दशा में सकारात्मक बदलाव आएगा तथा बिहार प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होगा। श्रीमती साहा ने यह भी आशा व्यक्त की कि नए मुख्यमंत्री शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचनाओं के क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाते हुए बिहार को एक सशक्त और समृद्ध राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा कार्यकर्ता में हर्ष,दी बधाई

विभूतिपुर/समस्तीपुर। सम्राट चौधरी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भाजपा कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए मिठाई बांटी।वहीं पूर्व जिला परिषद सह भाजपा नेता कृष्णदेव प्रसाद सिंह, अरविंद कुमार कुशवाहा, सतीश झा,चंद्रमणि प्रसाद सिंह, दीपक कुमार साह, रमाकांत राय, मनोज कुमार, अभिषेक कुमार गौतम ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाए जाने पर बधाई दी है।

दिवंगत रितेश कुमार उर्फ बबलू के बच्चों को दसवीं तक मिलेगी नि:शुल्क शिक्षा

विभूतिपुर/समस्तीपुर। सड़क हादसे में दिवंगत हुए रितेश कुमार उर्फ बबलू के तीनों बच्चों के शिक्षा के लिए आगे बढ़कर आए सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल कल्याणपुर। विद्यालय के निर्देशक रमेश कुमार ठाकुर ने संवेदना व्यक्त करते हुए सराहनीय कदम उठाते हुए बताया कि पिछले दिनों रितेश कुमार उर्फ बबलू की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बबलू के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। उन्होंने तीनों छोटे बच्चों को दसवीं तक निशुल्क शिक्षा देने का ऐलान किया है।

बीएड शिक्षण अभ्यास समापन समारोह का हुआ आयोजन

विभूतिपुर/समस्तीपुर। डीबीकेएन कॉलेज नरहन के बीएड शिक्षण अभ्यास का सफल समापन के अवसर पर प्लस टू रघुनंदन सेट उच्च विद्यालय सिंघिया घाट में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कन्हैया कुमार ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाचार्य वीरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रशिक्षकों ने विभिन्न विद्यालयों के विभिन्न वर्गों में जाकर अध्यापन कार्य का सफलतापूर्वक संचालन किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं का सराहना किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु अमित कुमार राज, अजीता कुमारी, कन्हैया कुमार, रवीश कुमार, मनीष कुमार, चंदन कुमार पासवान, मनोज कुमार, रणविजय कुमार आदि मौजूद थे। प्रोफेसर सुशील कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही समारोह संपन्न हुआ।

नया नेतृत्व से विकास व जनकल्याण की दिशा में तेजी आयेगी : डॉ मुरारी मोहन

प्रात: किरण संवाददाता

केवटी (दरभंगा)। केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने सम्राट चौधरी के बिहार के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है और राज्य की जनता को नए नेतृत्व से काफी अपेक्षाएं हैं। डॉ. झा ने कहा कि सम्राट चौधरी एक अनुभवी और दूरदर्शी नेता हैं, जिनके नेतृत्व में बिहार विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से प्रगति होगी और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि बिहार लंबे समय से विकास की नई गति की प्रतीक्षा कर रहा है, और अब यह उम्मीद जगी है कि नई सरकार जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए ठोस कदम उठाएगी। डॉ. झा ने विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने, किसानों के हितों की रक्षा करने और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया विधायक ने यह भी कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य में सुशासन की व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेगी।अंत में डॉ. मुरारी मोहन झा ने ईश्वर से सम्राट चौधरी के सफल, पारदर्शी और जनहितकारी कार्यकाल की कामना करते हुए बिहार के उज्ज्वल भविष्य की आशा व्यक्त की।

सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास की नई दिशा की ओर : अश्वनी यादव

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अश्वनी यादव ने सम्राट चौधरी को बिहार भाजपा विधानमंडल दल का नेता चुने जाने तथा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अश्वनी यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी का राजनीतिक अनुभव, सशक्त नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण बिहार में सुशासन और विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राज्य नई ऊंचाइयों को छुएगा और आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।उन्होंने सम्राट चौधरी को एक जुझारू और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की राजनीति को एक सकारात्मक दिशा मिलेगी, जिससे सामाजिक और आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा। अश्वनी यादव ने आगे कहा कि नई सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहेगी और विकास योजनाओं को तेजी से लागू करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि बिहार प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होगा और हर वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

तरबूज पर उकेरी राजनीति की तस्वीर: सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की अनोखी कला से सीएम सम्राट चौधरी को दी बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। कला और रचनात्मकता का अद्भुत संगम एक बार फिर देखने को मिला जब देश के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अपनी अनोखी प्रतिभा से सबको चौंका दिया। बिहार में एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चयन के बाद उन्होंने तरबूज पर शानदार कलाकृति बनाकर उन्हें अनोखे अंदाज में बधाई दी हैं। बुधवार को बिहार के नये मुख्यमंत्री के रूप शपथ ग्रहण के पूर्व ही इंटरनेशनल सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने करीब 10 घंटे की कड़ी मेहनत से 6 किलो 800 ग्राम के बड़े तरबूज पर बेहद बारीक नक्काशी की है। उन्होंने अपनी तेज धार वाले चाकू से इतनी सूक्ष्म कला उकेरी कि उसमें बिहार के लिए भाजपा के प्रथम मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की स्पष्ट और आकर्षक तस्वीर उभरकर सामने आई। खास बात यह रही कि इस कलाकृति में उन्हें कमल के साथ उदय होते हुए दर्शाया गया, जो भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह भी है। कलाकार मधुरेंद्र द्वारा इस बेहद खूबसूरत कलाकृति पर ‡बधाई हो सम्राट‡ संदेश भी उकेरा गया, जिसने इसे और खास बना दिया। यह पहली बार माना जा रहा है कि बिहार में किसी कलाकार ने इस तरह तरबूज पर इतनी राजनीतिक और प्रतीकात्मक कला प्रस्तुत की हो। मधुरेंद्र अक्सर कभी रेत पर तो कभी पीपल के हरे पत्तों पर तो कभी मिट्टी पर लेकिन इस बार अपने नए प्रयोग में एक तरबूज पर अपनी कला के जरिए देश की महान हस्तियों को सम्मान देते हुए नजर आये हैं। इस अनोखी कला का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। आम लोगों से लेकर कई राजनीतिक हस्तियों तक ने मधुरेंद्र की इस रचनात्मक पहल की जमकर सराहना की है। मधुरेंद्र कुमार की यह कलाकृति न सिर्फ उनकी कला कौशल का उदाहरण है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कला के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक संदेश कितने प्रभावशाली तरीके से दिए जा सकते हैं।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनते ही अधिवक्ताओं एवं राजनीतिक दलों के बीच खुशी की लहर

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर मुंगेर। तारापुर के विधायक सह तारापुर के लाल सम्राट चौधरी के बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही तारापुर विधिज्ञ संध के अधिवक्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड गयी । गौरतलब है कि अधिवक्ताओं ने एक दुसरे को गुलाल लगाकर मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। .इस मौके पर संध के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष हरे कृष्ण वर्मा महासचिव अनिल कुमार सिंह वीरेन्द्र सिंह कुशवाहा आदि ने कहा कि अब बिहार में विकास की रफतार बढेगी और जो कार्य उपमुख्यमंत्री के कार्यकाल में सम्राट चौधरी ने आरंभ कराया हैं उसमें गति आएगी । लोगों ने आगे कहा कि अनुमंडल बने आज 25 वर्ष से अधिक हो चुके हैं लेकिन आज तक यहां व्यवहार न्यायालय की स्थापना नही हो पायी हैं, जिसके कारण तारापुर अनुमंडल के आम लोगो को न्याय के लिए 50 किलोमीटर मुंगेर की दुरी तय करनी पड़ती हैं ।तारापुर में व्यवहार न्यायालय होने से आम लोगो को सस्ता एवं सुलभ न्याय मिलेगा खुशी जाहिर करने वालो में अधिवक्ता ओमकार वर्मा अजय कुमार हेमंत कुमार झा संजय कुमार झा अम्बिका प्रसाद सिंह अशोक कुमार सिंह प्रदीप कुशवाहा ध्रुव नारायण सहित दर्जनों अधिवक्तागण शामिल थें। तो वहीं दूसरी ओर लोजपा रामविलास के प्रधान कार्यालय तारापुर में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह की अगुवाई में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर पार्टी कार्यकताओं के साथ बेहतर तरीके शानदार जश्न मनाया गया। लोजपा के राष्ट्रीय सचिव श्री सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री बनने पर सम्राट चौधरी को बधाई दिया है। बधाई देने वालों में लोजपा नेता शशि शेखर राणा चंद्रशेखर चधरी आईटीसेल के जिला रोहित कुमार सिंह विशाल आनंद मुख्य रूप से शमिल थे ।

विश्व कला दिवस पर मिथिला चित्रकला के पद्मश्री कलाकारों को सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। मिथिला चित्रकला संस्थान, मधुबनी में विश्व कला दिवस के अवसर पर पद्मश्री सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मिथिला चित्रकला के प्रतिष्ठित पद्मश्री कलाकारों के परिजनों को पाग-डोपटा एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि मधुबनी के लिए यह गौरव की बात है कि यहां नौ पद्मश्री कलाकारों की समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ई-पोर्टल की पहल की जानकारी देते हुए बताया कि इससे बिक्री की 80% राशि सीधे कलाकारों को मिलेगी।कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक चन्द्रशेखर प्रसाद सिंह सहित अन्य अतिथियों ने मिथिला चित्रकला के संरक्षण एवं वैश्विक पहचान पर जोर दिया। वक्ताओं ने छात्रों को कला, साहित्य एवं संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर पद्मश्री कलाकारों के परिजनों ने उनके जीवन एवं योगदान को साझा किया। अंत में सभी ने मिथिला की कला परंपरा को सहेजने का संकल्प लिया।

सैनिक कैंटीन का भव्य उद्घाटन, आम जनता को मिलेगा 10-30% तक सस्ता सामान

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। नगर स्थित बैंक ऑफ इंडिया के समीप बुधवार को अवकाश प्राप्त सैनिक वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में सैनिक कैंटीन का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारी की स्नेहा दीदी, गायत्री परिवार के संजीव कुमार, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अंजनी ठाकुर तथा पूर्व मुख पार्षद दीपा केसरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच किया। उद्घाटन समारोह के दौरान पूरे परिसर में आध्यात्मिक एवं उत्सवी माहौल देखने को मिला। उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को समाजहित में एक सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इससे शहर के आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इस मौके पर अवकाश प्राप्त सेना अधिकारी सह कैंटीन के प्रोपराइटर आशीष केसरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कैंटीन का उद्देश्य आम लोगों को दैनिक उपयोग की गुणवत्तापूर्ण सामग्री उचित दरों पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यहां मिलने वाले मुनाफे का एक हिस्सा अवकाश प्राप्त सैनिक वेलफेयर फंड में दिया जाएगा, जिससे पूर्व सैनिकों के कल्याण कार्यों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे बताया कि विभिन्न कंपनियों से सामान सीधे कैंटीन तक पहुंचता है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाती है और उपभोक्ताओं को 10 से 30 प्रतिशत तक की छूट पर सामग्री उपलब्ध हो पाती है। उद्घाटनकताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि शहर में इस प्रकार की सैनिक कैंटीन का खुलना आम जनता के लिए लाभकारी साबित होगा। यह न केवल सस्ती दरों पर सामान उपलब्ध कराएगा, बल्कि पूर्व सैनिकों के सम्मान और सहयोग का भी एक मजबूत माध्यम बनेगा। इस अवसर पर रेखा सिंह चौहान, स्मिता देवी, मीना केसरी, खुशबू केसरी, रजनी केसरी, शंभू केसरी, प्रभाकर सिंह, सुरेश कुमार सहित कई गणमान्य नागरिक एवं समाज के शुभचिंतक उपस्थित रहे।

समता जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित समाजवाद पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। अम्बेडकर लोहिया कपूर्री विचार मंच के तत्वावधान में जयनगर स्थित आर्य कुमार पुस्तकालय परिसर में समता (समाजवाद) जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता हरिनारायण यादव ने तथा संचालन राजेश यादव ने किया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव, राम कुमार यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजवादी कार्यकर्ता एवं आमजन शामिल हुए। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया और कपूर्री ठाकुर को श्रद्धांजलि दी गई। अतिथियों का पाग, चादर व पुष्पमाला से सम्मान किया गया और एक पुस्तक का विमोचन भी हुआ। वक्ताओं ने समता व समाजवाद के विचारों को अपनाने, समाज को एकजुट रखने तथा किसान, मजदूर, छात्र व युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए आवाज उठाने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में सभी ने महान नेताओं के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से राज्य विकास की नई ऊंचाई को छुएगा विधायक व्यास सिंह

सीवान/दरौंदा विधानसभा के भाजपा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने माननीय सम्राट चौधरी को भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं. ब्यास सिंह ने इसे एक ऐतिहासिक और निर्णायक क्षण बताते हुए कहा कि आजादी के बाद पहली बार बिहार में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बने हैं,यह वर्षों के संघर्ष, तपस्या, समर्पण और विचारधारा की जीत है—एक ऐसा मुकाम, जो अनवरत परिश्रम और जनता के अटूट विश्वास से हासिल हुआ है.व्यास सिंह ने कहा कि यह सम्मान सम्राट चौधरी के प्रभावशाली नेतृत्व, दीर्घ राजनीतिक अनुभव, संघर्षशील व्यक्तित्व तथा संगठन के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का प्रतिफल है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में बिहार की राजनीति में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और राज्य विकास की नई ऊंचाई को छुएगा. उन्होंने आगे आशा जताई कि सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन में प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण के क्षेत्र में प्रभावी कार्य किए जाएंगे, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा.सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा जिला महामंत्री हरेंद्र कुशवाहा जिला मंत्री उमाशंकर सिंह मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह अरुण भारती, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह मुखिया रामकृष्ण सिंह उर्फ काका,मनीष सिंह, अशोक सिंह, विवेक सिंह, रणजीत सिंह, मुन्ना सिंह ने बढ़ाई एवं शुभकामनाएं दी।

बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी विधायक व्यास सिंह ने दी बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा भाजपा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी को शपथ लेने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधायक ने बताया कि आजादी के बाद पहली बार बिहार में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बने है। यह भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का संघर्ष और कठिन परिश्रम का देने है। विधायक ने कहा कि बिहार विकाश की नई ऊंचाई छुएगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन में प्रदेश में सुशासन एवं जन कल्याण के क्षेत्र से कार्य होगा, जिससे बिहार का विकास होगा। सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा जिला महामंत्री हरेंद्र कुशवाहा जिला मंत्री उमाशंकर सिंह मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह अरुण भारती, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह मुखिया रामकृष्ण सिंह उर्फ काका,मनीष सिंह, अशोक सिंह, विवेक सिंह, रणजीत सिंह, मुन्ना सिंह ने बढ़ाई एवं शुभकामनाएं दी।

बियाडा भूमि अधिग्रहण विवाद को लेकर रैयतों का प्रदर्शन, अंचल अधिकारी से लगाई गुहार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अंचल कार्यालय, मुसहरी में बियाडा से जुड़े कथित भूमि अधिग्रहण मामले को लेकर प्रभावित रैयतों ने अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाई। राजेन्द्र नगर मुहल्ला विकास समिति, वार्ड संख्या-49, कन्हौली विशुनदत्त के तत्वावधान में बड़ी संख्या में लोग अंचल अधिकारी से मिलने पहुंचे और अपनी शिकायत दर्ज कराई। प्रभावित लोगों का आरोप है कि बियाडा द्वारा किए गए आवेदन के आधार पर वैध भूमि धारकों (रैयतों) की जमीन पर बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के अवैध रूप से रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि थाना नंबर-411 (कन्हौली विशुनदत्त) और थाना नंबर-279 (रोहुआ आपुछ) क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश लोग पिछले 30 वर्षों से अधिक समय से यहां निवास कर रहे हैं और संवैधानिक रूप से रैयत होने की सभी शर्तें पूरी करते हैं। इसके बावजूद उनकी जमीन के रजिस्ट्रेशन और दाखिल-खारिज पर रोक लगने से लोगों में गहरी चिंता व्याप्त है। रैयतों ने अंचल अधिकारी से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की। इस दौरान अखिलेश कुमार, विमलेश शर्मा, उत्पल रंजन, मृत्युंजय कुमार सिंह, अमित कुमार, सुमित कुमार कंठ, रोहित कुमार, रौशन कुमार सिंह, संतोष झा, विजय कुमार मिश्रा, रविरंजन सहित 100 से अधिक स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने बियाडा कार्यालय पहुंचकर प्रभारी डीजीएम राजीव रंजन से भी मुलाकात की। प्रतिनिधियों में अखिलेश कुमार, विमलेश शर्मा और रौशन कुमार सिंह शामिल थे, जिन्होंने अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग करते हुए आवेदन पत्र सौंपा।

अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/महाराजगंज अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत बुधवार को द्वितीय दिवस पर महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों एवं आमजनों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के तहत बोर्ड मिडिल स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगण द्वारा महाराजगंज बाजार में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में बच्चों ने तख्ती एवं बैनर के माध्यम से अग्नि सुरक्षा से जुड़े संदेशों का प्रचार-प्रसार किया। इस वर्ष की थीम सेफ स्कूल को ध्यान में रखते हुए लोगों को आग से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इसके बाद बोर्ड मिडिल स्कूल, महाराजगंज एवं सेंट जोसेफ स्कूल में मॉक ड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों एवं शिक्षकों को आग लगने के कारण, उससे बचाव के उपाय, आपातकालीन स्थिति में क्या करना चाहिए, पास मेथड द्वारा अग्निशामक यंत्रों के उपयोग, ‡ तकनीक तथा रेस्क्यू के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही इसका व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच पिन फ्लैग, स्टिकर एवं पैम्पलेट का वितरण कर अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी वीरेन्द्र प्रसाद यादव, सब ऑफिसर रविन्द्र यादव, प्रधान अग्निक मुन्ना कुमार, अग्निकर्मी रौशन बिहारी, राजू कुमार, सुनीता कुमारी, पप्पू राम एवं अनुज कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि जागरूकता और सतर्कता ही अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान पटना हुई मौत

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। छपरा मुख्य मार्ग पर दरौंदा बाजार के समीप भारतीय स्टेट बैंक के सामने 09 मार्च को सड़क दुर्घटना में बृजबिहारी सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. जिसके बाद परिजनों द्वारा इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था. जहां इलाज के क्रम में बुधवार की अहले सुबह में मौत हो गई. घायल की पहचान थाना क्षेत्र के कोड़ारी खुर्द गांव निवासी सीआरपीएफ से सेवानिवृत बृजबिहारी सिंह (65 वर्ष) के रूप में की गई है. मिली जानकारी के अनुसार 09 मार्च को बृजबिहारी सिंह उर्फ टुनटुन सिंह दरौंदा स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में पैसे की निकासी के लिए गए थे. बैंक के सामने सड़क पार करने के दौरान एक अनियंत्रित पिकअप ने उन्हें धक्का मार दिया. टक्कर इतनी तेज थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत मानवता का परिचय देते हुए घायल वृद्ध को उठाकर दरौंदा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. वहां से प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया. सीवान से भी चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया. जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भाजपा जनसेवा के लिए समर्पित : निभा देवी

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर (दरभंगा)। बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर दरभंगा के बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा (दरभंगा पूर्वी) की जिला अध्यक्ष निभा देवी के नेतृत्व में पोहदी गांव में महिलाओं ने पदयात्रा कर खुशी जताई और मिठाइयां बांटी। निभा देवी ने कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा तथा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने इस निर्णय के लिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह और नितिन नबीन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की महिलाएं शामिल हुईं और समर्थन में नारे लगाए। उपस्थित लोगों ने विश्वास जताया कि नए नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार होगा।

संक्षिप्त खबरें

स्नातक पार्ट तीन ओल्ड कोर्स का रिजल्ट जारी

आरा।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने स्नातक पार्ट-3 ओल्ड कोर्स के तहत विभिन्न सत्रों का रिजल्ट जारी कर दिया है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सत्र (2020-23), (2021-24) और (2022-25) के बी.ए, बी.कॉम और बी.एससी (स्पेशल परीक्षा) के परिणाम अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपना रोल नंबर या अन्य आवश्यक विवरण दर्ज करना होगा। रिजल्ट जारी होने के बाद छात्रों में काफी उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से वे अपने परिणाम का इंतजार कर रहे थे।विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि यह रिजल्ट ओल्ड कोर्स के अंतर्गत आयोजित विशेष परीक्षा का है।

शाहपुर थाने की पुलिस ने शराब के पूर्व वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में

शाहपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र से पूर्व के एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत उसे भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार शाहपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के रुदनगर गांव से 2017 में दर्ज की गई शराब के मामले में एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में उसे भेज दिया गया। आज बुधवार को शाहपुर थाना अध्यक्ष राजेश मालाकार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर 2017 के शराब के मामले में फरार चल रहे। वारंटी लालमुनि मुसहर के पुत्र तबिनग मुसहर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में उसे भेज दिया गया। शाहपुर थाने की पुलिस इन दिनों अवैध शराब शराबियों और वारंटी के ऊपर कड़ी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

बहोरनपुर थाना मे दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

शाहपुर प्रखंड के बहोरनपुर थाना मे दहेज प्रताड़ना का एक मामला दर्ज कराया गया है। पीड़िता ने इस संबंध मे अपने ससुराल जवइनिया गाँव के अपने पति, सास, भसुर और बड़ी गोतनी पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का मायके अरवल जिला के मेहंदिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत पड़ता है। पीड़िता की शादी 8 महीने पहले शाहपुर प्रखंड के दामोदरपुर पंचायत के जवइनिया गाँव में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष वाले उससे दहेज मे मोटरसाइकिल और सोने के चेन की मांग किया करते थे। दहेज नहीं मिलने से ससुराल पक्ष वाले उसको प्रताड़ित करते थे। प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने अपने पति, सास, भसुर एवं बड़ी गौतमी के विरुद्ध बहोरनपुर थाना मे दहेज अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराया है ।बहोरनपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि थाने में मामला आया है ।पुलिस जांच में जुटी है ।गगग्गा

सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की परीक्षा 19 केंद्रों में आयोजित

आरा। जिले में सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक 19 केंद्रों पर किया गया। परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ मजिस्ट्रेटों की भी निगरानी सुनिश्चित की गई। सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ केंद्रों के बाहर देखने को मिली। निर्धारित समय से पहले ही अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। प्रवेश के दौरान सख्त जांच की गई, जिसमें एडमिट कार्ड और पहचान पत्र का सत्यापन किया गया। किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था ।प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू कर दी थी, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़-भाड़ को नियंत्रित किया जा सके। केंद्रों के पास वाहनों की आवाजाही भी सीमित रखी गई, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। परीक्षा के दौरान कुछ केंद्रों पर हल्की भीड़भाड़ और अव्यवस्था की शिकायतें सामने आईं, लेकिन अधिकारियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित कर लिया। अधिकांश केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। अभ्यर्थियों ने भी व्यवस्था को संतोषजनक बताया ।जिला प्रशासन ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए थे और भविष्य में भी इसी तरह की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखी जाएगी।

आरा रजिस्ट्री कार्यालय में जल्द शुरू होगी पार्किंग व्यवस्था

जाम से मिलेगी राहत ; डीएम ने निरीक्षण में व्यवस्था सुधार ने के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बुधवार को जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया ने रजिस्ट्री कार्यालय स्थित नव-निर्मित पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पार्किंग व्यवस्था को एक सप्ताह के भीतर हर हाल में शुरू किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पार्किंग सुविधा के चालू होने से रजिस्ट्री कार्यालय के आसपास लगने वाले जाम की समस्या से आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने तय समयसीमा के अंदर सभी जरूरी तैयारियां पूरी करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को पार्किंग स्थल को व्यवस्थित, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर अवर निबंधक, आरा सदर, विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उपभोक्ता पैनिक ना हो : भोजपुर में है पर्याप्त गैस की उपलब्धता : जिला आपूर्ति पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में घरेलू सिलेंडर उपलब्ध हैं। बुधवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी विनय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में गैस आपूर्ति के लिए इंडेन, भारत गैस और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के कुल 30 वितरक कार्यरत हैं, जिनके पास हजारों की संख्या में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। वर्तमान में कुल 9390 एलपीजी सिलेंडर वितरण के लिए तैयार हैं ।जिला प्रशासन के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी के बाद अगली बुकिंग शहरी क्षेत्रों में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के बाद ही संभव होगी। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर मेसेंजर के माध्यम से ही गैस प्राप्त करें और अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं तथा पैनिक बुकिंग से बचें। किसी भी समस्या के समाधान के लिए उपभोक्ता गैस कंपनियों के टोल फ्री नंबर-1906, इंडियन ऑयल (IOCL) 1800-2333-555, बीपीसीएल 1800-22-4344 तथा एचपीसीएल 1800-2333-555 पर संपर्क कर सकते हैं। जिले में गैस वितरण से संबंधित शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। इसके साथ ही सभी अनुमंडलों में अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 7 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए 3 प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 35 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। बताया गया कि 15 अप्रैल को भी 3 गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया गया तथा 2 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कालाबाजारी या अनियमितता करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर जगदीशपुर में जश्न

जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री पूनम कुशवाहा ने बुधवार को बिहार में भाजपा नेता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने की खुशी में जगदीशपुर के पुरानी टोला स्थित अपने कार्यालय पर जश्न मनाया। इस अवसर पर उन्होंने सबसे पहले अपने कार्यालय परिसर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद नगर के महावीर मंदिर पहुंचकर भी भगवान के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच मिठाई बांटी तथा एक-दूसरे को तिलक लगाकर खुशी का इजहार किया। पूनम कुशवाहा ने कहा कि सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। उन्होंने विश्वास जताया कि अब बिहार में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और राज्य तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में सभी मिलकर काम करेंगे और नई सरकार बिहार के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर समाजसेवी धर्मेंद्र कुशवाहा, चंदन कुशवाहा अजीत कुमार विकास सिंह सहित कई कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मेला के माध्यम से लोगों को दी गयी रोगों से बचाव की जानकारी

आंगनवाड़ी केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित किया गया स्वास्थ्य मेला

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुर। बुधवार को जिला के आरा सदर प्रखंड स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, धमार एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर खजुरिया अंतर्गत भेड़िया आंगनवाड़ी केंद्र (केंद्र संख्या 74) में और बड़हरा प्रखंड के कर्जा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेला में सीएचओ-पीएसपी के सदस्यों के सहयोग से लोगों को बुलाया गया और गैर संचारी रोगों जैसे रक्तचाप, शुगर, कैंसर आदि रोगों की जांच की गयी और उपस्थित लोगों को दवा और जरुरी सलाह दी गयी. आयुष्मान आरोग्य मंदिर खजुरिया की सीएचओ कन्या गुर्जर ने उपस्थित लोगों को गैर संचारी रोगों से बचाव एवं लक्षणों की जानकारी दी गयी. आयुष्मान आरोग्य मंदिर, धमार की सीएचओ ममता कुमारी ने गैर संचारी रोगों के बारे में चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों को बताया कि डायबिटीज यानि शुगर की समस्या एक साइलेंट किलर है जो धीरे धीरे हमारे पूरे शरीर को नुकसान पहुंचाता है. उन्होंने बताया की इसी तरह उच्च रक्तचाप की समस्या भी घातक हो सकती है इसलिए लोगों को नियमित रूप से इन बिमारियों की जांच करानी चाहिए. उन्होंने गैर संचारी रोगों के लक्षणों से भी लोगों को अवगत कराया. बड़हरा प्रखंड के कर्जा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित स्वास्थ्य मेले में सीएचओ सुनीता सैनी ने लोगों को एचपीवी टीकाकरण और चमकी बुखार ने बारे में बताया. उन्होंने कहा कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव के लिए निशुल्क ग्राडासिल वैक्सीन लगायी जा रही है और सभी किशोरी 14 साल से अधिक और 15 साल से कम है, उन्हें यह टीका जरुर लगवाना चाहिए. उन्होंने उपस्थित लोगों को चमकी बुखार की जानकारी देते हुए बताया कि गर्मी के मौसम में चमकी का खतरा बढ़ जाता है इसलिए बच्चों को रात में खाली पेट नहीं सोने दें और उनके पोषण का ध्यान रखें. उन्होंने लोगों को चमकी बुखार के लक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नए मुख्यमंत्री से बिहार के वार्ड सदस्यों को स्वतंत्र फंड की उम्मीद : रितु

नए मुख्यमंत्री को दी बधाई, कहा- बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण के बाद पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इसी क्रम में वार्ड संघ के जिलाध्यक्ष (महिला सेल) सह कोईलवर प्रखंड के गोपालपुर पंचायत की वार्ड सदस्य रितु देवी ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दी हैं। रितु देवी ने अपने बयान में कहा कि हमसम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार निश्चित रूप से विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता को उनसे काफी उम्मीदें हैं और वे उन उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। रितु देवी ने आगे कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में वार्ड सदस्यों को नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बहुत उम्मीदें हैं। आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि वार्ड सदस्यों को नए मुख्यमंत्री उन्हें अपने वार्ड का विकास करने के लिए स्वतंत्र फंड देंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से काम होगा ,बिहार में पलायन रुकेगा और आम लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। रितु देवी ने मुख्यमंत्री के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा।

संत जीयर स्वामी जी महाराज का होगा आगमन, हर -हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा कौरा ग्रामीण क्षेत्र

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। प्रखंड के कौरा पंचायत स्थित मथुरापुर गांव में बुधवार को भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री शिव सपरिवार अचल प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ के पहले दिन आयोजित भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ ही छह दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का विधिवत शुभारंभ हो गया। बुधवार सुबह मथुरापुर मध्य विद्यालय स्थित शिव मंदिर परिसर से सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा माथे पर कलश लेकर यात्रा में शामिल हुए। गाजे-बाजे और जयघोष के बीच निकली इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र को शिवमयी बना दिया। विशेष बात यह रही कि चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी; बड़ी संख्या में श्रद्धालु नंगे पांव ही सर पर कलश लिए पदयात्रा करते नजर आए ।शोभा यात्रा मथुरापुर गांव से होते हुए असनी बनास नदी तट पर पहुंची। वहां विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा गया। इसके पश्चात श्रद्धालु पुनः यज्ञ स्थल पहुंचे, जहां कलश स्थापित कर यज्ञ की शुरूआत की गई। जीयर स्वामी जी का आगमन और प्रवचन आयोजन करता अधिवक्ता जयशंकर तिवारी ने बताया इस महायज्ञ का मुख्य आकर्षण पूज्य श्री लक्ष्मी लक्ष्मीप्रपंन्य जीयर स्वामी जी महाराज का आगमन है वे 18 अप्रैल से 20 अप्रैल तक यज्ञ स्तर पर उपस्थित रहेंगे इस दौरान प्रतिदिन शाम को उनके प्रवचन की अमृत वर्षा होगी जिसे सुनने के लिए दूर -दराज से भक्तों के जुटने की संभावना है. 16 और 17 अप्रैल से 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन आयोजित होगा। जिसमे 18 से 20 अप्रैल को प्रसिद्ध संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में भव्य प्रवचन कार्यक्रम होगा। साथ ही साथ 20 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा एवं विशाल भंडारा का आयोजन होगा. यज्ञ को लेकर शिव मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों और सुगंधित फूलों से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया है। आयोजन समिति ने बताया कि स्वामी जी के प्रवचन को सुनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है, जिसके लिए पंडाल और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गांव का माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया है और लोगों में इस महायज्ञ को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। वहां मौजूद लोगों में अधिवक्ता जयशंकर तिवारी डॉक्टर टीपी सिंह गिरजा शंकर तिवारी कन्हैया उपाध्याय मनु तिवारी वार्ड सदस्य सोनू तिवारी बिट्टू कुमार यादव डॉक्टर दुर्गेश तिवारी समस्त ग्रामीण जनता मौजूद रहे।

देवरियां में एफसीआई ने किसानों का गेहूं खरीद पर रोक, किसानों ने गोदाम में की तालाबंदी

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत भारतीय खाद्य निगम (FCI) द्वारा गेहूँ खरीद बंद किए जाने से कोईलवर प्रखंड के देवरिया गेहूँ क्रय केंद्र पर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। बुधवार को सैकड़ों किसानों ने केंद्र पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए तालाबंदी कर दी। सरकार द्वारा गेहूँ का समर्थन मूल्य (टरढ) 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किए जाने और 48 घंटे के भीतर भुगतान के दावे के बावजूद जमीनी हकीकत इससे उलट नजर आ रही है। खरीद प्रक्रिया ठप होने से किसान भारी परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि विभाग ने निर्धारित लक्ष्य पूरा होने का हवाला देकर अचानक खरीदारी बंद कर दी, जिससे बड़ी संख्या में किसानों का गेहूँ अब भी खेतों और क्रय केंद्र के बाहर खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। बदलते मौसम के बीच फसल खराब होने का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। देवरिया गांव के किसान रंजय कुमार ने बताया कि शुरूआत में केंद्र पर सीमित और चुनिंदा किसानों से ही मनमाने तरीके से गेहूँ खरीदा गया। अब जब अधिकांश किसानों की फसल तैयार हो चुकी है और करीब 2000 से 3000 क्विंटल गेहूँ स्टॉक में है, तो खरीद से साफ इनकार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अब अधिकारी रैयत और गैर-रैयत का हवाला देकर किसानों को टाल रहे हैं, जबकि पहले कई गैर-रैयत किसानों का पंजीकरण कर खरीद की जा चुकी है। साथ ही भुगतान को लेकर भी स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। वहीं, एफसीआई जिला प्रबंधक कुमार अभिषेक ने बताया कि बिहार में इस वर्ष 4500 टन गेहूँ खरीद का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध अब तक 5100 क्विंटल की खरीद हो चुकी है। इसके कारण विभाग के द्वारा ऊपर से ही गेहूं खरीद पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बढ़ाने के लिए विभाग को पत्र भेजा गया है और स्वीकृति मिलते ही पुनः खरीद शुरू कर दी जाएगी। भुगतान में देरी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सरकार का निर्देश 48 घंटे के भीतर भुगतान का है, जबकि कोईलवर में 24 घंटे के अंदर ही किसानों को भुगतान किया जा रहा है। किसानों के आरोप निराधार हैं। फिलहाल, खरीद बंद होने से नाराज किसान जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं। यदि स्थिति नहीं सुधरी, तो आंदोलन और तेज होने की चेतावनी भी दी गई है।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपाइयों ने बांटी मिठाइयां

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर,भोजपुर। बिहार में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनने की खुशी में जगदीशपुर नगर मंडल के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद, भाजपा नगर अध्यक्ष सुरेंद्र साह के नेतृत्व में सदर बाजार स्थित सर्व मनोकामना महावीर मंदिर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले भगवान महावीर को मिठाई का भोग लगाया और उनकी आरती की। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर ह्यजय श्री रामह्ल और ह्यहर-हर मोदीह्ल के नारों से गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद सैकड़ों लोगों के बीच प्रसाद स्वरूप मिठाइयां बांटकर उनका मुंह मीठा कराया गया। 75 वर्षों का इंतजार हुआ खत्म-शक्ति केंद्र प्रमुख सतीश कुमार गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 75 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद बिहार में भाजपा का अपना मुख्यमंत्री बना है। यह ऐतिहासिक पल है और यही कारण है कि कार्यकताओं में आज गजब का उत्साह और जोश देखने को मिल रहा है। ये रहे मौजूद इस हर्षोल्लास के मौके पर मुख्य रूप से अर्जुन प्रसाद (महामंत्री), गौतम कुमार सिन्हा, पूनम कुशवाहा, माधव केसरी, नागेंद्र केसरी, सतीश कुमार गुप्ता, राज कुमार पटवा, रंजन सिंह, दिलीप कुमार, आदित्य कुमार, विजय चौबे, कृपा शंकर पांडे, रजत सोनी, संजय पासवान, शिव जी साह सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

निरीक्षण : डीएम ने विवाह निबंधन में वृद्धि करने का दिया निर्देश

भूमि श्रेणी निर्धारण में सख्ती और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया ने बुधवार को जिला निबंधन कार्यालय, भोजपुर का निरीक्षण किया और कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला अवर निबंधक को चालू वित्तीय वर्ष में शत-प्रतिशत राजस्व प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसके लिए अभी से ही गहन प्रयास शुरू करने को कहा। उन्होंने स्थल निरीक्षण करने वाले कर्मियों को भूमि की श्रेणी का सख्ती से निर्धारण करने का निर्देश दिया। विवाह निबंधन एवं कोर्ट मैरिज की कम संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए डीएम ने प्रचार-प्रसार के माध्यम से इसमें वृद्धि करने का निर्देश दिया। साथ ही निलामवाद से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु जिला कल्याण पदाधिकारी-सह-प्रभारी पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। दस्तावेज नवीसों के बैठने के लिए चिन्हित स्थान पर चल रहे कार्य को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश भी दिया गया। इसके अतिरिक्त पीरो निबंधन कार्यालय में नए भवन निर्माण तथा निबंधनार्थियों के लिए प्रतीक्षालय, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु भूमि जल्द चिन्हित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला अवर निबंधक तारकेश्वर पाण्डेय, विशेष कार्य पदाधिकारी, संयुक्त अवर निबंधक, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के सहायक एवं कनीय अभियंता, जिला परिषद के अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी और संवेदक उपस्थित रहे।

यूजी सेमेस्टर-4 सीबीसीएस परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने यू.जी. सेमेस्टर-4 (सीबीसीएस) सत्र 2024-28 के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार अब छात्र-छात्राएं 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ 18 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। यह निर्णय उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है जो निर्धारित समय सीमा में किसी कारणवश आवेदन नहीं कर पाए थे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षार्थियों को आधिकारिक वेबसाइट ६६६.५‘२४.ल्ल पर जाकर स्टूडेंट पोर्टल लॉगिन के माध्यम से ही परीक्षा फॉर्म भरना होगा। ऑफलाइन आवेदन की कोई व्यवस्था नहीं है। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि तकनीकी समस्याओं से बचा जा सके ।इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किया है। परीक्षा फॉर्म जमा करते समय सभी छात्र-छात्राओं के लिए कक्षा में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यह प्रमाण-पत्र संबंधित कॉलेज के प्राचार्य द्वारा सत्यापित होना चाहिए। जिन विद्यार्थियों के फॉर्म कॉलेज द्वारा सत्यापित नहीं होंगे, उनके प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे ।यह निर्णय राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, पटना और छात्र-कल्याण कार्यालय के पूर्व निदेशों के आलोक में लिया गया है।

नगर निकाय योजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त, कार्यों में तेजी और गुणवत्ता पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बुधवार को जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायत अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सम्राट अशोक भवन, मोक्ष धाम, एमआरएफ (टफऋ) कम्पोस्ट पिट तथा वेंडिंग जोन निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उन्होंने नगर आयुक्त, भोजपुर को सार्वजनिक स्थलों पर अवैध पार्किंग के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में अपर समाहर्ता भोजपुर, नगर आयुक्त, प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी एवं सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे।

विनय पाठक ने बताया 'एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा' का अनुभव

मनोरंजन की दुनिया में कई बार ऐसी फिल्में आती हैं, जो कलाकारों के बीच की असली दोस्ती और तालमेल की वजह से खास बन जाती हैं। ऐसी ही एक फिल्म इन दिनों चर्चा में है, जिसका नाम है 'एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा'। इस फिल्म को दर्शको की ओर से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान अभिनेता विनय पाठक ने अपने अनुभव साझा किए। विनय पाठक ने कहा, ''मेरे और मेरे करीबी दोस्तों रणवीर शौरी और रजत कपूर के बीच एक खास चीज है, जो हमें हमेशा जोड़कर रखती है, और वह है खाने को लेकर प्यार। जब हम तीनों साथ बैठते हैं, तो हमारे लिए खाना ही सबसे बड़ा 'सिनेमा' बन जाता है। हम कैमरे या शूटिंग की चिंता नहीं करते, बल्कि खाने और बातचीत का पूरा आनंद लेते हैं। मैं शाकाहारी हूं, जबकि मेरे दोस्त नॉन-वेजिटेरियन हैं। इसके बावजूद, खाने के प्रति हमारा जुनून एक समान है। चाहे कहीं भी जाएं या किसी भी स्थिति में हों, खाने के लिए उनका प्यार कभी कम नहीं हुआ। यही छोटी-छोटी चीजें हमारी दोस्ती को मजबूत बनाती हैं, हमें एक-दूसरे के करीब लाती हैं।'' जब विनय पाठक से उनकी फिल्म में निभाए गए किरदार के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, ''यह कहना सही नहीं होगा कि फिल्म पूरी तरह मेरे किरदार पर टिकी है। कोई भी अच्छी फिल्म सिर्फ एक कलाकार के दम पर नहीं चलती, बल्कि यह सभी के मिलकर किए गए काम का नतीजा होती है।'' उन्होंने फिल्म की असली ताकत के बारे में बात करते हुए कहा, ''इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी शानदार कहानी और बेहतरीन डायलॉग्स हैं। निर्देशक रजत कपूर ने फिल्म के हर पहलू को बहुत संतुलित तरीके से संभाला है। वह सुनिश्चित करते हैं कि हर कलाकार को अपनी जगह मिले और सभी मिलकर एक मजबूत कहानी पेश करें। विनय पाठक ने कहा, ''इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत यही है कि इसमें सभी कलाकार मिलकर काम कर रहे हैं। जब सभी किरदार एक साथ आते हैं, तो वे एक मजबूत यूनिट बन जाते हैं, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखती है।''

आत्मविश्वास से बड़ा कोई स्टाइल नहीं: अनुपम खेर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक प्रेरणादायक पोस्ट किया। इस पोस्ट पर उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में कम बालों की वजह से वे काफी शर्माते थे और टोपी पहनकर खुद को छुपाते थे। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर पुरानी और कुछ नई तस्वीरें पोस्ट कीं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आत्मविश्वास ही सबसे अच्छा हेयरस्टाइल है। अनुपम ने लिखा, 'गंजापन हमेशा खूबसूरत होता है। अभिनेता ने पुराने दिनों को याद करते हुए लिखा, 'एक समय था, जब मैं मुंबई आया था। आंखों में बड़े सपने थे, लेकिन सिर पर बाल बहुत कम थे। उस वक्त गंजा होना और एक्टर बनने का सपना देखना कोई फैशन नहीं माना जाता था। इसलिए मैं अक्सर टोपी पहनकर खुद को छुपाता था। यह स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि अपनी झिझक की वजह से करता था। अभिनेता ने बताया कि कुछ साल बाद उन्हें एक अहम बात समझ में आई। उन्होंने लिखा, 'मुझे एहसास हुआ कि आत्मविश्वास ही सबसे बड़ी पुंजी है। इसलिए मैंने वो टोपी सिर्फ सिर से नहीं, बल्कि अपने मन से भी उतार दी। अभिनेता ने गर्व करते हुए लिखा, 'अब गंजापन बोल्ड, खूबसूरत और फैशन बन गया है। लोग वही लुक अपनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे मैं पहले छुपाता था। जिंदगी का अपना ही मजेदार अंदाज होता है। जय हो। अनुपम खेर ने अपने करियर में हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं से सबको प्रभावित किया है। उन्होंने शुरुआती संघर्ष के बावजूद उन्होंने कभी अपना लुक बदलने की कोशिश नहीं की। अभिनेता इन दिनों 2006 की फिल्म 'खोसला का घोसला' के दूसरे भाग में अपने प्यारे किरदार कमल किशोर खोसला की भूमिका निभाते नजर आएंगे। दिबाकर बनर्जी द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में बोमन ईरानी, ??परवीन डबास, रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और तारा शर्मा के साथ-साथ रवि किशन जैसे कुछ नए चेहरे भी नजर आएंगे। इसके अलावा, खेर ने एक और रोमांचक प्रोजेक्ट के लिए मशहूर निर्देशक सूरज बड़जात्या के साथ भी हाथ मिलाया है।

'चिरैया' की सफलता से गदगद हुई दिव्या दत्ता, सोशल मीडिया पर फैंस का जताया आभार

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपने शानदार अभिनय से दर्शकों में खास पहचान रखती हैं। वे ज्यादातर ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा होती हैं, जो समाज की कुरीतियों और गंभीर मुद्दों पर रोशनी डालती है। इसी कड़ी में वह हाल ही में वेब सीरीज 'चिरैया' में नजर आई थीं। ओटीटी पर स्ट्रीम होने के बाद सीरीज को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, जिसे देखते हुए अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा, 'हमारे दर्शकों का इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन लोगों को यह सीरीज पसंद आई और जिनसे यह जुड़ गई और जिन्होंने इसे अपना प्यार दिया। उन सभी को तहे दिल से शुक्रिया। 'छह एपिसोड वाली हिंदी ड्रामा वेब सीरीज वैवाहिक दुष्कर्म और पितृसत्तात्मक दबाव के गंभीर विषय पर आधारित है। सीरीज के जरिए निर्देशक शशांत शाह ने उन कुरीतियों पर सोचने पर मजबूर किया है, जो सालों से प्रथा के तौर पर समाज में चली आ रही हैं, जिन पर आजतक किसी ने सवाल नहीं किया।

'चिरैया' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी के बाद भी अपने अधिकारों और सहमति के मुद्दे पर आवाज उठाती है। यह सीरीज सीधे-सीधे पूछती है, क्या शादी करने भर से जीवन भर की सहमति मिल जाती है? क्या पति को जबरदस्ती करने का हक है?

शशांत शाह द्वारा निर्देशित सीरीज में दिव्या दत्ता मुख्य भूमिका में हैं, जो कुरीति पर सवाल उठाने के साथ-साथ अपनों से ही लड़ती दिख रही हैं। वहीं, इसमें संजय मिश्रा भी अहम किरदार में हैं। इसके अलावा सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टिन्नू आनंद और सरिता जोशी जैसे कलाकार भी खास भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज एसवीएफ एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई गई है और जियो हॉटस्टार पर एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम हो रही है।

है जवानी तो इश्क होना है: गिफ्ट पुराना लेकिन पैकेजिंग नई, क्या गोविंदा को बीट कर पाएंगे वरुण धवन

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का पहला लुक रिलीज हो गया है। पहले लुक से फिल्म की कहानी साफ है कि पुराने गिफ्ट को नई पैकिंग के साथ सिनेमाघरों में उतारा जा रहा है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े तीनों के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री दिखाई गई है लेकिन फिल्म को लेकर सारा सस्पेंस पहले लुक में खुलकर सामने आ चुका है। 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन एक साथ दो-दो पत्नियों के साथ दोहरी जिंदगी जीने वाले हैं। पहली पत्नी है मृणाल ठाकुर और दूसरी हैं पूजा हेगड़े। पहले लुक को देखकर आपको गोविंदा की फिल्म 'सैंडविच' और 'साजन चले ससुराल' की याद आ जाएगी। कुल मिलाकर सलमान खान के गाने के टाइटल और गोविंदा की फिल्म की स्क्रिप्ट का मिक्स कॉकटेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। गोंविदा की फिल्म सैंडविच सभी को याद होगी, जिसमें महिमा चौधरी और रवीना टंडन दो बच्चों को जन्म देती है, जिनका नाम टोनी और टुकटुक होता है। दोनों की शक्ल एक जैसी होती है क्योंकि दोनों के पिता गोविंदा ही हैं।

प्रेरणा की तलाश में

नॉवेल, म्यूजिक व पॉडकास्ट से मिला सुकून

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर सितारे अलग-अलग चीजों से प्रेरणा लेते हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने साझा किया। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को बताया कि उन्हें पिछ्ले कुछ महीनों में किन-किन चीजों से प्रेरणा मिली है। रसिका दुग्गल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने बालों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक लंबा कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी इंस्पिरेशन सोर्स के बारे में खुलकर बात की। उनकी उपलब्धियां काफी शानदार रही हैं, जिसमें ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े मंचों पर उनकी जीत शामिल है।' रसिका को साहित्य से भी गहरी प्रेरणा मिली। उन्होंने मशहूर लेखिका किरण देसाई के नॉवेल का जिक्र करते हुए कहा, ''उसमें दिखाए गए किरदार सोनिया और सनी की अकेलेपन भरी कहानी ने मेरे दिल को छू लिया। 90 के दशक में भारत में बड़े हुए लोगों के लिए यह कहानी बेहद करीब महसूस होती है। मैं इस किताब में इतनी खो गई कि आज भी इसके बारे में सोचती रहती हूं और कभी-कभी सपनों में भी इसकी झलक देखती हूं। पोस्ट के कैप्शन में रसिका ने आगे लिखा, ''संगीत की बात करें तो मैंने एलिसा लियू की परफॉर्मेंस को बार-बार देखा है, जिसके बाद मेरा झुकाव डिस्को म्यूजिक की ओर भी बढ़ गया। 'मैकआर्थर पार्क सुइट' अब मेरे पसंदीदा गानों में शामिल हो गया है और मैं इसे बार-बार सुनती हैं। इससे पहले मैं 'छा रही काली घटना' जैसे गाने ज्यादा सुनती थीं, लेकिन अब मेरी पसंद में बदलाव आया है और मैं अपनी मॉर्निंग वॉक के दौरान डिस्को गानों का भी आनंद लेती हैं।''

हमेशा ऐसी चीजें ढूंढती रहती हैं

उन्होंने बताया कि वह हमेशा ऐसी चीजें ढूंढती रहती हैं, जो उनके मन के इमोशन्स को बदल सकें और उन्हें अंदर से मजबूत बना सकें। रसिका ने कैप्शन में लिखा, ''इंस्पिरेशन की तलाश में... हमेशा कुछ ऐसा ढूंढती रहती हूं जो मेरे एहसासों को थोड़ा बदल दे, मेरे मन की बात कह दें... पिछ्ले कुछ महीनों में कुछ चीजें मेरे लिए खास प्रेरणा का स्रोत रही है। इस दौरान रसिका ने खासतौर पर फिगर स्केटर एलिसा लियू का जिक्र किया और लिखा, ''उनकी शानदार वापसी ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। एलिसा की वापसी प्रेरणादायक रही। यह एक ऐसी कमबैक कहानी है, जिसमें मेहनत, आत्मविश्वास और अपने तरीके से आगे बढ़ने की ताकत साफ दिखाई देती है।

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने गुपचुप करली शादी? वायरल खबरों पर अब खुद तेजा ने दी प्रतिक्रिया

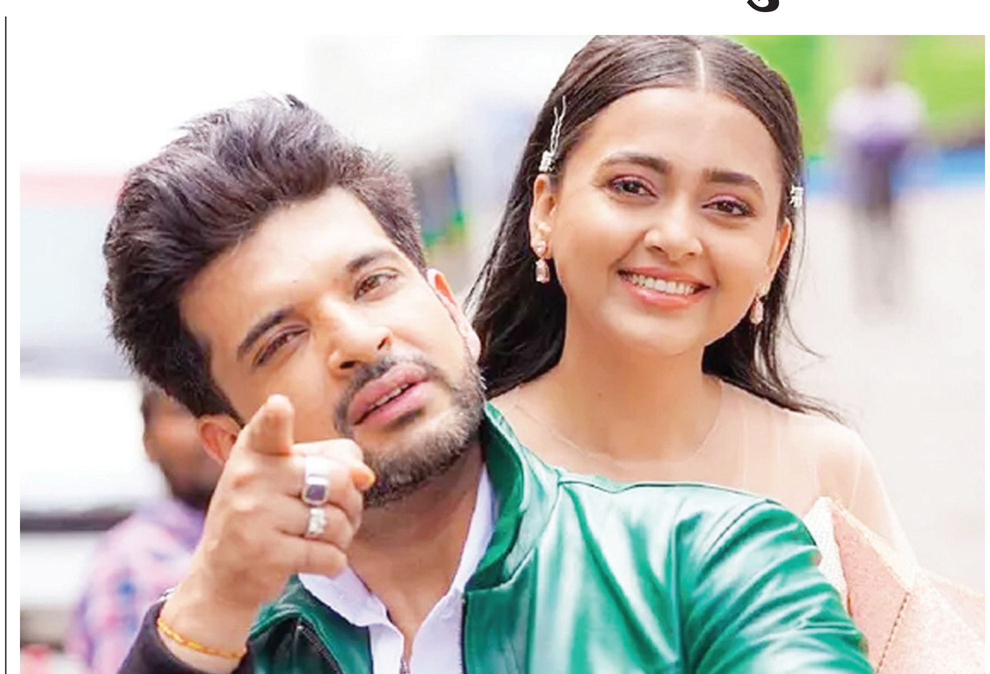

टीवी की दुनिया के पसंदीदा कपल तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की शादी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फैंस को इंतजार है कि दोनों इस साल शादी के बंधन में बंध जाएंगे। इस बीच हाल ही में ऐसी अफवाहें भी उड़ी थीं कि इस जोड़े ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। अब तेजस्वी प्रकाश ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूरी सच्चाई से

करण कुंद्रा से काफी कुछ सीखने को मिलता है

हालिया बातचीत में तेजस्वी प्रकाश ने करण कुंद्रा के साथ अपनी शादी की योजनाओं के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने शादी को लेकर स्पष्ट तौर पर कहा कि ऐसा अभी जल्द ही होने वाला नहीं है। यह कपल 'लाफ्टर शेफ' सीजन 3 में साथ काम कर रहा है। एक-दूसरे के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि पेशेवर तौर पर एक-दूसरे के साथ काम करते हुए आप कई नई चीजें सीखते हैं। आप एक-दूसरे के काम करने के तरीके को समझने लगते हैं। खासकर मेरे मामले में करण से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलता है, क्योंकि वह मेरे सीनियर हैं। मेरे लिए यह एक सीखने का अनुभव रहा है।

करण ने शादी पर किया था ये रिएक्ट

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की शादी को लेकर फैंस लंबे वक्त से कयास लगा रहे हैं। इससे पहले जब तेजस्वी के साथ उनकी गुपचुप शादी की अफवाहें ऑनलाइन फैलीं, तो करण कुंद्रा ने भी इस पर रिएक्ट किया था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में एक्स पर लिखा था, 'शादी की तो चलो हर दो चार साल बाद करवा ही देते हैं।'

'गिन्नी वेड्स सनी 2' का 'तुमपे ही प्यार आ गया' गाना रिलीज

अविनाश तिवारी ने बताया, 'धीरे-धीरे दिल में उतरने वाला इश्क'

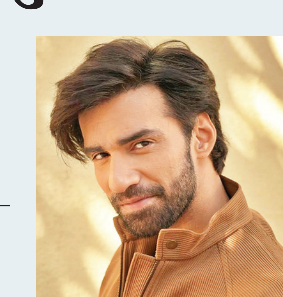

बॉलीवुड में रोमांटिक गानों का अपना एक अलग ही जादू होता है। कुछ गाने ऐसे होते हैं, जो पहली बार में ही दिल को छू लेते हैं। इसी तरह का एक नया रोमांटिक गाना इन दिनों काफी चर्चा में है, जो आने वाली फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का हिस्सा है। इस गाने का नाम 'तुमपे ही प्यार आ गया' है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे अभिनेता अविनाश तिवारी ने गाने को 'धीरे-धीरे बढ़ने वाला इश्क' करार दिया। उन्होंने कहा, ''यह गाना ऐसा है, जो धीरे-धीरे लोगों को पसंद आएगा। यह कोई तुरंत असर करने वाला गाना नहीं है, बल्कि इसे महसूस करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन एक बार जब यह गाना दिल में बस जाता है, तो फिर इसे भूलना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'गाने की खासियत इसके भाव और कहानी में छिपी है। 'तुमपे ही प्यार आ गया' एक सॉफ्ट और रोमांटिक गाना है, जो दोस्ती से प्यार बनने के सफर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026

शेयर बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेक्स 78000 के पार पहुंचा

निवेशकों को 9 लाख करोड़ रुपये का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार आज बुधवार को तूफानी तेजी के साथ खुला है। सेंसेक्स और निफ्टी में 1-1 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। निफ्टी आज 24163.80 अंक पर खुला है। वहीं, सेंसेक्स 77,981.10 अंक पर ओपन हुआ है। बता दें, ओपनिंग के बाद सेंसेक्स 1.72 अंक या फिर 1318.93 की तेजी के साथ 78,166.50 अंक पर ट्रेड कर रहा है। निफ्टी 1.62 प्रतिशत या फिर 387.15 अंक की तेजी के साथ 24229.80 अंक पर ट्रेड कर रहा है। बता दें, शुरुआती कारोबार में निफ्टी में 50 में से 48 कंपनियों के शेयरों में तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। बीएसई की लिस्टेड कंपनी के

मार्केट कैप में आज 9 लाख करोड़ रुपये का इजाफा सुबह में देखने को मिला है। सेंसेक्स की सभी 30 में से 30 कंपनियों के शेयर आज सुबह बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। इंडिगो के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एचसीएल, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस के शेयर प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

सोमवार को शेयर बाजारों में दिखी थी गिरावट- सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 703 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 208 अंक के नुकसान में रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के लिए बातचीत विफल होने के साथ संघर्ष लंबे समय तक जारी रहने की चिंता में कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली थी।। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 76,847.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,681.93 अंक लुढ़क कर 75,868.32 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी भी 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,842.65 अंक पर बंद हुआ।

तांबे में जोरदार उछाल! 6 हफ्ते के हाई पर कॉपर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच एक दिलचस्प मोड़ देखने को मिला है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों ने मेटल मार्केट में नई जान डाल दी है। इसी सकारात्मक संकेत का असर तांबे की कीमतों पर साफ दिखा, जिससे कीमतें 6 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में की कीमत 13,200 डॉलर प्रति टन के करीब पहुंच गई, जो पिछले एक महीने का उच्चतम स्तर है। यह तेजी ऐसे

समय आई है, जब निवेशक इस उम्मीद में हैं कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर से शुरू होती है, तो वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव कम हो सकता है और ऊर्जा कीमतों में भी स्थिरता आ सकती है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। दरअसल, जब फरवरी 2026 के अंत में युद्ध जैसे हालात बने थे, तब औद्योगिक धातुओं पर काफी दबाव पड़ा था। बढ़ती तेल कीमतों और आर्थिक मंदी की आशंका ने निवेशकों को सतर्क कर दिया था, जिससे तांबा और अन्य मेटल्स की कीमतों में गिरावट आई थी। लेकिन, अब जैसे-जैसे शांति की उम्मीद बढ़ रही है, बाजार में भरोसा लौटता दिख रहा है। यही वजह है कि तांबा ही नहीं, बल्कि अन्य मेटल्स में भी तेजी देखने को मिली है।

मार्च 2022 से गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में 3.8 गुना वृद्धि

यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा रिटेल क्रेडिट उत्पाद बना

मुंबई, एजेंसी। गोल्ड लोन (सोने पर ऋण) तेजी से बढ़कर बैलेंस शेयर के मामले में भारत का दूसरा सबसे बड़ा रिटेल क्रेडिट उत्पाद बन गया है। ट्रांसयूनियन सिबिल की गोल्ड लोन लैंडस्केप रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2022 से गोल्ड लोन बैलेंस में 3.8 गुना की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर 2025 तक भारत के कुल रिटेल क्रेडिट पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी 5.9 प्रतिशत से बढ़कर 11.1 प्रतिशत हो गई।

यह वृद्धि उधारकर्ताओं द्वारा इसे अधिक अपनाए जाने, लोन की बड़ी राशि, ऋणदाताओं की बढ़ती भागीदारी और बेहतर क्रेडिट हिस्ट्री वाले उपभोक्ताओं तथा महिला उधारकर्ताओं की बढ़ती संख्या को दर्शाती है। रिपोर्ट के अनुसार, एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) में इस क्षेत्र की वृद्धि विशेष रूप से मजबूत रही है, जिन्होंने गोल्ड लोन बैलेंस में अपनी हिस्सेदारी मार्च 2022 के 7 प्रतिशत से बढ़ाकर दिसंबर 2025 में 11 प्रतिशत कर ली है। इसी अवधि में सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी 57 प्रतिशत से बढ़कर 62 प्रतिशत हो गई। प्रति खाता औसत गोल्ड लोन बैलेंस मार्च 2022 के 1.1 लाख से बढ़कर दिसंबर 2025 में 1.9 लाख हो गया है, जो इस क्षेत्र में बढ़ते कर्ज के पैमाने को रेखांकित करता है। सप्लाई से संबन्धित रुझान बाज़ार की गतिविधियों में तेज़ी से विस्तार की ओर इशारा करते हैं। 2022 की पहली तिमाही (क्यू1) के बाद से गोल्ड लोन वितरण की संख्या में 2.3 गुना की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि के दौरान लोन की कुल वैल्यू 5.1 गुना बढ़ गई है। औसत लोन राशि 2022 की पहली तिमाही के 90,000 से बढ़कर 2025 की चौथी तिमाही में 1.96 लाख हो गई है। यह दर्शाता है कि बाज़ार न केवल अपनी पहुँच बढ़ा रहा है, बल्कि अब इसमें बड़े लोन लेने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है।

उधारकर्ताओं की बदलती प्रोफ़ाइल- उधारकर्ताओं की प्रोफ़ाइल में भी बदलाव आ रहा है। गोल्ड लोन लेने वाले प्राइम और उससे ऊपर के क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों की हिस्सेदारी 2022 के 43 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में लगभग 52 प्रतिशत हो गई है। वहीं, पहली बार लोन लेने वालों की भागीदारी 12 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत रह गई है। इससे पता चलता है कि गोल्ड लोन अब अधिक व्यापक हो रहा है और इसमें विविध प्रोफ़ाइल वाले लोग शामिल हो रहे हैं। ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ, श्री भावेश जैन ने कहा- भारत में सोने का हमेशा से गहरा वित्तीय और सांस्कृतिक महत्व रहा है, लेकिन अब हम सोने के बदले लिए जाने वाले कर्ज के इस्तेमाल में एक बड़ा बदलाव देख रहे हैं। गोल्ड लोन तेजी से सुरक्षित क्रेडिट के एक मुख्यधारा, संगठित और सुलभ माध्यम के रूप में उभर रहे हैं। इनकी तेज़ वृद्धि कर्जदाताओं के भरोसे और उपभोक्ताओं की बढ़ती स्वीकृति, दोनों को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा, विशेष रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि यह क्षेत्र अब मजबूत क्रेडिट प्रोफाइल वाले उधारकर्ताओं, बड़ी लोन राशि और बार-बार लोन लेने वाले ग्राहकों को आकर्षित कर रहा है।

यह इस बात का संकेत है कि गोल्ड लोन का इस्तेमाल अब केवल अल्पकालिक नकदी की जरूरतों के लिए नहीं किया जा रहा, बल्कि यह घरेलू उधारी व्यवहार का एक बड़ा हिस्सा बनता जा रहा है।

कोलैटरल (गिरवी रखा सोना) की मजबूती महत्वपूर्ण है, लेकिन उधारकर्ताओं के मूल्यांकन के लिए यह एकमात्र पैमाना नहीं हो सकता। ऋणदाताओं को उधारकर्ता के कुल कर्ज, चुकाने की क्षमता, हालिया क्रेडिट व्यवहार और अन्य संस्थाओं से लिए गए लोन का समग्र रूप से मूल्यांकन करना होगा।

मजबूत जोखिम अनुशासन के साथ विकास का संतुलन जरूरी

रिपोर्ट इस बात पर भी जोर देती है कि जैसे-जैसे यह क्षेत्र बढ़ रहा है, उधारकर्ता के स्तर पर जोखिम का बारीकी से मूल्यांकन करना आवश्यक है। अध्ययन के अनुसार, जून 2025 को समाप्त होने वाले छह महीनों में जारी किए गए गोल्ड लोन के लिए भुगतान में चूक की कुल दर (डेलिनक्वेंसी) 1.1 प्रतिशत रही (यहाँ चूक का मतलब लोन लेने के छह महीने के भीतर 60 दिनों तक भुगतान न करना है)। जिन उधारकर्ताओं का गोल्ड लोन बकाया 2.5 लाख से अधिक था, उनमें चूक की दर 1.5 प्रतिशत देखी गई, जो कम बकाया वाले उधारकर्ताओं (0.7 प्रतिशत) की तुलना में लगभग 2.2 गुना अधिक थी। इसके अतिरिक्त, कुल कर्ज में गोल्ड लोन की अधिक निर्भरता और हालिया चूक, भविष्य के जोखिमों के महत्वपूर्ण संकेतक हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि जिन उधारकर्ताओं का पिछला रिकॉर्ड खराब रहा है और वे बाद में गोल्ड लोन पर निर्भर होते हैं, उनके औपचारिक ऋण प्रणाली से बाहर होने का जोखिम काफी अधिक होता है। उनके क्रेडिट एक्सेस बंद होने की दर सामान्य उधारकर्ताओं की तुलना में 1.6 गुना अधिक थी। यह बताता है कि संकटग्रस्त उधारकर्ताओं के एक वर्ग के लिए, गोल्ड लोन तेजी से अंतिम विकल्प के रूप में काम कर रहा है। श्री जैन ने आगे कहा- जैसे-जैसे गोल्ड लोन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, ऋणदाताओं की प्राथमिकता विकास और सावधानी के बीच संतुलन बनाने की होनी चाहिए।

विस्तृत उधारकर्ता आधार से मिल रहा है विस्तार को बल

महिला उधारकर्ता गोल्ड लोन के विस्तार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। 2025 में कुल गोल्ड लोन की शुरुआत में महिलाओं की हिस्सेदारी 39 प्रतिशत रही, जो 2022 में 36 प्रतिशत थी। यह वृद्धि सिर्फ दक्षिण भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में भी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में महिला उधारकर्ताओं की भागीदारी में खास बढ़त देखी गई है, जो मांग के बढ़ते भौगोलिक विस्तार को दर्शाता है। रिपोर्ट में उधारकर्ताओं के कर्ज लेने के पैटर्न में बदलाव की भी ओर इशारा किया गया है। प्रति उधारकर्ता औसत बकाया राशि दिसंबर 2022 में 1.9 लाख से बढ़कर दिसंबर 2025 में 3.1 लाख हो गई है। वहीं, 2.5 लाख से अधिक के गोल्ड लोन वाले उधारकर्ताओं का हिस्सा 2022 में 10 प्रतिशत से बढ़कर 2025 के अंत तक 14 प्रतिशत हो गया है। इसके अलावा, ऐसे उधारकर्ता जिनके पास पहले से अधिक बकाया लोन है और बिना गारंटी वाले (अनसिक्योर्ड) लोन भी अधिक हैं, उनकी हिस्सेदारी भी बढ़ी है। यह संकेत देता है कि गोल्ड लोन अब उधारकर्ताओं के कुल कर्ज पोर्टफोलियो का एक अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं और अन्य प्रकार के लोन के साथ-साथ उपयोग किए जा रहे हैं।

फिर हो गया उलटफेर, रूसी तेल की बंपर खरीद

भारत उछलकर दूसरे नंबर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मार्च 2026 में रूसी कच्चे तेल की बंपर खरीद की है। इस खरीद में तीन गुना से अधिक का उछाल आया है। यह बढ़कर 5.3 अरब यूरो (लगभग 58,229 करोड़ रुपये) रही है। इस बढ़ोतरी के पीछे इंपोर्ट वॉल्यूम यानी आयात मात्रा का दोगुना होना और ग्लोबल तेल कीमतों में उछाल है। इसने भारत के ऊर्जा आयात के समीकरण दोबारा बदल दिए हैं।

यूरोपीय शोध संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में खरीद में गिरावट के बाद मार्च में भारत ने रूस से तेल की खरीद फिर तेज कर दी। फरवरी में भारत रूस से ऊर्जा आयात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश था। कुल आयात 1.8 अरब यूरो रहा था। उस समय कच्चे तेल की हिस्सेदारी 81 फीसदी (1.4 अरब यूरो) थी। कोयले की हिस्सेदारी 22.3 करोड़ यूरो और पेट्रोलियम उत्पादों की 12.1 करोड़ यूरो थी।

रूसी तेल आयात बढ़ने के पीछे फैक्टर

अमेरिका की ओर से रूसी तेल पर एक महीने की प्रतिबंध छूट दिए जाने के बाद यह बढ़ोतरी हुई। यह छूट पहले से समुद्र में मौजूद खेपों और पहले प्रतिबंधित जहाजों से हो रही सप्लाई पर लागू थी। इसका मकसद ईरान के साथ तनाव के बाद बढ़ी कीमतों को कंट्रोल करना था। इस छूट के बाद सरकारी रिफाइनरियों ने फिर से आयात शुरू कर दिया। उन्होंने पहले रूस से तेल खरीद रोक दी थी।

सबसे बड़ा बदलाव क्या हुआ

रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च में सबसे बड़ा बदलाव सरकारी रिफाइनरियों के आयात में देखा गया। इसमें मासिक आधार पर 148 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह आयात मार्च, 2025 की तुलना में 72 फीसदी अधिक रहा। इसका कारण वायदा बाजार में रूसी तेल की अधिक उपलब्धता बताया गया है। मैंगलुरु और विशाखापत्तनम स्थित सरकारी रिफाइनरियों ने नवंबर, 2025 के अंत में रूस से आयात रोक दिया था। लेकिन, मार्च, 2026 में फिर से खरीद शुरू कर दी। फरवरी में भारत चीन और तुर्किये के बाद तीसरा सबसे बड़ा आयातक था। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में रूस से भारत के कच्चे तेल आयात में 19 फीसदी की कमी आई थी। जबकि कुल आयात में नौ फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। इसके बावजूद रूस फरवरी में भी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बना रहा।

यूरोप भी गए रूसी क्रूड से बने प्रोडक्ट

यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से 21 जनवरी, 2026 से रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के बावजूद मार्च में ऐसे 14 जहाजों ने यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे, जो रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल करने वाली रिफाइनरियों से जुड़े थे। इनमें से नौ खेप तुर्किये की रिफाइनरियों से, चार भारत से और एक जॉर्जिया से भेजी गई थीं। कुछ जहाजों ने कई यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे। फ्रांस मार्च में इन खेप का सबसे बड़ा रिसीवर रहा, जहां चार खेप उतारी गईं। इसके बाद साइप्रस (तीन खेप) का स्थान रहा।

सोने का रेट बढ़ा, चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत की संभावनाओं की वजह से आज इंटरनेशनल मार्केट गोल्ड और सिल्वर का रेट फिर से बढ़ा हुआ है।

मौजूदा परिस्थितियों की वजह से दुनिया भर में एनर्जी संकट गहरा गया है। बता दें, पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच एक दौर की बातचीत हो गई है। लेकिन यह पूरी वार्ता विफल रही थी। दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता तब नहीं हो पाया था। कीमतों में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली। जिसके बाद यह 4855 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले के सत्र में सोने का भाव 2 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था। रेट भी आज बुधवार को बढ़ोतरी देखने को मिली है। चांदी की कीमतों में उछाल के बाद यह 79 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर पहुंच गई थी।

क्यों बढ़ रहा सोने और चांदी का रेट

ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत आने वाले दिनों में हो सकती है। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले दो दिनों में बातचीत शुरू होने के संकेत दिए हैं। इन खबरों की वजह से मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। वहीं, डॉलर इंडेक्स 0.3 प्रतिशत लुढ़क चुका है। बता दें, जब से युद्ध शुरू हुआ है तब से मेटल की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने

कहां तक जाएगा सोने और चांदी का रेट

रेनिशा कहती हैं कि सोने और चांदी इस समय भी बुल रन पर सवार हैं। हालांकि, आगे का रास्ता काफी अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। रेनिशा का कहना है टेक्निकल स्तर पर, 'गोल्ड 4800 से 4850 डॉलर (154000 रुपये से 155000 रुपये तक) के आस-पास रेसिस्टेंस दिखा रहा है।

गोदरेज ने 'गोदरेज प्रॉमिस' के साथ गुणवत्ता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को किया और मजबूत

अब उपकरणों पर 5 साल की व्यापक वारंटी और कोई छिपा हुआ खर्च नहीं

मुंबई, एजेंसी। उपभोक्ताओं के बीच भरोसा और निष्ठा को मजबूत करने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एप्लायंसेज बिजनेस ने 'गोदरेज प्रॉमिस' की घोषणा की है। इस पहल के तहत कंपनी अपने उपकरणों के पूरे पोर्टफोलियो पर 5 साल की व्यापक वारंटी प्रदान करेगी, जिसमें कोई भी छिपा हुआ खर्च नहीं होगा। इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके उपकरण खरीद निर्णयों में अधिक भरोसा और आश्वस्तता प्रदान करना है। आज के समय में जब खरीद से जुड़े फैसले विश्वसनीयता और बेहतर आफ्टर-सेल्स सर्विस पर अधिक

निर्भर हो रहे हैं, यह पहल उपभोक्ताओं को स्वामित्व के अनुभव में अधिक स्पष्टता और भरोसा देती है। पिछले वर्ष स्प्लिट एसी और इन्वर्टर विंडो एसी पर विस्तारित वारंटी को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद कंपनी ने अब 'गोदरेज प्रॉमिस' को अपने कई उत्पादों पर लागू कर दिया है। इनमें रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कूलर, माइक्रोवेव ओवन और डीप फ्रीजर शामिल हैं, साथ ही यह सुविधा पहले से मौजूद स्प्लिट और इन्वर्टर विंडो एसी पर भी लागू रहेगी। यह ऑफर 1 अप्रैल 2026 के बाद खरीदे गए उत्पादों पर लागू होगा। इस पहल को एक नए इंटीग्रेटेड कैंपेन का भी समर्थन मिला है, जो एक सरल लेकिन प्रभावशाली उपभोक्ता समझ पर आधारित है–कि रोजमर्रा की जिंदगी में वादे तो आसानी से किए जाते हैं, लेकिन अक्सर उनके साथ वास्तविक जिम्मेदारी नहीं होती। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एप्लायंसेज बिजनेस के बिजनेस हेड कमल नंदी ने कहा, उपभोक्ताओं के बीच भरोसा और निष्ठा बढ़ाने के अपने दर्शन के अनुरूप 'गोदरेज प्रॉमिस' एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत के पहले फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के लिए जरूरी कंपोनेंट बनाकर गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने भारत की सिविल न्यूक्लियर यात्रा में दिया योगदान

मुंबई, एजेंसी। भारत ने अपने सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने क्रिटिकलिटी हासिल कर ली है, जिसका मतलब है कि यह अब सफलतापूर्वक काम करने के अगले चरण में पहुंच गया है। यह उपलब्धि भारत की तीन-चरण वाली परमाणु ऊर्जा योजना में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य लंबे समय तक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और ईंधन का बेहतर उपयोग करना है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रिसिजन इंजीनियरिंग व्यवसाय ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में योगदान देते हुए लार्ज रोटेटिंग प्लग, स्मॉल रोटेटिंग प्लग और सोडियम पंप शाफ्ट का निर्माण और आपूर्ति की है। ये घटक भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) को प्रदान किए गए हैं, जो भारत सरकार का पूर्ण स्वामित्व वाला उपक्रम है। इस उपलब्धि के साथ भारत दुनिया का केवल दूसरा देश बन गया है जिसने इस प्रकार की वाणिज्यिक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर क्षमता स्थापित की है, जो जितना ईंधन उपयोग करता है उससे अधिक ईंधन उत्पन्न करने में सक्षम है।ये घटक बड़े पैमाने के निर्माण और उच्च-स्तरीय प्रिसिजन इंजीनियरिंग का अनूठा संयोजन हैं। लगभग 8 मीटर व्यास और करीब 120 टन संयुक्त वजन वाले रोटेटिंग प्लग 360 डिग्री तक घूमने के लिए डिजाइन किए गए हैं, ताकि वे रिएक्टर कोर में ईंधन डालने की प्रक्रिया के लिए बिल्कुल सटीक स्थिति में आ सकें।

पंजाब किंग्स के शानदार प्रदर्शन की सलमान ने की तारीफ

प्रीति जिंटा को बधाई देते हुए कहा- टीम बहुत अच्छा खेल रही है

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने सोमवार को एक्ट्रेस प्रीति जिंटा को उनकी टीम पंजाब किंग्स के आईपीएल 2026 में अब तक के शानदार प्रदर्शन को लेकर बधाई दी। बता दें कि आईपीएल 2026 में पीबीकेएस का प्रदर्शन अब तक काफी शानदार रहा है। टीम फिलहाल 4 मैचों में 3 जीत और 1 बेनतीजा मैच के साथ 7 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सलमान ने लिखा, 'शाबाश जिंटा! बधाई हो जिंटा, टीम बहुत अच्छा खेल रही है।'

फैंस को पुराने ट्वीट की याद आई

सलमान का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। दरअसल, फैंस ने इस ट्वीट की तुलना साल 2014 में किए गए सलमान के पुराने पोस्ट से की, जिसमें उन्होंने पूछा था, 'जिंटा की टीम जीती क्या?' सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इसे 12 साल बाद आया सबसे अच्छा सीक्वल बताते हुए फनी रिएक्शन दिए। वहीं, एक यूजर ने कहा, 'टाइगर जिंटा है।'

दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया

सलमान खान और प्रीति जिंटा ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें चोरी चोरी चुपके चुपके, जान-ए-मन और हर दिल जो प्यार करेगा शामिल हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द फिल्म मातृभूमि में नजर आएंगे। वहीं इसके अलावा एक्टर जल्द ही दिल राजू के साथ एक फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी और इसका डायरेक्शन वामशी पेडिपल्ली करेंगे। वहीं, प्रीति जिंटा फिल्म लाहौर 1947 में सनी देओल, शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल के साथ नजर आएंगी। फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान ने तैयार किया है और गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। प्रीति वाइब नाम के एक प्रोजेक्ट में भी नजर आएंगी।

सीएसके की लगातार दो जीत के बाद अश्विन ने गायकवाड़ को दी सलाह

बल्लेबाजी दृष्टिकोण में करें बदलाव

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना ??है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में लगातार दो जीत से कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर दबाव कम होगा। उन्होंने इसके अलावा खराब फॉर्म में चल रहे इस सलामी बल्लेबाज को पारी की शुरुआत में अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव करने की सलाह भी दी। पांच बार की चैंपियन सीएसके ने शुरुआत में लगातार तीन हार झेली लेकिन इसके बाद उसने दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर शानदार वापसी की। अश्विन ने जियोस्टार पर कहा, कप्तान के तौर पर उन्हें दो जीत मिल चुकी हैं, जिससे वह सहज महसूस करेंगे। सच कहूं तो अगर मैं डगआउट में होता या रुतुराज गायकवाड़ होता तो ज्यादा चिंता नहीं करता। टी20 प्रारूप ऐसा है जहां आपको लगातार इरादा दिखाना होता है। गायकवाड़ रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में केवल 63 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 28 है। उनकी असफलता के कारण युवा आयुष म्हात्रे के संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने की भी चर्चा बढ़ रही है।

बार्सिलोना चैंपियंस लीग से बाहर हुई

- एटलेटिको मैड्रिड ने 3-2 के एग्रीगेट स्कोर से हराया; 2017 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची

बार्सिलोना (एजेंसी)। चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराया, लेकिन कुल स्कोर 3-2 रहने से टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पहले लेग में एटलेटिको ने 2-0 की जीत हासिल की थी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। इस जीत की बदौलत वह एग्रीगेट स्कोर पर 3-2 से आगे रही। एटलेटिको मैड्रिड 2017 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। अब अगले दौर में उनका मुकाबला आर्सेनल या स्पोर्टिंग लिस्बन में से किसी एक से होगा।

शुरुआती 24 मिनट में बार्सिलोना ने बनाए दो गोल

मैच के शुरुआती 24 मिनटों में ही बार्सिलोना ने दो गोल कर बढ़त बना ली थी। चौथे मिनट में ही युवा खिलाड़ी लेमिन यमल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने एटलेटिको के डिफेंडर क्लेमेंट लेंगलेट की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद 24वें मिनट में फेरान टॉरेस ने दानी ओल्मो के पास पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन एटलेटिको मैड्रिड ने हार नहीं मानी और मैच में वापसी की।

11 साल से ट्रॉफी का इंतजार, मिडफील्डर बोले-किस्मत खराब थी

बार्सिलोना ने आखिरी बार 2015 में चैंपियंस लीग जीती थी। हार के बाद मिडफील्डर फ्रेंकी डी जोंग ने कहा, हमने अपनी जान लगा दी थी, लेकिन किस्मत हमारे साथ नहीं थी। हम सही रास्ते पर हैं और हर साल सुधार कर रहे हैं।

रेड कार्ड और सब्स्टिट्यूशन पर बहस

बार्सिलोना के कोच हंसी फिलक के फैसलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने अनुभवी रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और मार्कस रैशफोर्ड को बेंच पर बिठाकर फेरान टॉरेस और गावी के साथ शुरुआत की। मैच के आखिरी पलों में डिफेंडर एरिक गार्सिया को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने गोल की तरफ बढ़ रहे अलेक्जेंडर सोरलॉथ को गलत तरीके से गिराया था। 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई बार्सिलोना अंत तक तीसरा गोल नहीं कर सकी।

एडमोला लुकमैन का गोल टर्निंग पॉइंट बना

मैच का सबसे अहम मोड़ 31वें मिनट में आया। मार्कोस लोरेंटे के पास पर एडमोला लुकमैन ने एटलेटिको के लिए गोल किया। यह गोल एग्रीगेट स्कोर के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ।

दूसरे हाफ में मौके, लेकिन किस्मत नहीं

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने एक और गोल किया, लेकिन फेरान टोरेस का यह गोल ऑफसाइड करार दे दिया गया। गोलकीपर जोन गार्सिया ने भी एक अहम बचाव किया। मैच के दौरान गावी और माटेओ रुगिएरी के बीच टक्कर में रुगिएरी को चोट लगी और खेल कुछ देर रुका।

विजडन ने दीप्ति शर्मा को बेस्ट महिला क्रिकेटर चुना

फाइव क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में गिल-जडेजा समेत 4 भारतीय, ऑस्ट्रेलिया के स्टार्क बेस्ट पुरुष खिलाड़ी

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट की 'बाइबल' कही जाने वाली पत्रिका विजडन क्रिकेटर्स अल्मानैक ने इस साल ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को 'लीडिंग पुरुष क्रिकेटर' और भारत की दीप्ति शर्मा को 'लीडिंग महिला क्रिकेटर' चुना। पत्रिका का 163वां संस्करण 15 अप्रैल को प्रकाशित होने जा रहा है। इस साल विजडन ने 'फाइव क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर' में 4 भारतीय खिलाड़ियों को जगह दी। इनमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

गिल को विजडन ट्रॉफी – गिल को शानदार प्रदर्शन के लिए विजडन ट्रॉफी दी गई। उन्होंने एजबेस्टन टेस्ट में 430 रन बनाकर मैच जिताया था। अभिषेक शर्मा को साल का सर्वश्रेष्ठ टी-20 खिलाड़ी चुना गया, जिन्होंने कैलेंडर ईयर में 1000 रन दो रन प्रति गेंद से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से बनाए।

स्टार्क ने पिछले साल 55 विकेट लिए – स्टार्क ने 2025 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 11 टेस्ट में 55 विकेट लिए और वेस्टइंडीज के खिलाफ 6/9 का करियर बेस्ट प्रदर्शन किया। एशेज 2025-26 के पहले दो टेस्ट में 18 विकेट लेकर सीरीज में कुल 31 विकेट झटके।

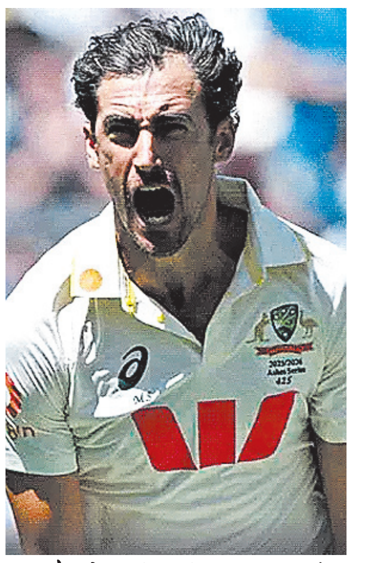

इंग्लैंड के हसीब भी शामिल –इंग्लैंड के हसीब हमीद 'फाइव क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर' में शामिल हैं। उन्होंने नॉटिंघमशायर को काउंटी चैंपियनशिप जिताई और 1258 रन बनाए, जिसमें चार शतक और दो दोहरे शतक शामिल हैं।

दीप्ति ने वर्ल्ड कप में 22 विकेट लिए – दीप्ति शर्मा भारत की वर्ल्ड कप जीत में अहम खिलाड़ी रहीं। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 215 रन और 22 विकेट लिए। फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 58 रन और 5/39 विकेट लेकर मैच जिताया।

- **इंग्लैंड की हार पर सवाल उठे** – विजडन के एडिटर लॉरेंस बूथ ने इंग्लैंड की एशेज में 4-1 हार पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि टीम ने बड़ा मौका गंवाया और प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स की रणनीति को 'प्रीडिक्टेबल और जिद्दी' बताया। बूथ ने कहा कि इंग्लैंड को घरेलू क्रिकेट से दोबारा जुड़ने की जरूरत है, ताकि खिलाड़ियों को सही मंच मिले। इसी संदर्भ में जेम्स कॉयने ने इंग्लैंड में स्कूल क्रिकेट पर चिंता जताई और कहा कि खेल अब भी निजी स्कूलों तक सीमित होता जा रहा है।
- **डिकी बर्ड को श्रद्धांजलि दी गई** – अल्मनैक में दिग्गज अंपायर डिकी बर्ड को श्रद्धांजलि दी गई, जिनका सितंबर में 92 साल की उम्र में निधन हुआ था। उनके फैसलों की निष्पक्षता और अंदाज को याद किया गया।
- **विजडन पत्रिका- 1864 में स्थापना हुई थी** – विजडन क्रिकेटर्स अल्मानैक मशहूर स्पोर्ट्स रेफरेंस बुक है। इसे विजडन भी कहा जाता है। यह ब्रिटेन में 1864 से हर साल प्रकाशित होती है। इसकी स्थापना जॉन विजडन ने की थी। इसकी स्थापना का मकसद दुनियाभर में क्रिकेट की प्रामाणिक कवरेज देना था।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में सट्टेबाजी के विज्ञापनों पर रोक

रिसर्च - जीतने के बाद भी फैंस खुश होने की बजाय निराश कि पूरी रकम क्यों नहीं लगाई

लंदन (एजेंसी)। खेलों में सट्टेबाजी (स्पोर्ट्स बेटिंग) के बढ़ते चलन और इसके लुभावने विज्ञापनों के बीच, एक ताजा रिपोर्ट ने इसके मनोवैज्ञानिक और आर्थिक खतरों को उजागर किया है। इंग्लिश प्रीमियर लीग के क्लबों द्वारा सट्टेबाजी स्पॉन्सरशिप पर रोक के बाद हो रहे वित्तीय नुकसान की शिकायतों के बीच, ब्रिटेन के एक वरिष्ठ खेल पत्रकार ने बेटिंग की वास्तविकता परखने के लिए एक प्रयोग किया, जिसके नतीजे चौंकाने वाले रहे हैं।

प्रीमियर लीग में अगले सीजन से खिलाड़ियों की जर्सी के फ्रंट पर सट्टेबाजी कंपनियों के विज्ञापन देने पर स्वैच्छिक रोक लगाई जा रही है। इस फैसले के बाद नौ से ज्यादा क्लबों ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें सट्टेबाजी कंपनियों के बराबर पैसे देने वाले अन्य स्पॉन्सर नहीं मिल रहे हैं, जिससे उन्हें करोड़ों का नुकसान हो रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का तर्क है कि सट्टेबाजी उद्योग का यह भारी-भरकम मुनाफा सीधे तौर पर आम फैंस की जेब से आता है, जो दांव लगाने की लत का शिकार हो रहे हैं।

क्या खेलों की अच्छी समझ होने पर सट्टेबाजी से सुरक्षित तरीके से पैसा कमाया जा सकता है? यह जांचने के लिए ब्रिटिश खेल पत्रकार ने एक सोशल एक्सपेरिमेंट किया। उनका लक्ष्य 10 पाउंड (करीब 1000 रुपए) को सुरक्षित दांव लगाकर 1000 पाउंड (करीब 1 लाख रुपए) में बदलना था। शुरुआती दांव जीतने के बाद, उनकी 10 पाउंड की रकम 120 पाउंड तक पहुंच गई, जिससे यह भ्रम पैदा हुआ कि सिस्टम काम कर रहा है।

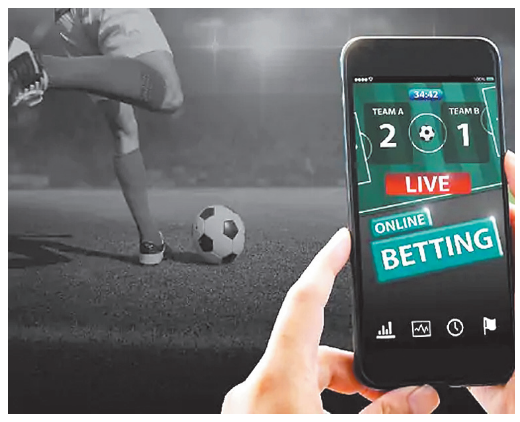

रिपोर्ट के अनुसार, दांव जीतने के बावजूद पत्रकार को खुशी के बजाय निराशा हुई कि उन्होंने पूरी रकम दांव पर क्यों नहीं लगाई। विशेषज्ञों के अनुसार, यही सट्टेबाजी का सबसे बड़ा मनोवैज्ञानिक जाल है। प्रयोग ने साबित किया कि खेलों की अनिश्चितता के कारण सट्टेबाजी में कोई 'पक्का फॉर्मूला' काम नहीं आता।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने बैडमिंटन यूरोप से कहा, जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया। उन्होंने कहा, दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल नाडा की आरटीपी सूची में शामिल

ये बड़े क्रिकेटर्स पहले से ही लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल को इस साल की दूसरी तिमाही के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है। आरटीपी में शामिल 348 खिलाड़ियों की नवीनतम सूची में अभिषेक और अक्षर ने स्मृति मंधाना और श्रेयस अय्यर की जगह ली है। इन सभी खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी को अपने ठिकाने की जानकारी देनी होगी और प्रतिदिन एक निश्चित समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होगा।

अपने ठिकाने की जानकारी देने में तीन बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है। टेस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शेफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं। कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।

नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। लंबी कूद में हिस्सा लेने वाली शैली सिंह और एम श्रीशंकर तथा गोला फेंक की एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर को भी इस सूची में शामिल किया गया है।

तीरंदाजी से अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी, राकेश कुमार और मशहूर पैरा तीरंदाज शीतल देवी नाडा की इस सूची में शामिल हैं। हॉकी से मनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह के साथ-साथ महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे, सविता पूनिया और नवनीत कौर भी इस सूची का हिस्सा हैं।

धोनी ने चेपॉक पर किया अभ्यास, केकेआर के खिलाफ खेलने की संभावना

चेन्नई (एजेंसी)। कॉफ इंजरी से उबर रहे एमएस धोनी की आईपीएल 2026 में वापसी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि वह अभी भी मैच फिटनेस पर काम करते प्रतीत हो रहे हैं। 28 मार्च को सीजन के पहले दिन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने बयान में बताया था कि धोनी पहले दो सप्ताह तक के लिए बाहर रह सकते हैं और वह रिहैब से गुजरेंगे।

धोनी टीम के अन्य साथियों के साथ अभ्यास कर रहे हैं लेकिन वह केवल थ्रोडाउन का सामना कर रहे हैं और अभी भी उनका पूरी तरह से फिट होना बाकी है। सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर चेपॉक में अंडर लाइट्स सीएसके के अभ्यास के अंतिम चरण में धोनी ने नेट्स में थोड़ी देर अभ्यास किया। लेकिन एक बार फिर उन्होंने सपोर्ट स्टाफ से केवल थ्रोडाउन का सामना किया, उन्हें अभ्यास कराने वालों में टीम के बल्लेबाजी कोच माइक हसी भी शामिल थे।

जब हसी ने प्रैक्टिस पिच के बीच में गेंद डाली तो गेंद धोनी के बल्ले के जोड़ पर जा लगी। लेकिन जब गेंद उनके स्लॉट में पड़ी तब उन्होंने गेंद को अपने बॉटम हैंड का इस्तेमाल करते हुए मिडविकेट बाउंड्री की ओर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने स्लॉट में पड़ी एक और गेंद को लेग साइड में 'जेस्टैंड में भेज दिया। सीएसके का अभ्यास सत्र रात के नौ बजे समाप्त हुआ। धोनी ने विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं किया। 44 वर्षीय धोनी ने सीएसके के अब तक चारों मुकाबले मिस किए हैं और मंगलवार को भी वह खेलने से चूक सकते हैं।

उन्होंने अब तक चेन्नई के बाहर सीएसके के मुकाबलों के लिए गुवाहाटी और बेंगलुरु की यात्रा नहीं की है। वहीं ष्टस्य के घरेलू मुक़ाबलों के लिए भी वह चेपॉक नहीं पहुंचे हैं। गुवाहाटी में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि वह टीम से जुड़ी चर्चाओं में शामिल रहते हैं और टीम पर उनका प्रभाव अभी भी मजबूत है। धोनी की अनुपस्थिति में संजू सैमसन विकेटकीपिंग कर रहे हैं और इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवटर्न ने अपने खेल से फिनिशर की भूमिका अदा करने की झलक दिखाई है।

सीएसके के पास राजस्थान के विकेटकीपर कार्तिक शर्मा भी हैं जिन्हें उन्होंने दिसंबर में हुई नीलामी में 14.2 करोड़ में खरीदा था, इसके अलावा उनके पास गुजरात के विकेटकीपर उर्विल पटेल का विकल्प भी मौजूद है। पिछले कुछ सीजन में धोनी ने प्रति पारी अंतिम 10-12 गेंदें खेलकर उनका अधिक से अधिक उपयोग करने की भूमिका निभाई है। 2023 में उनका स्ट्राइक रेट 182 था और 2024 में उन्होंने 221 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। लेकिन पिछले साल उन्हें 145 गेंदों का सामना करना पड़ा जो कि 2023 (57) और 2024 (73) में खेली गई गेंदों को मिलाकर भी ज़्यादा था और इसके परिणामस्वरूप उनका स्ट्राइक रेट घटकर 135 का रह गया।

अंशुल कम्बोज और प्रसिद्ध कृष्णा के 10-10 विकेट, पर्पल कैप अभी प्रसिद्ध के पास

चेन्नई (एजेंसी)। दे दनादन क्रिकेट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 जैसे-जैसे आगे बढ़ता जा रहा है अब हर दिन पर्पल और ऑरेंज कैप तालिका में बदलाव हो रहे है। इसी क्रम में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद अंशुल कम्बोज और प्रसिद्ध कृष्णा के 10-10 विकेट हो गए हैं लेकिन पर्पल केप पर प्रसिद्ध का कब्जा है।

सीएसके के मध्यम तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज अब तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेले हैं जिसमें उन्हें विकेट न मिला हो। पांच मैचों में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ जब वे दो या उससे अधिक विकेट नहीं ले सके। एमए चिंदबरम स्टेडियम में खेले कल खेले गए मुकाबले में कम्बोज ने केकेआर के खिलाफ 32 रन देकर 2 विकेट झटके इसी के साथ उनके इस सीजन में कुल 10 विकेट हो गए।

अब वे प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात टाइटंस) के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गए हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट के चलते पर्पल कैप अभी भी कृष्णा के पास ही है। इस तालिका में रवि बिश्नोई (राजस्थान रॉयल्स) 9 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। उनके बाद जोफ्रा आर्चर 7 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद तीन गेंदबाज छह-छह विकेट के साथ मौजूद हैं, प्रिंस यादव (लखनऊ सुपर जायंट्स), जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और केकेआर के वैभव अरोड़ा, जिन्होंने सीएसके के खिलाफ एक विकेट हासिल किया।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयन्त चौधरी ने 135वीं अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने देश के महान संविधान निर्माता के योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों को आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया।

इसके उपरांत श्री जयन्त चौधरी संसद भवन के सेंट्रल हॉल पहुंचे, जहां उन्होंने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की गरिमामयी उपस्थिति में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबा साहेब के जीवन और उनके द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों को याद किया। श्री जयन्त चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और सशक्तिकरण की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी देश के युवाओं को आगे बढ़ने की दिशा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बाबा साहेब के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समावेशी विकास और कौशल सशक्तिकरण के माध्यम से एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसके उपरांत, श्री जयन्त चौधरी ने सांसद राजकुमार सांगवान और चंदन चौहान के साथ अपने आवास पर डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

राजस्थान में बीएपी नेता के भाई की पीट-पीटकर हत्या, पुलिस मान रही प्रेम प्रसंग के कारण हुई घटना

उदयपुर , एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) नेता के भाई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजन ने युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

पुलिस इसे प्रेम प्रसंग के कारण हत्या मान रही है। सोमवार देर रात 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में झाड़ियों में मिला। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच में सामने आया है कि रात करीब 2 बजे बीएपी नेता को सरपंच प्रकाश का फोन आया था। सरपंच ने लोकेशन बताते हुए कहा कि तुम्हारा भाई झाड़ियों में पड़ा है। एसपी सुधीर जोशी ने कहा कि फिलहाल सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और कॉल डिटेल खंगाली जा रही हैं। मृतक शादीशुदा था और उसके दो छोटे बच्चे हैं।

वर्दी पहनकर धोखाधड़ी: शादी का झांसा देकर 60 महिलाओं को बनाया शिकार

हैदराबाद, एजेंसी। सीआईएसएफ कर्मी का रूप धरकर एक महिला और उसके परिवार को शादी के लिए धोखा देने के आरोप में एक 30 वर्षीय युवक को हैदराबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का आरोपित सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संदिग्ध तरीके से फोटो खींचते हुए पैरामिलिट्री यूनिफार्म पहने पाया गया। उसे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों द्वारा रोका गया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। वह एक तलाकशुदा महिला के साथ रिश्ते में था। उसने महिला से शादी करने की साजिश के तहत सीआईएसएफ कर्मी का रूप धरा था, जबकि उसने अपनी पहली पत्नी से अलगाव कर लिया था। आरोपित ने महिला के परिवार को बताया था कि वह हैदराबाद हवाई अड्डे पर सीआइएसएफ में तैनात है। अधिकारी ने कहा, उसने एक यूनिफार्म खरीदी और सोमवार को हैदराबाद हवाई अड्डे पर गया, जहां उसने अपने मोबाइल फोन पर फोटो खींचे। उसने ये फोटो महिला के परिवार को एक इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप से भेजे और यह दावा करने के लिए वीडियो कॉल भी किया कि वह सीआईएसएफ में काम कर रहा है और हवाई अड्डे पर तैनात है।

महिला सांसद का सनसनीखेज दावा- स्वयंभू बाबा अशोक खरात का हो सकता है मुठभेड़ में सफाया

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने मंगलवार को दावा किया कि बलात्कार के कई मामलों में गिरफ्तार स्वयंभू धर्मगुरु अशोक खरात को फर्जी मुठभेड़ में मारा जा सकता है।

इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहाकि अगर वह जिंदा रहा तो उससे जुड़े और भी नाम सामने आने की संभावना है। शिंदे ने यहां पत्रकारों से कहाकि मुझे लगता है कि खरात का मुठभेड़ में सफाया किया जाएगा। कारण स्पष्ट है, उससे जुड़े और भी नाम सामने आने की संभावना है। ये नाम भी सत्ता में बैठे लोगों से जुड़े हैं, जिनमें मंत्री भी शामिल हैं।

कुछ बुरा हो सकता है: प्रणीति ने कहाकि और भी सबूत सामने आ सकते हैं, लेकिन उससे पहले उसके (खरात के) साथ कुछ बुरा हो सकता है। खरात को नासिक पुलिस ने तीन साल से अधिक समय तक एक महिला के साथ बार-बार बलात्कार करने के आरोप में 18 मार्च को गिरफ्तार किया था।

बाद की जांच में यौन शोषण, भूमि हड़पने और धोखाधड़ी के और भी मामले सामने आए। पिछले कुछ वर्षों में, कई प्रमुख नेता सिन्हार तहसील में खरात द्वारा निर्मित एक मंदिर में दर्शन करने गये थे। शिंदे के दावे पर महाराष्ट्र के मंत्री एवं भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि कुछ लोग जांच में सहयोग करने के बजाय निराधार दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे दावे जांच की दिशा भटकाने का प्रयास प्रतीत होते हैं।

पुलिस हिरासत में है खरात: खरात फिलहाल पुलिस हिरासत में है। उसके खिलाफ अहिल्या नगर और नासिक शहर में 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से आठ यौन उत्पीड़न से जुड़े हैं। एसआईटी की प्रमुख एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी तेजस्वी सतपुते ने मंगलवार को बताया कि उनकी टीम ने अब तक 30 गवाहों और पीड़ितों के बयान दर्ज किए हैं। सतपुते ने संवाददाताओं को बताया कि पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि आरोपी ने पीड़ितों और उनके परिवारों की आस्था का फायदा उठाया। पीड़ित परिवार के सदस्यों में मृत्यु का भय पैदा करके और पत्थर, इमली के बीज जैसी चीजों का इस्तेमाल करके तथा अनुष्ठान करके उसने उनसे पैसे वसूले।
उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खरात और उसकी संपत्तियों से कथित तौर पर जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। सतपुते ने कहा कि एसआईटी ने खरात के खिलाफ मामलों की जांच के लिए 24-सदस्यीय विशेष दल का गठन किया है।

दिव्य शक्ति के इस्तेमाल का दावा कर डराता था: गौरतलब है कि यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार स्वयंभू धर्मगुरु एवं ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को कहाकि आरोपी ने 'दिव्य शक्ति' होने का दावा करके महिलाओं का यौन शोषण किया। जांचकर्ताओं के मुताबिक, खरात ने महिलाओं को भयभीत किया कि अगर वे उसकी बात नहीं मानेंगी तो उसकी 'दैवीय शक्तियों' के प्रभाव से उनके (महिलाओं के) परिवार के सदस्यों की मौत हो जाएगी या उन्हें वह बदनाम कर देगा। जांच के मुताबिक, खरात महिलाओं को अपने प्रभाव में लेने के लिए अनुष्ठान का सहारा लेता था और डराने-धमकाने तथा 'दिव्य आह्वान' के लिए पत्थर और इमली के बीज जैसी वस्तुओं का इस्तेमाल करता था।

घरवालों ने तय किया रिश्ता तो पानी की टंकी पर चढ़ गई लड़की, बुलाया गया प्रेमी; शाम होते-होते मांग पूरी

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती अपने प्रेमी से शादी की जिद को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से समझाकर उसे नीचे उतरवाया। देर शाम उनकी मंदिर में शादी कराई गई।

पुलिस के अनुसार, युवती का परिवार उसकी शादी कहीं और तय कर चुका था और घर में तैयारियां भी चल रही थीं। शादी की तारीख महज चार दिन बाद की बताई जा रही है। युवती ने प्रेमी से शादी के लिए कहा तो परिवारीजनों ने इंकार कर दिया था, जिसके बाद वह घरवालों ने नाराज होकर पानी की ऊंची टंकी पर चढ़कर विरोध जताने लगी। उसने कहा कि अगर उसकी शादी उसके प्रेमी से नहीं कराई गई तो वह खुदकुशी कर लेगी।

युवती के टंकी पर चढ़ने की सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। काफी देर तक समझाने-बुझाने और धैर्यपूर्वक बातचीत के बाद पुलिस ने युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और स्थिति को नियंत्रित किया। उसके परिवारीजन और प्रेमी को बुलाकर पुलिस ने बात की। पता चला कि दोनों बालिग हैं। ग्राम प्रधान की पहल पर दोनों परिवारों के बीच समझौता कराया गया, जिसमें अंततः प्रेमी युगल की शादी के लिए सहमति बन गई। शाम को मंदिर में दोनों की शादी करा दी गई। एसपी साउथ दिनेश पुरी ने बताया कि युवती को समझाकर नीचे उतारा गया। दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया।

झंगहा में भी शादी कराने को पानी की टंकी पर चढ़ी थी किशोरी

वहीं, कुछ दिन पहले गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के राघोपट्टी पडरी गांव में भी ऐसी एक घटना सामने आई थी। वहां एक किशोरी अपने प्रेमी से शादी की जिद में पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। सूचना मिलने पर उसका प्रेमी भी मौके पर पहुंच गया था। वह भी पानी की टंकी पर चढ़ा और शादी का भरोसा दिया। इसके बाद ही वह नीचे उतरी। हालांकि लड़की के नाबालिग होने के चलते पुलिस ने प्रेमी पर केस दर्ज कर उसे जेल भेजवा दिया था। मिली जानकारी के अनुसार किशोरी और युवक की मुलाकात हाईस्कूल की परीक्षा के दौरान हुई थी।

सीएम नायडू ने अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटीज का उद्घाटन किया

स्वदेशी हार्डवेयर इकोसिस्टम को मिलेगा बढ़ावा

अमरावती , एजेंसी। अमरावतीः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को अमरावती में क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित मानक परीक्षण एवं अनुसंधान केंद्र एक्यूआरएफ का उद्घाटन किया. इसका उद्देश्य देश की पहली 'स्वदेशी हार्डवेयर पारिस्थितिकी' तैयार करना और उन्नत कंप्यूटिंग प्रणालियों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है.

विश्व क्वांटम दिवस के अवसर पर लॉन्च किए गए अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटीज (एक्यूआरएफ) में एसआरएम यूनिवर्सिटी में स्थित अमरावती 1एस और मेधा टावर्स में स्थित अमरावती 1क्यू शामिल हैं. यह परियोजना 'अमरावती क्वांटम वैली' पहल के तहत विकसित की गई है. इसे देश के पहले स्वदेशी 'ओपन-एक्सेस क्वांटम कंप्यूटर प्रणाली' के रूप में पेश किया गया है, जिन्हें देश में ही डिजाइन, असेंबल और परीक्षण किया गया है.

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम नायडू ने कहा, 'देश की पहली क्वांटम रेफरेंस सुविधा का शुभारंभ, उन्नत तकनीकों में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है और यह राज्य को क्वांटम इनोवेशन के केंद्र के रूप में स्थापित करता है. ' नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया, जिन्होंने भारत की 'पहली ओपन-एक्सेस' क्वांटम सुविधाओं के हिस्से के रूप में अमरावती क्वांटम वैली की स्थापना को प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि क्वांटम हार्डवेयर टेस्टबेड (परीक्षण मंच), क्वांटम उपकरणों के परीक्षण और प्रमाणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और उभरती हुई तकनीकों में देश की क्षमताओं को मजबूत करेंगे.

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि यह पहल शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के लोगों और छात्रों को क्वांटम प्रणालियों तक पहुंच प्रदान करेगी, जिससे वे क्वांटम तकनीकों के क्षेत्र में रिसर्च, विकास और नवाचार करने में सक्षम हो सकेंगे. उन्होंने कहा की कि जिस तरह बिजली ने औद्योगिक विकास को गति दी और इंटरनेट ने डिजिटल युग को शक्ति प्रदान की, उसी तरह क्वांटम तकनीक आधुनिक नवाचार को आगे बढ़ाएगी।

राजदूत पी हरीश बोले- दो-स्तरीय स्थायी सदस्यता गलत, भारत वीटो के अधिकार पर जी4 के प्रस्ताव के साथ

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग को लेकर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने सुरक्षा परिषद में किसी भी तरह की भेदभावपूर्ण दो-स्तरीय स्थायी सदस्यता का विरोध किया है। हालांकि, भारत जी4 के उस प्रस्ताव पर सहमत हो गया है, जिसमें नए स्थायी सदस्यों के लिए वीटो पावर के इस्तेमाल को 15 वर्षों तक टालने की बात कही गई है।

वास्तविक सुधार के लिए वीटो जरूरी

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) की बैठक में कहा कि वीटो के साथ स्थायी श्रेणी का विस्तार सुरक्षा परिषद के वास्तविक सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हस्ट सुधार के ढांचे के तहत वीटो के साथ या बिना वीटो की एक नई श्रेणी बनाना पहले से चल रही उस चर्चा को और जटिल बना देगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि भारत जी4 के उस रुख से सहमत है जिसे ब्राजील के उप स्थायी प्रतिनिधि नॉर्बर्टो मोरेटी ने उनकी ओर से पेश किया था।

जी4 का लचीला प्रस्ताव: भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान के समूह जी4 की ओर से ब्राजील के उप स्थायी प्रतिनिधि नॉर्बर्टो मोरेटी ने यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि बातचीत को रचनात्मक बनाने और लचीलापन दिखाने के लिए जी4 का प्रस्ताव है कि नए स्थायी सदस्य तब तक वीटो का उपयोग नहीं करेंगे, जब तक कि 15 साल की समीक्षा के दौरान इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं ले लिया जाता। मोरेटी ने तर्क दिया कि वीटो के मुद्दे को सुरक्षा परिषद की पुरानी संरचना को बनाए रखने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, नए स्थायी सदस्यों के आने से परिषद अधिक लोकतांत्रिक बनेगी।

ऐतिहासिक असंतुलन का हवाला: पी हरीश ने 1965 के सुधारों का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय केवल चार गैर-स्थायी सदस्य जोड़े गए थे, जिससे वीटो रखने वाले पांच स्थायी सदस्यों को सापेक्ष लाभ मिला। इससे स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों का अनुपात 5ः6 से बदलकर 5ः10 हो गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अब स्थायी सदस्यों को जोड़े बिना सुधार किए गए, तो यह अनुपात और भी बिगड़ जाएगा और मौजूदा असमानता हमेशा के लिए बनी रहेगी।

विरोध और अन्य देशों की मांग: दूसरी ओर, इटली और पाकिस्तान जैसे देशों ने स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने का विरोध किया है। उनका दावा है कि अधिक देशों के पास वीटो पावर होने से परिषद की कार्यक्षमता कम हो जाएगी। वहीं, अफ्रीका समूह ने ऐतिहासिक अन्याय को खत्म करने के लिए नए सदस्यों के लिए तुरंत वीटो पावर की मांग की है। उनका तर्क है कि संयुक्त राष्ट्र के गठन के समय अधिकांश अफ्रीकी देश उपनिवेशवाद के शिकार थे और उन्हें स्थायी सदस्यता से बाहर रखा गया था।

ईरान के साथ जंग के बीच चीन को भी संदेश! फिलीपींस के साथ बड़ा युद्धाभ्यास करेगा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। एशिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दिखाने के लिए अमेरिका और फिलीपींस के बीच इस साल एक बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। अमेरिकी सेना के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस अभ्यास में दोनों देशों के 17,000 से ज्यादा सैनिक हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका इस सैन्य अभ्यास के जरिए इलाके का चौधरी बनने की कोशिश कर रहे चीन को भी संदेश देने की कोशिश कर रहा है। यह युद्धाभ्यास 20 अप्रैल से 8 मई तक चलेगा और इसे 'बालिकातन' नाम दिया गया है जिसका मतलब है 'कंधे से कंधा मिलाकर'।

चीन को एक मजबूत संदेश देने की कोशिश: एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अभ्यास सीधे तौर पर क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच एक मजबूत संदेश है। इस दौरान जापान की सेना भी शामिल होगी और फिलीपींस के उत्तर-पश्चिमी समुद्री इलाके में एक जहाज को मिसाइल से डुबाने का अभ्यास करेगी। यह इलाका विवादित दक्षिण चीन सागर के करीब है, जहां चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर अपना दावा करता है। फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री इलाके पर दावा करते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में चीन और फिलीपींस के बीच टकराव तेजी से बढ़ा है। बीते कुछ सालों में कई बार दोनों देशों के जहाज आमने-सामने आ चुके हैं।

चीन करता रहा है ऐसे सैन्य अभ्यासों का विरोध: इस बार के अभ्यास में फ्रांस और कनाडा की सेनाएं भी शामिल होंगी, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि चीन के खिलाफ क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ रहा है।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की

कहा- हमारे युवाओं के रोजगार पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में।

सीनेटर स्कॉट ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक स्वयं घोषित दुश्मन देश है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है।

उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं। उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है।

सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है।

इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच-1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

अंडमान सागर हादसा: शरणार्थियों को ले जा रहा जहाज पलटा, 250 लोगों के मरने की आशंका

ढाका, एजेंसी। अंडमान सागर में मंगलवार को रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत लगभग 250 लोगों को ले जा रहे एक जहाज के समुद्र में पलट जाने के बाद बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. संयुक्त राष्ट्र संघ हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर इस घटना पर 'गहरा दुख' जताया है. यह घटना ऐसे समय हुई जब यह इलाका बंगाली न्यू ईयर मना रहा है. खबर है कि दक्षिणी बांग्लादेश के टेकनाफ से निकला यह जहाज मलेशिया जा रहा था, जब तेज हवाओं और बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह दुखद घटना लंबे समय तक विस्थापन और रोहिंग्या के लिए पक्के समाधानों की कमी के भयानक नतीजों को दिखाती है. रखाइन राज्य में जारी हिंसा ने जल्द ही सुरक्षित वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया है, जबकि मानवीय मदद में कमी, रिफ्यूजी कैंपों में रहने के मुश्किल हालात, और शिक्षा और रोजी-रोटी तक सीमित पहुंच रिफ्यूजी को सुरक्षा और मौके की तलाश में ऐसे खतरनाक समुद्री सफर करने पर मजबूर कर रही है. विदेश में बेहतर सैलरी का वादा और अक्सर स्मगलिंग नेटवर्क से फैलाई गई गलत जानकारी, लोगों, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को बड़े रिस्क लेने पर मजबूर करती है. ये वजहें ऐसी स्थितियाँ बनाती हैं जिनमें स्मगलर और ट्रैफिकर कमज़ोरियों का फायदा उठा सकते हैं, जिससे जान को बड़ा खतरा हो सकता है. बयान में कहा गया, 'अंडमान सागर इन खतरनाक यात्राओं पर जाने वाले लोगों की जान लेता रहता है.' एजेंसियों ने आगे जोर दिया कि माना जा रहा है कि लापता यात्रियों में परिवार, महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,